रांची, सोमवार
25.05.2026
वर्ष : 11, अंक : 172, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

जनजातीय समाज को यूसीसी से डरने की जरूरत नहीं : अमित शाह

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को 'जनजाति सांस्कृतिक समागम' में कहा कि देश के आदिवासी समाज को समान नागरिक संहिता (यूसीसी) से डरने की जरूरत नहीं है। देश के गृहमंत्री होने के नाते वे आश्वासन देते हैं कि जनजातीय समाज को इससे अलग रखा जाएगा।

दिल्ली के लाल किला में वनवासी कल्याण आश्रम और जनजातीय सुरक्षा मंच की ओर से आयोजित जनजातीय समागम में आज गृहमंत्री शामिल हुए। इसमें देशभर के विभिन्न राज्यों की 01 लाख से अधिक जनजातियों के लोग अपनी पारंपरिक वेशभूषा और वाद्य यंत्रों के साथ शामिल हुए।

गृहमंत्री ने दोनों संगठनों की जनजाति समाज को एकजुट करने और उन्हें समाज के अन्य वर्गों से जोड़ने के कार्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस आयोजन को जनजातियों के महाकुंभ के रूप में पहचाना जाएगा।

गृह मंत्री ने कहा कि यह सांस्कृतिक समागम आने वाले अनेक वर्षों तक जनजातियों के अस्तित्व, अस्मिता और संस्कृति के आंदोलन को नई पहचान देने के रूप में जाना जाएगा। उन्होंने कहा कि मैंने भगवान बिरसा मुंडा को नहीं देखा, लेकिन आज यहां उपस्थित जनजातियों में उनकी छवि प्रतिबिंबित हो रही है, मैं उनको नमन करता हूं।

शाह ने सतत विकास के मूलाधार को बताते हुए भगवान बिरसा मुंडा के जल, जंगल जमीन को संरक्षित करने के प्रयास को सार्वभौमिक बताया। उन्होंने कहा कि प्रकृति पूजा ही सनातन संस्कृति का मूल आधार है।

शाह ने परोक्ष रूप से धर्म परिवर्तन पर निशाना साधा और कहा कि प्रकृति पूजन करने वाला जनजातीय समाज सनातन संस्कृति का हिस्सा है और इसे बचाने का संकल्प लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भगवान राम ने अपने समय में शबरी के झूठे बेर खाकर और निषाद राज के पैर धोकर हमें एकता का संदेश दिया था।

उन्होंने कहा कि यह जनजातीय समागम देश के अंदर भेद पैदा करने वाले लोगों के लिए स्पष्ट संदेश है। यह लोग समान नागरिक संहिता के नाम पर जनजातीय समाज को डरा रहे हैं कि उन पर पाबंदियां लग जाएगी।

शाह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार ने पांच दशक की नक्सल समस्या को आज देश से पूरी तरह से खत्म कर दिया है। अब समय जनजातीय समाज के विकास के कार्यों को आगे बढ़ाने का है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में ही अलग से मंत्रालय बनाकर यह काम शुरू हो चुका था और वर्तमान सरकार ने पिछली कांग्रेस सरकारों के मुकाबले बजट में करीब 6 गुना की बढ़ोतरी कर जनजातीय समाज के लिए बड़े स्तर पर काम किया है।

इस दौरान गृहमंत्री ने मध्य प्रदेश सरकार की ओर से लाए गए आदिवासी ग्राम सभाओं को जल, जंगल, जमीन, खनिज और स्थानीय विवाद सुलझाने से जुड़े ह्यपेसाह्ण कानून कानून की सराहना की और कहा कि यह आइडियल कानून अब भारतीय जनता पार्टी की सरकारों की ओर से आगे बढ़ने का काम किया जाएगा।

जनजातीय सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत ने कहा कि जनजातियों में धर्मांतरण का प्रभाव काफी तेजी से दिखाई पड़ रहा है, जो हमारे समाज के लिए कैंसर है। उन्होंने कहा कि आज यहां उपस्थित जनजाति समाज एक जनसमुद्र है।

जनजाति सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय सह संयोजक डॉ राज किशोर हांसदा ने कहा कि धर्मपरिवर्तन कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। अगर हम परिवर्तित हो जायेंगे तो हमारी संस्कृति समाप्त हो जाएगी।

झारखंड में भीषण गर्मी का कहर

डाल्टनगंज में पारा 44.8 डिग्री तक पहुंचा, कई ज़िलों के लिए लू का अलर्ट

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड में इन दिनों भीषण गर्मी और तेज धूप ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में तापमान लगातार बढ़ रहा है। राज्य के कई जिलों में गर्म हवाओं और लू का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले दिनों में तापमान में और वृद्धि होने की संभावना है, जिससे लोगों की परेशानी बढ़ सकती है।

राज्य में सबसे अधिक तापमान डाल्टनगंज में 44.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जबकि राजधानी रांची का अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। भीषण गर्मी के कारण दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिल रहा है और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं।

मौसम विभाग ने 25 और 26 मई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी जिलों गढ़वा, पलामू और चतरा में हीट वेव यानी लू चलने को लेकर अलर्ट जारी किया है। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने और तेज धूप से बचने की अपील की है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में सबसे कम तापमान गोड्डा में 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं इस दौरान सबसे अधिक 6.8 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। हालांकि, बारिश का असर गर्मी पर ज्यादा नहीं दिखा और अधिकांश जिलों में उमस और गर्म हवाओं का प्रकोप बना रहा।

रविवार को रांची और आसपास के क्षेत्रों में सुबह से मौसम साफ रहा, जबकि दोपहर बाद आंशिक रूप से बादल छाए रहे। बादलों की मौजूदगी से लोगों को कुछ हद तक गर्मी से राहत जरूर मिली, लेकिन उमस बनी रही।

राज्य के प्रमुख शहरों का तापमान भी सामान्य से काफी अधिक दर्ज किया गया। रांची में अधिकतम तापमान 39.2 डिग्री और न्यूनतम 26.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 41.3 डिग्री और न्यूनतम 29.1 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 44.8 डिग्री और न्यूनतम 27.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 40.5 डिग्री और न्यूनतम 28.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 40.4 डिग्री और न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विशेषज्ञों का कहना है कि लगातार बढ़ती गर्मी और हीट वेव की स्थिति को देखते हुए लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की आवश्यकता है। खासकर बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को दोपहर के समय घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को जल्द अंतिम रूप दिए जाने के करीब : रूबियो

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने रविवार को कहा कि भारत और अमेरिका लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये समझौता दोनों देशों के लिए लाभकारी और टिकाऊ होगा तथा भारत-अमेरिका के पारस्परिक हितों को आगे बढ़ाएगा।

भारत की 4 दिवसीय यात्रा पर आए अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने नई दिल्ली में विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत के बाद रूबियो ने कहा कि ये समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद और लंबे समय तक टिकाऊ होगा।

अमेरिकी विदेशं मंत्री मार्को रूबियो और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच व्यापार, दुर्लभ खनिज, ऊर्जा और रक्षा सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। रूबियो ने कहा, विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर बहुत बढ़िया और समझदार आदमी हैं, जिनके लिए मेरे मन में बहुत इज्जत और सम्मान है।

रूबियो ने कहा, हमने काफी प्रगति की है और मुझे लगता है कि अमेरिका और भारत के बीच ऐसा व्यापार समझौता होगा, जो लंबे समय तक कायम रहेगा, यह समझौता दोनों पक्षों के लिए लाभकारी होगा और राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखेगा। उन्होंने बताया कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन की व्यापार नीति किसी खास देश को निशाना बनाने के लिए नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य वैश्विक व्यापार व्यवस्था के प्रति अमेरिका के दृष्टिकोण को संतुलित करना है। अमेरिकी विदेश मंत्री की यह पहली भारत यात्रा ऐसे समय हो रही है जब पिछले एक वर्ष में व्यापार और शुल्क नीतियों को लेकर दोनों देशों के संबंधों में तनाव देखने को मिला।

अजीत डोभाल से मिले अमेरिकी विदेश मंत्री

नई दिल्ली। अमेरिका के विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मार्को रूबियो ने रविवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विस्तृत चर्चा हुई। वार्ता में विशेष रूप से ट्रस्ट (रणनीतिक प्रौद्योगिकी के उपयोग से संबंधों का रूपांतरण) पहल से जुड़े सहयोग को आगे बढ़ाने पर जोर दिया गया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि दोनों राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों ने भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को उच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता दोहराई। बैठक में क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

ईरान समझौते में जल्दबाजी नहीं, बंदरगाहों की नाकेबंदी जारी रहेगी:ट्रंप

एजेंसी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान के साथ किसी भी समझौते को लेकर जल्दबाजी नहीं करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि जब तक कोई ठोस समझौता नहीं होता ईरानी बंदरगाहों पर लागू नाकेबंदी प्रभावी रहेगी। ट्रंप के इस बयान को पश्चिम एशिया में जारी कूटनीतिक गतिविधियों के बीच महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सोशल मीडिया पर जारी अपने संदेश में ट्रंप ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच बातचीत व्यवस्थित और सकारात्मक तरीके से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वार्ता प्रक्रिया में जल्दबाजी न की जाए। उनके अनुसार, किसी भी समझौते में सावधानी और संतुलन जरूरी है क्योंकि जल्दबाजी में लिया गया फैसला भविष्य में गंभीर परिणाम पैदा कर सकता है।

ट्रंप ने एक बार फिर दोहराया कि अमेरिका की प्राथमिक चिंता ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर है। उन्होंने कहा कि अमेरिका यह सुनिश्चित करना चाहता है कि ईरान किसी भी प्रकार के परमाणु हथियार के विकास या उसकी प्राप्ति की दिशा में आगे न बढ़े।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत को लेकर सकारात्मक संकेत भी सामने आए हैं। इससे पहले ट्रम्प ने दावा किया था कि दोनों पक्षों के बीच समझौते की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है और क्षेत्र में तनाव कम करने के प्रयास जारी हैं।

पश्चिम बंगाल में ममता का आखिरी किला ढहा, फलता में भाजपा की एक लाख वोटों से ऐतिहासिक जीत

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की फलता विधानसभा सीट पर हुए पुनर्मतदान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बड़ी जीत दर्ज करते हुए तृणमूल कांग्रेस के मजबूत गढ़ को ध्वस्त कर दिया। भाजपा प्रत्याशी देबाशीष पांडा ने एक लाख से अधिक वोटों के भारी अंतर से जीत हासिल की। इस परिणाम को राज्य की राजनीति में बड़े बदलाव के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

चुनाव परिणाम आने के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इसे ह्लतृणमूल कांग्रेस के पतन की शुरूआतह्व बताते हुए पार्टी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि फलता की जनता ने वर्षों बाद स्वतंत्र और निष्पक्ष मतदान कर लोकतंत्र को पुनर्स्थापित किया है।

उपचुनाव के दौरान सबसे ज्यादा चर्चा तृणमूल कांग्रेस के प्रत्याशी जहांगिर खान को लेकर रही। मतदान से दो दिन पहले उन्होंने चुनाव मैदान छोड़ने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद भाजपा की जीत लगभग तय मानी जा रही थी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने प्रचार के अंतिम दिन भाजपा प्रत्याशी को एक लाख वोटों से जिताने का लक्ष्य रखा था। मतगणना के 18 राउंड तक भाजपा उम्मीदवार करीब 92 हजार वोटों से आगे चल रहे थे, जबकि अंतिम जीत का अंतर एक लाख आठ हजार से अधिक पहुंच गया।

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि पिछले लोकसभा चुनाव में इसी क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस को करीब 1.70 लाख वोटों की बढ़त मिली थी, लेकिन इस उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार को महज साढ़े पांच हजार के आसपास वोट मिले।

मतदान के दौरान कई बूथों पर तृणमूल कांग्रेस का कोई एजेंट मौजूद नहीं था। वहीं, मतगणना केंद्र में भी पार्टी की सक्रियता बेहद कमजोर दिखाई दी। इस उपचुनाव में वाममोर्चा समर्थित उम्मीदवार शंभूनाथ कुर्मी ने लगभग 37 हजार वोट हासिल कर ध्यान खींचा। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी अब्दुर रज्जाक मोल्ला को करीब साढ़े नौ हजार वोट मिले। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि तृणमूल कांग्रेस के कमजोर पड़ने से राज्य की विपक्षी राजनीति में नई संभावनाएं बन सकती हैं। फलता उपचुनाव की पृष्ठभूमि काफी विवादित रही। विधानसभा चुनाव के दौरान कई बूथों के ईवीएम में इत्र, स्याही और टेप लगाए जाने जैसी अनियमितताओं के आरोप लगे थे। इसके बाद निर्वाचन आयोग ने चुनाव रद्द कर पुनर्मतदान कराने का फैसला लिया था।

सीबीएसई भुगतान प्रणाली में सुधार के लिए आगे आए चार सरकारी बैंकः धर्मेंद्र प्रधान

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने सीबीएसई को भुगतान गेटवे प्रणाली में व्यापक सुधार करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने सीबीएसई की परीक्षा परिणाम और पुनर्मूल्यांकन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को आ रही तकनीकी और भुगतान संबंधी समस्याओं को लेकर केंद्रीय वित्त एवं कॉपोर्रेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण से चर्चा की। इसके बाद सीबीएसई की भुगतान प्रणाली को मजबूत करने के लिए चार सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की सहायता लेने का निर्णय लिया गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के अनुसार भारतीय स्टेट बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और इंडियन बैंक सीबीएसई के पोस्ट परीक्षा सेवा पोर्टल के साथ भुगतान गेटवे प्रणाली को मजबूत करने और आवश्यक तकनीकी एकीकरण में सहयोग करेंगे। ये बैंक सीबीएसई को मजबूत भुगतान प्रोटोकॉल विकसित करने में सहायता करेंगे, जिससे समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही भुगतान संबंधी गड़बड़ियों को दूर करने और अतिरिक्त भुगतान होने की स्थिति में स्वतः धनवापसी की व्यवस्था भी विकसित की जाएगी।

मंत्रालय के अनुसार वित्त मंत्रालय और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के समन्वित प्रयास से डिजिटल लेनदेन को सुगम बनाने, भुगतान प्रणाली की स्थिरता बढ़ाने और पुनर्मूल्यांकन सहित अन्य सेवाओं का लाभ लेने वाले छात्रों को बेहतर अनुभव उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

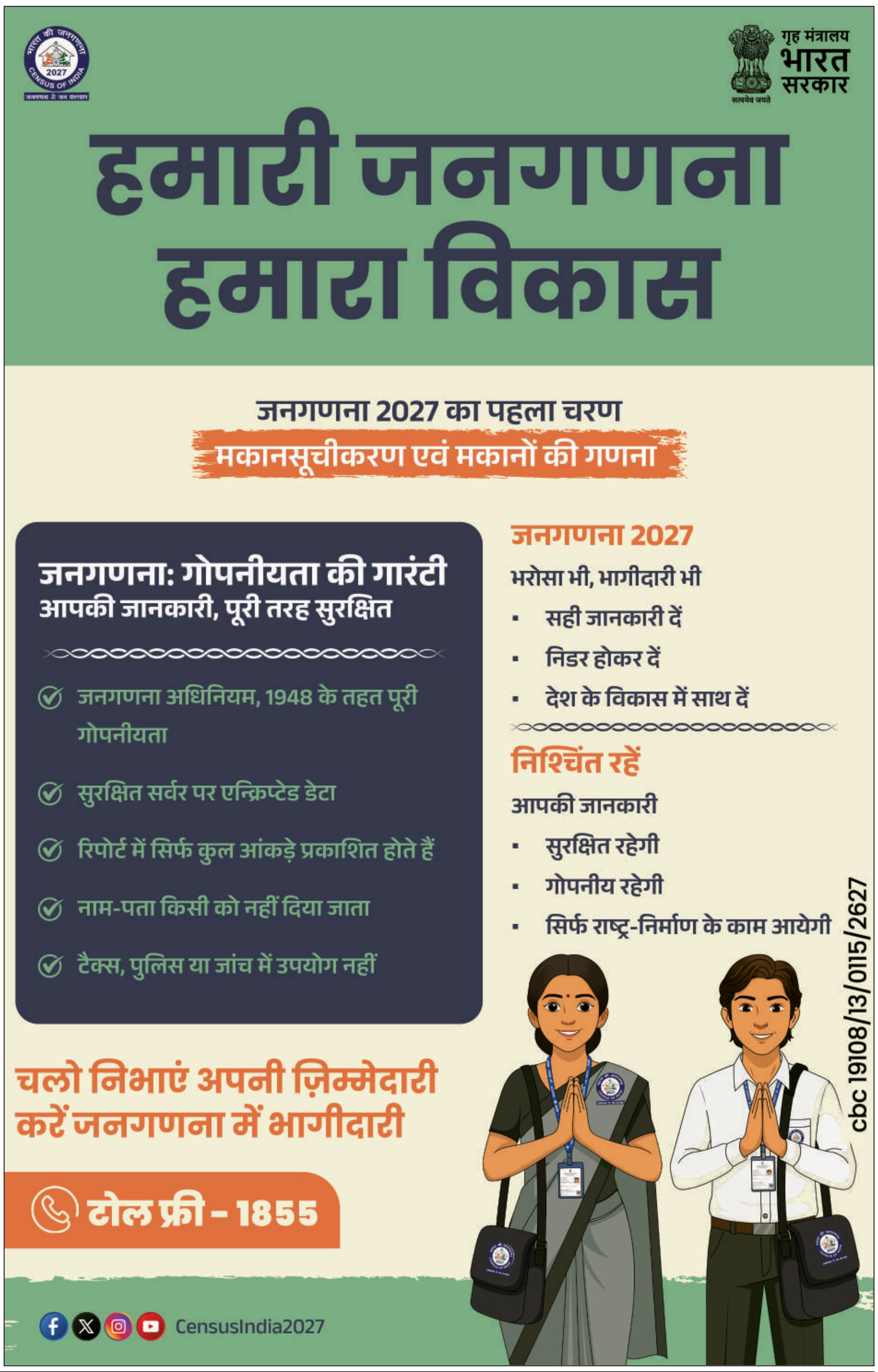

दिशुम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

156 प्रतिभाओं आंदोलनकारियों शिक्षकों व चिकित्सकों को किया गया सम्मानित

बिभा संवाददाता

इटकी : झारखंड मुक्ति मोर्चा की प्रखंड इकाई द्वारा प्रखंड अध्यक्ष वसीम इकबाल पम्मू की अगुवाई में दिशुम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन सम्मान समारोह 2026 का भव्य सायरा मैरेज हौल मे आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा, स्वास्थ्य, समाजसेवा एवं आंदोलन से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों की प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह का उद्देश्य क्षेत्र के मेधावी छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, डॉक्टरों तथा आंदोलनकारियों का मनोबल बढ़ाना और समाज में सकारात्मक संदेश देना था। समारोह में मैट्रिक के 4 टॉपर एवं इंटरमीडिएट के 3 टॉपर छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। वहीं मैट्रिक के कुल 67 तथा इंटरमीडिएट के 29 छात्र-छात्राओं को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में कुल 102 छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा इटकी प्रखंड के 13 आंदोलनकारियों एवं झारखंड आंदोलन से जुड़े 21 आंदोलनकारियों को भी सम्मानित किया गया। शिक्षा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान देने वाले 10 शिक्षकों, 6 डॉक्टरों तथा 2 फार्मासिस्टों को सम्मान देकर उनके कार्यों की सराहना की गई। वहीं प्रखंड से नीट क्वालीफाई करने वाले 1 छात्र को भी विशेष सम्मान दिया गया। कार्यक्रम में ह्लॉकडाउनह्व पुस्तक के लेखक शाहब हमजा को भी सम्मानित किया गया। समारोह में कुल 156 लोगों को सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन शाहब हमजा ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन फहीम अख्तर ने किया। आयोजनकर्ता के रूप में वसीम इकबाल अंसारी (प्रखंड अध्यक्ष, जेएमएम) एवं सीरिल लकड़ा (सचिव) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में रिजवान क्रांतिकारी उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में इम्तेशाम अली ब्लड वुमन, आरिफ अंसारी (जिला ग्रामीण उपाध्यक्ष, कांग्रेस) अफसर शाह, इकबाल अंसारी, फहीम अख्तर, आजाद कुरैशी, कलीम, मनीर अंसारी, मुरतेजा आलम, गुलजार अंसारी सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि शिक्षा और समाजसेवा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने वालों को सम्मानित करने से युवाओं को प्रेरणा मिलती है तथा समाज में सकारात्मक बदलाव आता है।

3 जून पाड़हा जतरा को लेकर 14 टीमों का गठन

बिभा संवाददाता

बेड़ो। आगामी 3 जून 2026 को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक पाड़हा जतरा समारोह को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार 24 मई को बारीडीह जतराटांड़ मैदान में एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एतवा उरांव ने की।

बैठक में पाड़हा जतरा के सफल संचालन हेतु विभागवार जिम्मेदारी तय करते हुए 14 टीमों का गठन किया गया। सभी टीमों को अलग-अलग दायित्व सौंपे गए। टीम लीडरों के साथ राजा, दीवान, कोटवार, महतो, पाहन, पुजार, पाड़हा संचालन समिति ट्रस्ट एवं पाड़हा समिति के पदाधिकारियों ने आयोजन की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की।

बैठक में सभी टीम लीडरों ने अपने-अपने विचार रखते हुए बताया कि उन्हें सौंपे गए कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। इस दौरान निर्णय लिया गया कि इस वर्ष पाड़हा जतरा को पहले से अधिक भव्य एवं आकर्षक रूप दिया जाएगा।

बताया गया कि कई गांवों से पारंपरिक खोड़हा नृत्य दल के साथ रांपा, चल्पा, हाथी-घोड़ा, ढिचुवा, टेंगरा, छाता, झंडा, नगाड़ा एवं ढोल के साथ बड़े पैमाने पर घोल चढ़ाया जाएगा। आयोजन को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर विशेष जोर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

आदिवासी कुड़मी आंदोलन मामले में आंदोलनकारियों को रेलवे कोर्ट से नोटिस, 18 जून को रांची कोर्ट में होगी पेशी

खलारी(बिभा): आदिवासी कुड़मी समाज द्वारा 20 सितंबर 2025 को आयोजित आंदोलन एवं रेल टेका कार्यक्रम के मामले में रेलवे प्रशासन की ओर से दर्ज प्राथमिकी के तहत आंदोलनकारियों को पुनःरेलवे न्यायालय से नोटिस जारी किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अशोक महतो, अर्जुन महतो, विजय महतो, दीपक महतो, मीना देवी, टहलू महतो,अशोक कुमार महतो,चैता महतो,नारायण महतो एवं विकास कुमार महतो सहित कई आंदोलनकारियों के विरुद्ध रेलवे प्रशासन ने मामला दर्ज किया था।इस मामले में सभी आंदोलनकारी पूर्व में रेलवे कोर्ट से जमानत प्राप्त कर चुके हैं।रविवार 24 मई 2026 को रेलवे न्यायालय से नोटिस मिलने के बाद समाज के कई अगुआ,समाजसेवी एवं आंदोलनकारी राय रेलवे स्टेशन पहुंचे,जहां उन्होंने रेलवे अधिकारियों से अपना-अपना नोटिस प्राप्त किया।जारी नोटिस के अनुसार सभी संबंधित आंदोलनकारियों को 18 जून 2026 को रेलवे न्यायिक दंडाधिकारी न्यायालय, रांची में उपस्थित होकर अपनी उपस्थिति दर्ज करानी होगी।इस दौरान आंदोलन से जुड़े साथियों ने सामाजिक अधिकारों एवं जनहित के मुद्दों पर अपनी एकजुटता दोहराते हुए कहा कि समाज के हितों की लड़ाई लोकतांत्रिक तरीके से आगे भी जारी रहेगी तथा सभी साथी आगामी कानूनी प्रक्रिया में सहयोग करेंगे।

बंधु तिर्की ने सुहाना परवीन के परिजनों से की मुलाकात

चान्हो(बिभा)। हाल ही में हुई विवाहिता सुहाना परवीन की दर्दनाक मौत के मामले में पूर्व मंत्री बंधु तिर्की उनके परिजनों से मिलने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने मृतका के पिता एवं परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात कर घटना की पूरी जानकारी ली तथा गहरी शोक संवेदना व्यक्त की। परिजनों ने बताया कि सुहाना के साथ लगातार प्रताड़ना और क्रूरता की घटनाएं होती थीं। मृतका की भाभी, जो घटना के दिन मौके पर मौजूद थीं, उन्होंने भी पूरे घटनाक्रम की जानकारी देते हुए आरोपी जावेद के व्यवहार एवं कथित क्रूरता के बारे में विस्तार से बताया। पूर्व मंत्री ने सुहाना के छोटे पुत्र से भी मुलाकात कर उसे ढांढस बंधाया तथा परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा दिया। परिजनों ने बच्चे के भविष्य की सुरक्षा एवं उचित देखभाल सुनिश्चित करने की मांग उठाई। इस अवसर पर बंधु तिर्की ने कहा कि पीड़ित परिवार को न्याय मिलना चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र न्याय दिलाने की मांग की। मौके पर प्रखंड अध्यक्ष मो. इस्तेयाक, मो. मोजीबुल्ला, सोनी तबस्सुम, सफीक अंसारी, हफिजूल अंसारी मजीद अंसारी सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

डालसा सचिव ने संप्रेषण गृह का किया निरीक्षण

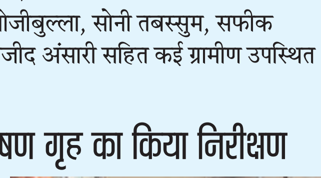

जमशेदपुर(बिभा) । झारखंड हाईकोर्ट के निदेर्शानुसार और प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश अरविंद कुमार पांडेय के मार्गोपदेश में जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने निरीक्षण के सिलसिले में घाघीडीह संप्रेषण गृह पहुंचे। उनके साथ लीगल एड डिफेंस कौंसिल के चीफ अधिवक्ता विदेश सिंह और रंजना कुमारी के अलावा डालसा कार्यालय के सहायक रवि मुर्मू भी थे। इस दौरान पैरा लीगल वालंटियर में अरुण कुमार , सीमा देवी , ग्लोरिया पूर्ति एवं रामकंडेय मिश्रा वहां मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान डालसा सचिव ने बाल कल्याण समिति के बच्चों के बेडरूम से लेकर पोशाक और खानपान के स्तर को जाना । सबसे पहले सचिव ने बाल कल्याण समिति के बच्चों के आवासीय कमरे का निरीक्षण किया। बच्चों के रहन-सहन, पोशाक, बेडरुम की साफ सफाई के बारे में पूरी जानकारी गृहपति से ली। बच्चों के खान-पान के बारे में जाना। उन्होंने यह भी जाना की बच्चों को फल,दूध , नॉनवेज समेत समय पर दवा मिलते हैं या नहीं। डॉक्टर आते हैं अथवा नहीं। बच्चों को दिए जाने वाले खाने का स्तर, सारी जानकारियां प्राप्त की। मौके पर मौजूद संप्रेषण गृह के पदाधिकारी को सचिव ने आवश्यक निर्देश दिए। बच्चों की देखरेख का पूरा ध्यान रखने को कहा। उसके बाद सचिव बाल कल्याण समिति पहुंचे, जहां बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अवधेश प्रसाद यादव के अलावा अन्य सदस्यों पवन कुमार, सीमा झा और रूबी साहू से भी बातचीत की। पूरी व्यवस्था के बारे में जाना। बच्चों की पढ़ाई का स्तर, बच्चों के कक्षा में बैठने की व्यवस्था, उनके खेलने रहने और योगा करने की भी जानकारी सचिव महोदय ने ली। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा की बच्चों के रहन-सहन और खान-पान में किसी तरह की कोताही न बरती जाए, अन्यथा इसके दुष्परिणाम हो सकते हैं। करीब 1 घंटे तक डालसा सचिव ने पूरे संप्रेषण गृह का गहनता से निरीक्षण किया ।

बकरीद पर्व को लेकर बेड़ो थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

डीएसपी ने अफवाहों से सतर्क रहने और सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की

बिभा संवाददाता

बेड़ोः आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के साथ संपन्न कराने को लेकर रविवार को बेड़ो थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएसपी दिपक कुमार ने की। बैठक में शांति समिति के सदस्य, विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि बकरीद आपसी प्रेम, त्याग और भाईचारे का पर्व है। सभी लोगों को मिल-जुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक एवं अफवाह फैलाने वाली खबरों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की संदिग्ध सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस को इसकी जानकारी दें।

अंचल अधिकारी राजकुंवर सिंह ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता जिले में सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्वों को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना है। इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

बैठक में मौजूद बेड़ो थाना प्रभारी मोहम्मद कफिल अहमद ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं देने तथा किसी भी समस्या की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया।

शांति समिति के सदस्यों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाते हुए क्षेत्र में भाईचारा एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने की बात कही।

मौके पर सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार, बेड़ो मुखिया सुशांति भगत, पंचस मुखिया प्रतिनिधि बबलू खान, समाजसेवी शोएब अंसारी, मंजुर अंसारी, अब्दुल्ला अंसारी, वानि कुमार राय, भवानी सिंह, मुन्ना मलिक, रुस्तम अंसारी, मो. समशाद, सोमरा उरांव, चरवा उरांव सहित कई जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित थे। बैठक का संचालन धनंजय कुमार राय ने की।

जेम्को में श्री गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर लगाई गई छबील, बांटा गया शरबत और प्रसाद

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर : जेम्को बस्ती की खालसा कॉलोनी की समूह संगत के सहयोग से पांचवें पातशाही श्री गुरु अर्जन देव जी के शहादत दिवस पर विशेष सेवा का आयोजन किया गया। इस पावन अवसर पर जेम्को मिश्रा बागान के मुख्य मार्ग पर भव्य छबील लगाई गई। सेवा के दौरान संगत और राहगीरों के बीच ठंडे-मीठे शरबत और चने का प्रसाद पूरी श्रद्धा व उत्साह के साथ वितरित किया गया।

इस मौके पर जेम्को गुरुद्वारा के प्रधान जरनैल सिंह, गुरविंदर सिंह, करनदीप सिंह, गुरमुख सिंह, बलविंदर सिंह, अवतार सिंह, राजेंद्र सिंह, गुरचरण सिंह सहित खालसा कॉलोनी की समूह संगत उपस्थित रही और सेवा में अपना योगदान दिया।

घाघीडीह सेन्ट्रल जेल में महिला बंदियों को डालसा ने दी विधिक जानकारी

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । जिला विधिक सेवा प्राधिकार जमशेदपुर द्वारा सेन्ट्रल जेल घाघीडीह में महिला बंदियों के लिए एक विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिला जेलमेट्स को उनके कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार की भूमिका के संबंध में जागरूक करना था। इस कार्यक्रम में मुख्य संसाधन व्यक्तियों के रूप में डीएलएसए, जमशेदपुर के सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी, चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल विदेश सिन्हा तथा सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल रंजना कुमारी उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान महिला बंदियों को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों, निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया, महिला संरक्षण संबंधी कानूनों तथा न्याय तक आसान पहुंच के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। साथ ही उन्हें यह भी बताया गया कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद व्यक्तियों को डीएलएसए द्वारा निःशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाती है। वहीं डीएलएसए सचिव कुमार सौरभ त्रिपाठी ने महिला बंदियों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को न्याय पाने का अधिकार है तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों तक न्याय पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने महिला बंदियों को किसी भी कानूनी समस्या या सहायता की आवश्यकता होने पर निःसंकोच डीएलएसए से संपर्क करने हेतु प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित संसाधन व्यक्तियों ने महिला बंदियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया तथा उन्हें विधिक सहायता योजनाओं और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया ।

भीषण गर्मी में प्यासे श्रमिक, डकरा परियोजना का बंद वाटर कूलर बना परेशानी का कारण

हाजरी घर में ठंडे पानी की व्यवस्था ठप,शिकायतों के बावजूद नहीं चेता प्रबंधन

बिभा संवाददाता

खलारी। डकरा परियोजना में भीषण गर्मी के बीच श्रमिकों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है।परियोजना के हाजरी घर में लगा वाटर कूलर लंबे समय से खराब पड़ा हुआ है,जिससे रोजाना काम पर आने वाले सैकड़ों मजदूरों को राहत नहीं मिल पा रही है।तेज धूप और उमस भरी गर्मी में काम करने के बाद श्रमिक ठंडे पानी की उम्मीद लेकर हाजरी घर पहुंचते हैं, लेकिन वहां उन्हें बंद पड़ा वाटर कूलर ही दिखाई देता है।श्रमिकों का कहना है कि खराब पड़े वाटर कूलर की सूचना कई बार अधिकारियों को दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।कर्मचारियों के अनुसार, गर्मी के इस मौसम में शुद्ध और ठंडा पेयजल उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी है, लेकिन यहां मूलभूत सुविधाओं की ही अनदेखी की जा रही है।मजदूरों ने नाराजगी जताते हुए कहा कि एक ओर उनसे कठिन परिस्थितियों में लगातार काम लिया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर पीने के पानी जैसी जरूरी सुविधा भी सही तरीके से उपलब्ध नहीं कराई जा रही। उनका कहना है कि हाजरी घर जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर पेयजल व्यवस्था का ठप होना प्रबंधन की लापरवाही को दशार्ता है।स्थानीय श्रमिकों ने मांग की है कि खराब पड़े वाटर कूलर की जल्द मरम्मत कर नियमित रूप से ठंडे और स्वच्छ पानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि भीषण गर्मी में काम कर रहे कर्मचारियों को राहत मिल सके।

भाजपा कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों ने नए थाना प्रभारी का किया स्वागत

बेड़ो(बिभा)। भाजपा बेड़ो मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह की अध्यक्षता में रविवार को बेड़ो थाना के नवपदस्थापित थाना प्रभारी कफील अहमद का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं एवं जनप्रतिनिधियों ने नए थाना प्रभारी को शुभकामनाएं देते हुए क्षेत्र में बेहतर कानून व्यवस्था एवं जनसहयोग आधारित पुलिसिंग की अपेक्षा जताई। मंडल अध्यक्ष बलराम सिंह ने कहा कि पुलिस और आम जनता के बीच बेहतर समन्वय से ही क्षेत्र में शांति एवं सौहार्द कायम रह सकता है। वहीं थाना प्रभारी कफील अहमद ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने लोगों से पुलिस प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

उड़ीसा बॉर्डर को तिरिंग घाटी को मिलेगा पर्यटन स्थल का स्वरूप, विधायक ने किया स्थल का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पोटका विधानसभा क्षेत्र के हाता-तिरिंग मेन रोड स्थित उड़ीसा बॉर्डर से लगभग 100 मीटर दूर बनकटा गांव के तिरिंग घाटी काली मंदिर क्षेत्र को जल्द पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। रविवार को पोटका विधायक संजीव सरदार ने स्थल का निरीक्षण कर वहां पर्यटन की संभावनाओं का जायजा लिया। घने जंगल और प्राकृतिक सौन्दर्य से घिरे इस क्षेत्र को विकसित कर लोगों के लिए आकर्षक पर्यटन केंद्र बनाने की योजना पर विचार किया जा रहा है।

स्थल निरीक्षण के दौरान विधायक संजीव सरदार ने कहा कि तिरिंग घाटी क्षेत्र प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर है और यहां हर वर्ष झारखंड एवं उड़ीसा से हजारों लोग घूमने और पिकनिक मनाने पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि जल्द ही इस संबंध में वन विभाग को प्रस्ताव भेजा जाएगा, ताकि क्षेत्र को योजनाबद्ध तरीके से विकसित किया जा सके। सरकार की मंशा केवल पर्यटन बढ़ाना नहीं, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है ताकि सीमावर्ती गांवों के लोगों की आय में वृद्धि हो सके। विधायक ने कहा कि प्रस्तावित पर्यटन स्थल में बच्चों के खेलने की व्यवस्था, पिकनिक स्पॉट, बैठने की सुविधा तथा प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। यह पोटका विधायक द्वारा विधानसभा क्षेत्र के लिए एक और नया तोहफा होगा जिसको ले कर लोगों में काफी उत्साह है.

विधायक के निरीक्षण के बाद स्थानीय ग्रामीणों एवं युवाओं में उत्साह देखा गया। लोगों ने कहा कि यदि यहां पर्यटन स्थल विकसित होता है तो क्षेत्र की पहचान बढ़ेगी और आसपास के लोगों को रोजगार एवं व्यवसाय के नए अवसर मिलेंगे। ग्रामीणों ने विधायक संजीव सरदार की पहल की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से क्षेत्र में विकास की नई संभावनाएं खुल रही हैं।

भीषण गर्मी में राहत बना निशुल्क स्वास्थ्य शिविर, संजीव सरदार फैन्स क्लब और क्योरबे अस्पताल की पहल से 205 लोगों की हुई जांच

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पोटका प्रखंड के हल्दीपोखर (पश्चिम) पंचायत अंतर्गत स्कूल मोहल्ला स्थित कम्युनिटी हॉल में रविवार को संजीव सरदार फैन्स क्लब के तत्वावधान में क्योरबे अस्पताल, हाता के सहयोग से निशुल्क स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि पोटका विधायक संजीव सरदार द्वारा किया गया। शिविर में अस्पताल के कुशल चिकित्सकों द्वारा मरीजों की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक परामर्श दिया गया तथा दवाइयों का निशुल्क वितरण किया गया। कुल 205 लोगों ने शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ उठाया। मौके पर विधायक संजीव सरदार ने कहा कि भीषण गर्मी के बावजूद क्षेत्र के युवाओं द्वारा क्योरबे अस्पताल के सहयोग से इस प्रकार के स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया जाना बेहद सराहनीय पहल है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के लिए इस तरह के प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। विधायक ने क्योरबे अस्पताल प्रबंधन से आग्रह किया कि भविष्य में सुदूर गांवों में भी इसी प्रकार के स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएं,

विधायक ने कहा कि हेमंत सरकार गांव-गांव तक बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने लोगों से स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय-समय पर जांच कराने की अपील की। विधायक ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद लोगों को समय पर इलाज एवं दवा उपलब्ध कराना सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने शिविर में उपस्थित चिकित्सकों एवं आयोजकों के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं

इस अवसर पर पूर्व पार्षद चंद्रावती महतो, पूर्व मुखिया सैयद जबीउल्ला, झामुमो नेता सुनील महतो, बबलू चौधरी, मुखिया कार्तिक मुर्मू, वार्ड सदस्य आफताब हुसैन, मो. बाला, देव पालित, मो. जमाल समेत कई लोग उपस्थित थे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में सैयद समीउल्लाह, रिज्जु, लड्डन, समीर, दिलघोष, दशमत, पुतुल प्रधान, बबलू प्रधान, क्योरबे अस्पताल के डॉ. अमित कुमार, अभिजीत कुमार गोंड, शशि कात्यायनी, आभा, रनोज सरकार आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

शांतिपूर्ण माहौल में त्यौहार सम्पन्न कराना हम सबकी जिम्मेवारी : उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची : आगामी ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व को लेकर जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त,रांची मंजूनाथ भजन्त्री की अध्यक्षता एक बैठक आयोजित की गई। कार्यालय कक्ष में आयोजित बैठक में वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची राकेश रंजन, पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण), अपर जिला दण्डाधिकारी (विधि-व्यवस्था), अनुमंडल पदाधिकारी सदर, जिला नजारत उप समाहर्ता सहित संबंधित पुलिस-प्रशासनिक पदाधिकारी एवं महावीर मण्डल, सेंट्रल मोहर्रम कमिटी, अंजुमन इस्लामिया, गुरुनानक समिति, पंजाबी हिंदू बिरादरी, राँची के सदस्य उपस्थित थे।

बैठक के दौरान आगामी पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने बारी-बारी से अपने सुझाव रखे। सदस्यों द्वारा पर्व के दौरान निगरानी, आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई, साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था, बिजली-पानी की निर्बाध आपूर्ति तथा सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने जैसे महत्वपूर्ण सुझाव दिये गये।

उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि सदस्यों द्वारा दिये गये सभी सुझावों पर जिला प्रशासन गंभीरतापूर्वक विचार कर आवश्यक कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी रांची में सभी पर्व-त्योहार शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए हैं, जिसमें केन्द्रीय शांति समिति, महावीर मण्डल, केन्द्रीय सरना समिति, रामनवमी श्रृंगार समिति, राँची चैती दुर्गा पूजा समिति, सेंट्रल मोहर्रम कमिटी, अंजुमन इस्लामिया, गुरुनानक समिति अन्य सभी रामनवमी / ईद / सरहुल पर्व आयोजन समितियों एवं अखाड़ा समिति के सदस्यों का सहयोग अत्यंत सराहनीय रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी के सहयोग, समन्वय और सामूहिक प्रयास से आगामी त्योहार भी शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न होगा।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त,रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि रांची को राज्य ही नहीं, बल्कि पूरे देश में सामाजिक सौहार्द और भाईचारे की मिसाल बनाना है। इसके लिए सभी नागरिकों, शांति समिति के सदस्यों तथा प्रशासन को मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी।

जिला दण्डाधिकारी-सह-उपायुक्त,रांची श्री मंजूनाथ भजन्त्री ने कहा कि आगामी पर्व के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जिला प्रशासन की कड़ी निगरानी रहेगी। उन्होंने आम नागरिकों से किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट या अफवाहों पर प्रतिक्रिया देने से बचने और जिम्मेदार नागरिक का परिचय देते हुए ऐसी किसी भी सामग्री की जानकारी तुरंत पुलिस-प्रशासन को देने की अपील की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले तत्वों को चिन्हित कर उनके विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक के अंत में प्रशासन और सदस्यों ने मिलकर यह संकल्प लिया कि सभी की धार्मिक भावनाओं का ख्याल रखते हुए पर्व आपसी भाईचारे, सद्भाव और शांति के साथ मनाया जाएगा।

पर्व के दौरान सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम : एसएसपी

वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची श्री राकेश रंजन ने कहा कि बकरीद पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने सदस्यों से प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर सतर्कता के साथ कार्य करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित अधिकारी मैदान स्तर पर सक्रिय रहकर कार्य करें, ताकि किसी भी स्थिति से समय रहते निपटा जा सके। उन्होंने आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को चेतावनी देते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त कार्रवाई करने से नहीं चूकेगी।

झारखंड में आज 47 स्थानों पर मनाया जाएगा दामोदर महोत्सव, उद्गम स्थल पहुंचेंगे राज्यपाल

बिभा संवाददाता

रांची। युगांतर भारती के तत्वावधान में 25 मई को लोहरदगा स्थित दामोदर नदी के उद्गम स्थल चूल्हा पानी में दामोदर महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। संयोगवश इसी दिन गंगा दशहरा का पर्व भी मनाया जाएगा, जिससे इस आयोजन का धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय महत्व और बढ़ गया है।

युगांतर भारती के अध्यक्ष अंशुल शरण ने रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि झारखंड के राज्यपाल संतोषकुमार गंगवार इस महोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होंगे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय करेंगे।

अंशुल शरण ने कहा कि यह ऐतिहासिक अवसर होगा, क्योंकि पहली बार कोई राज्यपाल दामोदर नदी के उद्गम स्थल पर पहुंचेंगे। उन्होंने इसके लिए राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे दामोदर नदी और उससे जुड़ी सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिलेगी।

अंशुल शरण ने बताया कि दामोदर महोत्सव केवल सांस्कृतिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह नदी संरक्षण, पर्यावरण जागरूकता और जल स्रोतों के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने का अभियान भी है। कार्यक्रम के दौरान जल-जंगल-जमीन के संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और नदियों की स्वच्छता को लेकर विभिन्न जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

अंशुल शरण ने जानकारी दी कि इस वर्ष दामोदर महोत्सव रिकॉर्ड 47 स्थानों पर आयोजित किया जाएगा। झारखंड के विभिन्न जिलों के अलावा दामोदर नदी से जुड़े कई क्षेत्रों में सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। महोत्सव के माध्यम से लोगों को नदियों के संरक्षण, जल संकट और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि दामोदर नदी झारखंड की सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। ऐसे में इसके उद्गम स्थल पर राज्यपाल की उपस्थिति पूरे राज्य के लिए गौरव और सम्मान का विषय है।

महोत्सव में विभिन्न सामाजिक संगठनों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों और स्थानीय लोगों की बड़ी भागीदारी रहने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े संदेश भी दिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड एथलेटिक्स संघ का ए जी एम संपन्न

रांची(बिभा): एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार तथा झारखंड एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 22 मई से 25 मई 2026 तक बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी, रांची में आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता के अवसर पर झारखंड एथलेटिक्स संघ का ए जी एम पद्म बहादुर सिंह सागू अध्यक्ष भारतीय एथलेटिक्स संघ की अध्यक्षता में मोराबादी, रांची में किया गया। जिसमें राज्य के सभी जिलों के सचिव अध्यक्ष उपस्थित रहे। जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों में एथलेटिक्स के विकास को लेकर जिलों को अधिक मजबूत करने जिला स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता ससमय करने, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण पर जोर देने आदि विषयो पर चर्चा किया। इस अवसर पर साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष ललित भनोट, भारतीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच राधा कृष्ण नायर , सी लता, लियाकत अली ,एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वित्त समिति के चेयरमैन एवं झारखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. मधुकांत, झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सी.डी. सिंह, सचिव एस.के. पांडे , आशीष झा, प्रभाकर वर्मा, सिकंदर महतो, रणवीर सिंह, आलोक मिश्रा, अजय नायक, बंधन टोप्पो, शैलेश कुमार,गिरीश मिश्रा, अनवर हुसैन, बंधन टोप्पो, प्रभात रंजन तिवारी, गंगाधर प्रसाद, अजीत कुमार,राकेश सिंह, माधव चंद्र घोष,कोच, आशु भाटिया, संजय त्रिपाठी, दशरथ महतो, वरुण कुमार, रविन्द्र मुर्मू,अरविंद कुमार, आलोक सिंह एवं अनुभा खाखा, पुनीत कुमार समेत अन्य उपस्थित थे।

प्रणामी मंदिर में महाप्रसाद का वितरण

रांची(बिभा)। प्रणामी ट्रस्ट की ओर से संचालित श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में रविवार को 267 वें श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जुटे श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। सभी श्रद्धालुओं को महाप्रसाद के रूप में मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, बोतलबंद जलजीरा शर्बत और आलू चिप्स के पैकेट का वितरण किया गया। इससे पहले कार्यक्रम के दौरान मंदिर में श्री राधा रानी का आकर्षक श्रृंगार किया गया। दोपहर में मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय ने विधिवत पूजा-अर्चना कर महाप्रसाद का भोग लगाया। स्वामी सदानंद महाराज के सानिध्य में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और निराश्रित लोगों ने भाग लेकर महाप्रसाद ग्रहण किया। मंदिर परिसर में सैकड़ों से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया। साथ ही हजारों भक्तों ने भगवान के दर्शन किए। ट्रस्ट के प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि मंदिर में प्रतिदिन महाप्रसाद वितरण किया जाता है। उन्होंने बताया कि भजन संध्या में प्रस्तुत भक्तिमय भजनों से पूरा वातावरण कृष्णमय हो उठा और श्रद्धालु भक्ति में झूमते नजर आए।

युवती से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत मामले में सेना के जवान को पुलिस ने गिरफ्तार किया

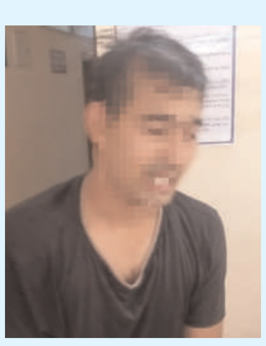

रांची(बिभा)। राजधानी रांची के लालपुर थाना क्षेत्र में एक युवती से छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित पारा मिलिट्री फोर्स के जवान को गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार, बीते 22 मई को एक युवती ने लालपुर थाना में आवेदन देकर एक युवक पर छेड़छाड़ और अश्लील हरकत करने का आरोप लगाया। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज का अवलोकन कर संबंधित वीडियो को जब्त किया। लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपित विनय को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपित जवान का वर्तमान पता यूनिट-1 बटालियन, राजपुताना रायफल, नामकुम रांची है। पुलिस ने कार्रवाई की सूचना यूनिट-1 बटालियन राजपुताना रायफल, नामकुम रांची के कमांडिंग ऑफिसर को भी दे दी है। मामले में आगे की जांच जारी है।

सरना, सनातन और हिंदू में कोई अंतर नहीं: मरांडी

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने कांग्रेस और झामुमो पर आदिवासी समाज को बांटने की राजनीति करने का आरोप लगाया है। रविवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने कहा कि वोट बैंक की राजनीति के लिए आदिवासी समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश की जा रही है, जिसे किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने दिया जाएगा।

मरांडी ने कहा कि सरना, सनातन और हिंदू परंपराओं में मूल रूप से समानता है। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रकृति की पूजा से जुड़े हैं और पेड़, पहाड़, पत्थर, जल तथा धरती माता को पूजते हैं।

बाबूलाल ने कहा कि आदिवासी समाज में देशभर में 700 से अधिक जातियां हैं, जबकि झारखंड में 32-33 जनजातीय समुदाय मौजूद हैं। हर समुदाय की अपनी परंपराएं और देवी-देवता हैं, लेकिन विविधता में एकता की यही भावना सनातन, हिंदू और सरना संस्कृति का आधार है।

उन्होंने कांग्रेस और झामुमो पर निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दल यह प्रचार कर रहे हैं कि आदिवासियों को हिंदू बनाया जा रहा है, जबकि हिंदू बनानेह्व जैसी कोई परंपरा नहीं है। मरांडी ने कहा कि क्रिश्चियन और मुसलमान बनाए जाते हैं, जबकि सरना, सनातन और हिंदू पैदाइशी होते हैं।

कांग्रेस के इतिहास का उल्लेख करते हुए बाबूलाल मरांडी ने कहा कि पार्टी का गठन अंग्रेजों के समय हुआ था और अंग्रेजों ने ह्लफूट डालो और राज करोह्व की नीति के तहत समाज को बांटकर शासन किया। उन्होंने दावा किया कि आज भी कांग्रेस उसी मानसिकता के साथ राजनीति कर रही है।

मरांडी ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के बाद महात्मा गांधी ने कांग्रेस को समाप्त करने की बात कही थी, लेकिन पार्टी ने उनकी सलाह को नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस और झामुमो आदिवासी समाज को मुख्यधारा से अलग दिखाने का प्रयास कर रहे हैं।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि राज्य सरकार पेसा कानून की नियमावली के जरिए आदिवासी परंपराओं और रूढ़िगत व्यवस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। साथ ही उन्होंने कहा कि जो लोग आदिवासी संस्कृति, आस्था और परंपराओं को बदलने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ कांग्रेस और झामुमो मौन बने हुए हैं।

मरांडी ने कहा कि धर्मांतरण और सांस्कृतिक बदलाव जैसे मुद्दों पर कांग्रेस और झामुमो चुप्पी साध लेते हैं, लेकिन भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आरोप लगाते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज को अलग-थलग करने और उनमें विभाजन पैदा करने का षड्यंत्र किया जा रहा है, जिसका भाजपा विरोध करेगी। प्रेसवार्ता के दौरान भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद और प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज भी मौजूद थीं।

दिनदहाड़े अधिवक्ता से मोबाईल छिनतई करने वाले दो आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। राजधानी के लालपुर थाना क्षेत्र से दिनदहाड़े अधिवक्ता के हाथ से मोबाइल छिनतई करने वाले दो आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में अंशु कच्छप और आकाश वर्मा शामिल हैं। इनके पास से छिनतई का मोबईल फोन बरामद किया गया।

डीएसपी केवी रमण ने रविवार को बताया कि लालपुर के केएम मल्लिक रोड निवासी अधिवक्ता राकेश कुमार सिन्हा पिछले शनिवार को लालपुर विराज नगर किसी काम से जा रहे थे। इसी दौरान हीरो स्पलेन्डर बाइक पर सवार दो अज्ञात अपराधकर्मी आये और राकेश के हाथ से मोबाईल झपट्टा मार कर छीन कर भाग गये। इस संबंध में लालपुर थाना में मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन के निर्देश पर एक छापेमारी दल का गठन किया गया। छापेमारी दल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपितों को गिरफ्तार किया। साथ ही छिनतई की गयी मोबाईल को भी बरामद किया।

झारखंड रक्तदाता दिवस पर रक्तदान शिविर का सफल आयोजन

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड रक्तदाता दिवस के पावन अवसर पर नन्ही फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार, 24 मई 2026 को एक विशाल रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। यह शिविर प्रातः 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक रांची विश्वविद्यालय डिस्पेंसरी, आर्यभट्ट ऑडिटोरियम परिसर, मोराबादी, रांची में संपन्न हुआ। शिविर का विधिवत उद्घाटन रांची विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो. सरोज शर्मा द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस शुभारंभ ने आयोजन को एक गरिमामय एवं प्रेरणादायक स्वरूप प्रदान किया।

इस आयोजन में रांची विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय सेवा योजना), हरमू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर तथा फर्स्ट पॉइंट डायग्नोस्टिक सेंटर का सक्रिय सहयोग रहा। शिविर का मूल उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जन-जागरूकता उत्पन्न करना तथा जरूरतमंद रोगियों के लिए सुरक्षित एवं पर्याप्त रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना था।

शिविर में प्रो. सरोज शर्मा, कुलपति, रांची विश्वविद्यालय; प्रकाश कुमार झा, सी.सी.डी.सी., रांची विश्वविद्यालय; डॉ. आशीष कुमार झा, निदेशक, स्कूल ऑफ योगा; डॉ. सुहाष तेतरवे, निदेशक, हरमू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर; रिम्स के दंत चिकित्सा विभाग के चिकित्सकगण; समाज के जागरूक नागरिक तथा रांची विश्वविद्यालय के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। रक्त संग्रहण का कार्य हरमू हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर एवं फर्स्ट पॉइंट डायग्नोस्टिक सेंटर की कुशल चिकित्सा टीम द्वारा सुचारू रूप से संपन्न किया गया।

आयोजकों ने इस अवसर पर कहा कि रक्तदान महादान है – एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद का जीवन बचा सकता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे इस पुनीत कार्य में बढ़-चढ़कर भाग लें और रक्तदान को एक सामाजिक दायित्व के रूप में अपनाएं।

भोला मिष्ठान भंडार का 6ठा आउटलेट अब अरगोड़ा चौक हरमू रोड में भी

बच्चों संग आईएचएम के प्रिंसिपल भूपेश कुमार ने किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची : अरगोड़ा चौक हरमू रोड स्थित भोला मिष्ठान भंडार के नए आउटलेट का भव्य शुभारंभ किया गया। भोला मिष्ठान भंडार का यह 6ठा आउटलेट है। इस अवसर पर पारंपरिक स्वाद और आधुनिक गुणवत्ता का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम के दौरान प्रतिष्ठान के संचालक ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि ग्राहकों को शुद्धता, बेहतर स्वाद और उत्कृष्ट सेवा उपलब्ध कराना उनकी पहली प्राथमिकता है।

संचालक संजय कुमार ने कहा कि आधुनिक सुविधाओं और स्वच्छ वातावरण में ग्राहकों को पारंपरिक मिठाइयों, नमकीन एवं अन्य खाद्य उत्पादों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही यह नया आउटलेट स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा।

कार्यक्रम में भोला मिष्ठान भंडार के संचालक संजय कुमार एवं आईएचएम के प्रिंसिपल भूपेश कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। वहीं बीजू पाड़ा के एनजीओ के बच्चों ने उनके साथ मिलकर फीता काटा और दुकान का शुभारंभ किया। बच्चों की सहभागिता ने पूरे आयोजन को विशेष और भावनात्मक बना दिया।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, अतिथि एवं प्रतिष्ठान से जुड़े सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने भोला मिष्ठान भंडार को नए आउटलेट के लिए शुभकामनाएं दीं।

29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता के तीसरे दिन टूटे कई रिकॉर्ड

देव मीणा, कुलदीप कुमार ने पोल बोल्ट में 5.45 मीटर के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बनाते हुए कॉमन वेल्थ के किया क्वालीफाई

बिभा संवाददाता

रांची: एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया, नई दिल्ली एवं खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग, झारखंड सरकार तथा झारखंड एथलेटिक्स संघ के संयुक्त तत्वावधान में 22 मई से 25 मई 2026 तक बिरसा मुंडा स्टेडियम, मोराबादी, रांची में आयोजित 29वीं नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन प्रतियोगिता का आज भव्य एवं उत्साहपूर्ण शुभारंभ हुआ।

देश के विभिन्न राज्यों से पहुंचे 750 से अधिक प्रतिभाशाली एथलीटों के बीच प्रतियोगिता जारी रहा।जहां खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से दर्शकों का उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता के तीसरे दिन विभिन्न स्पधाओं में खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता के तीसरे दिन कुल 09 स्पधाओं के फाइनल मुकाबले संपन्न हुए।

देव मीणा, कुलदीप कुमार ने पोल बोल्ट में 5.45 मीटर के साथ नया नेशनल रिकॉर्ड बनाते हुए कॉमन वेल्थ के किया क्वालीफाई। वहीं लंबीकुद में श्री शंकर ने 8.08 मीटर के साथ एवं पुरुष ऊंची कूद में सर्वेश अनिल कुसारे ने 2.28 मीटर एवं आदर्श राम ने 2.22 मीटर,400 मीटर हर्डल्स पुरुष में संतोष कुमार टी- एन सी ओ त्रिवेंद्रम 49.93से., याशप पी - कर्नाटक -5 0.05से. ने कॉमन वेल्थ के लिए अहर्ता हासिल किया। पुरुष 110 मीटर हर्डल्स में रिलायंस के तेजस अशोक सिरसे ने 13.50 सेकेंड, क्रिस्क एम 13.52 सेकेंड के साथ नया मिट रिकॉर्ड बनाया।

विजेता खिलाड़ियों को पद्म श्री बहादुर सिंह सागू अध्यक्ष भारतीय एथलेटिक्स संघ, पद्म श्री शाइनी विल्सन,हॉकी इंडिया के भोला नाथ सिंह,अर्जुन पुरस्कार विजेता विजय माला भनोट एवं भारतीय एथलेटिक्स टीम के मुख्य कोच राधा कृष्ण नायर , सी लता, लियाकत अली द्वारा सम्मानित एवं पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर खेल एवं एथलेटिक्स जगत की कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित रहीं। इनमें साउथ एशियन एथलेटिक्स फेडरेशन के अध्यक्ष ललित भनोट, एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया की वित्त समिति के चेयरमैन एवं झारखंड ओलंपिक संघ के अध्यक्ष डॉ. मधुकांत, झारखंड एथलेटिक्स संघ के अध्यक्ष सी.डी. सिंह, सचिव एस.के. पांडे , आशीष झा, प्रभाकर वर्मा, सिकंदर महतो, रणवीर सिंह, आलोक मिश्रा, अजय नायक, बंधन टोप्पो, शैलेश कुमार,गिरीश मिश्रा, अनवर हुसैन, बंधन टोप्पो, प्रभात रंजन तिवारी, गंगाधर प्रसाद, अजीत कुमार,राकेश सिंह, माधव चंद्र घोष,कोच योगेश यादव, आशु भाटिया, अरविंद कुमार, आलोक सिंह एवं अनुभा खाखा, पुनीत कुमार ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

कांग्रेसियों ने पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रसाद सिंह को पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांची : झारखंड कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, पूर्व मंत्री एवं मजदूरझ्रकिसानों की मजबूत आवाज रहे स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह जी की पुण्यतिथि पर प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में उन्हें श्राद्धांजलि अर्पित की गई । प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा की राजेंद्र बाबू उन नेताओं में थे जिन्होंने राजनीति को सत्ता नहीं, बल्कि जनसेवा का माध्यम माना। उन्होंने अपना पूरा जीवन गरीबों, श्रमिकों, किसानों और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई में समर्पित कर दिया।

स्वर्गीय राजेंद्र प्रसाद सिंह ने झारखंड की सामाजिक और राजनीतिक चेतना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वे हमेशा जनता के बीच रहने वाले जमीनी नेता थे। उनकी पहचान एक सादगीपूर्ण, संघर्षशील और ईमानदार जनप्रतिनिधि के रूप में रही। उन्होंने कहा की मंत्री रहते हुए उन्होंने विकास, रोजगार और सामाजिक न्याय के मुद्दों को प्राथमिकता दी तथा आम लोगों की समस्याओं को सरकार तक मजबूती से पहुंचाने का कार्य किया।

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा की आज उनकी पुण्यतिथि पर कांग्रेस परिवार उनके योगदान को स्मरण करते हुए यह संकल्प लेता है कि उनके बताए मार्ग पर चलते हुए सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और जनहित की लड़ाई को और मजबूती से आगे बढ़ाया जाएगा।

भीषण गर्मी को देखते हुए जिलेभर में पिआऊ की व्यवस्था सुनिश्चित करें : उपायुक्त

सार्वजनिक स्थलों, सरकारी कार्यालयों एवं चौक-चौराहों पर उपलब्ध कराया जाएगा पेयजल

बिभा संवाददाता

बोकारो। जिले में लगातार बढ़ रही गर्मी और तेज तापमान को देखते हुए जिला प्रशासन ने आम लोगों को राहत पहुंचाने के लिए व्यापक व्यवस्था शुरू कर दी है। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर जिले के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सार्वजनिक स्थलों, सरकारी कार्यालयों, चौक-चौराहों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पिआऊ लगाने का निर्देश जारी किया गया है।

प्रशासन ने कहा है कि भीषण गर्मी का असर सबसे अधिक महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ रहा है। ऐसे में लोगों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना प्राथमिकता है।

उपायुक्त ने सभी जिला स्तरीय पदाधिकारियों, अनुमंडल पदाधिकारियों, प्रखंड विकास पदाधिकारियों, अंचल अधिकारियों, नगर निकायों के अधिकारियों, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के अभियंताओं तथा थाना प्रभारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में तत्काल पिआऊ की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

प्रशासन ने यह भी कहा है कि जहां पिआऊ लगाए जाएं, वहां इसकी स्पष्ट सूचना प्रदर्शित की जाए ताकि आम नागरिक आसानी से इसका लाभ उठा सकें। साथ ही सभी स्थानों पर लगातार स्वच्छ पेयजल उपलब्ध रहे, इसकी भी जिम्मेदारी संबंधित विभागों को दी गई है।

इसके अलावा जिले के उन क्षेत्रों की पहचान करने को कहा गया है जहां पेयजल संकट की स्थिति है। ऐसे इलाकों में तत्काल टैंकरों के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने तथा खराब पड़े चापानलों एवं जलमीनारों की शीघ्र मरम्मति कराने का निर्देश दिया है।

आवश्यकता पड़ने पर वैकल्पिक जलापूर्ति व्यवस्था भी करने को कहा है।

उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि गर्मी के इस मौसम में किसी भी क्षेत्र में पेयजल की समस्या उत्पन्न नहीं हो।

देवनद दामोदर महोत्सव आज, 25 स्थानों पर होंगे कार्यक्रम

बिभा संवाददाता

बोकारो। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर 25 मई 2026 को देवनद दामोदर महोत्सव 2026 का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन दामोदर बचाओ आंदोलन, युगान्तर भारती, नेचर फाउंडेशन एवं देवनद दामोदर क्षेत्र विकास ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा।

दामोदर बचाओ आंदोलन बोकारो जिला के संयोजक सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा ने जानकारी देते हुए बताया कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी दामोदर नदी एवं उसकी सहायक नदियों को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि बोकारो जिले के 25 स्थानों पर नदी किनारे कार्यक्रम आयोजित होंगे, जहां नदी संरक्षण एवं स्वच्छता को लेकर लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान कार्यकताओं एवं आम लोगों को नदियों को प्रदूषण मुक्त रखने की शपथ दिलाई जाएगी। साथ ही नदी पूजन एवं

महाआरती का आयोजन भी किया जाएगा।

मुख्य कार्यक्रम दामोदर नदी स्थित पुपुनकी ब्रिज के पास शाम चार बजे आयोजित होगा।

संयोजक सुरेन्द्र प्रसाद सिन्हा ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होकर दामोदर नदी को बचाने के अभियान को मजबूत बनाने की अपील की है। कार्यक्रम की सफलता के लिए दामोदर बचाओ अभियान समिति पुपुनकी की और से पंडित सोमनाथ शेखर मिश्रा,जिप सदस्य रिम्पा चक्रवर्ती, मुखिया प्रिया देवी पंसस शमीमा बीबी, मनोज महतो, श्यामसुन्दर गोस्वामी, संतोष केवट, डा. आलाउद्दीन, राजेश गोप, भागवत, दुलाल गोप, प्रकाश केवट, सहित दर्जनों ग्रामीण जुटे हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यालय डीएसपी द्वारा साईबर थाना का औचक निरीक्षण, कई दिशा निर्देश

बोकारो(बिभा) ।बोकारो पुलिस उपाधीक्षक (मु.), द्वारा साईबर थाना का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में साईबर

अपराध की रोकथाम हेतु जागरूकता पर बल दिया, दर्ज साईबर कांडो का सही तरीके से अनुसंधान करने को लेकर पुलिस पदाधिकारी को सही निदेश दिया। साथ ही पीड़ित लोगो का पैसे वापस कराना पुलिस कि जिम्मेदारी है। कांडो में अनुसन्धान पूर्ण कर समय पर चार्जशीट जमा करना, सभी विभागों/संस्थानों से समन्वय, अनुसंधान में तकनीक का पूर्ण उपयोग करने, पीड़ितों के साथ अच्छा व्यवहार, ऑनलाइन कंप्लेन का लगातार मॉनिटरिंग किया जाना चाहिए, थाना का रख- रखाव इत्यादि को लेकर कई निर्देश देते हुए थाना में पदस्थापित सभी पुलिस अधिकारियों को सख्त हिदायत दी गई कि पीड़ित लोगों को न्याय अवश्य मिलना चाहिए। न्याय के रूप में या तो पैसा वापस होना चाहिए या अपराधी जेल में होना चाहिए।

बीएसएल के ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर में खेल की बारीकियों से अवगत हो रहे बच्चे

बोकारो(बिभा)। बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के क्रीड़ा विभाग द्वारा आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविरों में

बच्चों की उत्साहपूर्ण भागीदारी देखने को मिल रही है. विभिन्न खेल विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में बच्चे प्रशिक्षण शिविरों में शामिल हो रहे हैं. खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सुबह 6:00 बजे से 8:00 बजे के बीच किया जा रहा है. 22 मई को आयोजित प्रशिक्षण सत्र में फुटबॉल, क्रिकेट, हैंडबॉल, बास्केटबॉल, हॉकी एवं वॉलीबॉल खेलों में कुल 305 बच्चों ने भाग लिया. फुटबॉल प्रशिक्षण में 65 प्रतिभागी शामिल हुए. क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट प्रशिक्षण शिविरों में सर्वाधिक 104 खिलाड़ियों ने भागीदारी दर्ज कराई. इसी प्रकार हैंडबॉल प्रशिक्षण में 36, बास्केटबॉल में 52, हॉकी में 22 तथा वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर में 26 बच्चों ने हिस्सा लिया. बास्केटबॉल का प्रशिक्षण स्टील क्लब सेक्टर-3 में, जबकि वॉलीबॉल प्रशिक्षण शिविर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-4 में आयोजित किया गया. प्रशिक्षण शिविरों में बच्चों को खेल की तकनीक एवं फिटनेस के साथ-साथ अनुशासन एवं टीम भावना के बारे में जानकारी दी जा रही है. अनुभवी प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिससे उनकी खेल प्रतिभा को निखारने में सहायता मिल रही है. ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य बच्चों एवं युवाओं को खेल के प्रति प्रोत्साहित करना तथा उन्हें राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करना है. यह शिविर खिलाड़ियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है. बोकारो स्टील प्लांट के खेल एवं नागरिक सुविधाएं विभाग के तत्वावधान में ग्रीष्मकालीन क्रीड़ा प्रशिक्षण शिविर 2 जून तक आयोजित किया जाएगा.

तीसरे प्रयास में पियूष ने पास की सीए परीक्षा, बोकारो और रौनियार समाज का बढ़ाया मान

बोकारो(बिभा) : को-ऑपरेटिव कॉलोनी, प्लॉट नंबर-138 निवासी पियूष राज गुप्ता ने चार्टर्ड अकाउंटेंसी (सीए) परीक्षा में सफलता हासिल कर बोकारो जिले एवं रौनियार समाज का नाम रोशन किया है।

उनकी इस उपलब्धि से परिवार, रिश्तेदारों और समाज के लोगों में खुशी की लहर है। सफलता की सूचना मिलते ही शुभचिंतकों का उनके आवास पर पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। लोगों ने मिठाई खिलाकर, गुलदस्ता भेंट कर तथा शॉल ओढ़ाकर पियूष को सम्मानित किया और उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। जानकारी के अनुसार, इस वर्ष झारखंड से 74 अभ्यर्थियों ने सीए परीक्षा में सफलता प्राप्त की है, जिनमें बोकारो के पियूष राज गुप्ता भी शामिल हैं। पियूष की उपलब्धि से पूरे शहर में गर्व और उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि सह रौनियार समाज के संरक्षक श्याम बाबू गुप्ता ने पियूष के आवास पहुंचकर उन्हें सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि पियूष ने अपनी मेहनत, अनुशासन और लगन से नई पीढ़ी के लिए प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। समाज के युवाओं को उनसे प्रेरणा लेकर अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निरंतर मेहनत करनी चाहिए। पियूष की माता सुनीता गुप्ता ने बताया कि बेटे की सफलता के पीछे उसकी कड़ी मेहनत और परिवार का निरंतर सहयोग रहा है। सम्मान समारोह में रौनियार समाज के उपाध्यक्ष रविंद्र गुप्ता, सचिव अनिल गुप्ता, राजीव गुप्ता, किशोरी मोहन गुप्ता, सूरज कुमार सहित समाज के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

हरला थाना के सभागार में बकरीद की शांति बैठक आयोजित, पुलिस-शहरी प्रशासन ने सुरक्षा-व्यवस्था पर रखा जोर

बिभा संवाददाता

बोकारो : आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से मनाने को लेकर आज हरला थाना परिसर में शांति समिति की अहम बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस उपाधीक्षक (नगर), बोकारो ने की और इसमें थानाध्यक्ष, स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी, धार्मिक प्रतिनिधि, समाजसेवक तथा नागरिकों के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक में मुख्य रूप से त्यौहार के दौरान सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा, भीड़-प्रबंधन, पुरुषोत्तम पूजा स्थलों एवं मस्जिदों के आसपास यातायात व्यवस्थित करने तथा निकटवर्ती बाजारों में अराजकता रोकने के उपायों पर चर्चा की गई। बैठक में यह भी निर्देश दिया गया कि ईद की नमाज के समय भीड़ को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक संख्या में पुलिस बल तैनात किए जाएंगे और संवेदनशील स्थानों पर सीसीटीवी मॉनीटरिंग बढ़ाई जाएगी।

पुलिस उपाधीक्षक (नगर) ने कहा कि सभी धार्मिक स्थानों के आयोजक सुरक्षा व व्यवस्था के नियमों का पालन सुनिश्चित करें। उन्होंने समुदाय के प्रत्येक वर्ग से शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की और कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने से बचें। इसके साथ ही उन्होंने त्वरित शिकायत निवारण के लिए हेल्पलाइन और पेट्रोलिंग बढ़ाने के निर्देश दिए।

स्थानीय धार्मिक नेताओं ने भी नागरिकों से संयम रखने और प्रशासन के निदेर्शों का पालन करने का आग्रह किया। व्यापारियों को भी बाजारों में असावधानी से बचने और आवश्यकतानुसार दुकानें व्यवस्थित रखने का निर्देश दिया गया ताकि भीड़ के कारण किसी तरह की दिक्कत न हो।

बैठक में अग्नि सुरक्षा, आपातकालीन सेवाओं की तत्परता और प्राथमिक चिकित्सा केन्द्रों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई। सहायक नगरायुक्त प्रतिनिधि ने कहा कि स्वेच्छा से कार्य करने वाले स्वयंसेवकों को समन्वय के लिए नाम पंजीकृत करने की व्यवस्था की जाएगी ताकि वे जरूरत पड़ने पर प्रशासन का सहयोग कर सकें।

समापन में सभी पक्षों ने मिलकर शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने का संकल्प लिया और आम जनता से अपील की गई कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

खीरू महतो से मिल चौबे विस्थापितों की समस्याओं पर की चर्चा

बोकारो(बिभा)। युवा भाजपा नेता सह उच्च न्यायालय में अधिवक्ता शीतल समीर चौबे देर शनिवार शाम जदयू प्रदेश अध्यक्ष सह राज्य सभा सांसद खीरू महतो से बोकारो निवास में मुलाकात कर उनका स्वागत किया। चौबे ने मेजर जनरल ए के सिन्हा द्वारा लिखित पुस्तक मिशन कश्मीर देकर खीरू महतो का स्वागत किया एवं जन मुद्दों पर चर्चा की। चौबे ने विस्थापितों के साथ हो रहे जघन्य अन्याय से सांसद को अवगत करवाया एवं उनसे निवेदन किया कि इस्पात मंत्री के समक्ष विस्थापितों के हित की बात और उनका दर्द रखे। इस दौरान चौबे ने कहा कि आज जिनके जमीन पर बोकारो स्टील प्लांट और बोकारो शहर बसा है वो अपने हक हुकूक के लिए बलिदान दे रहे हैं। शहीद हुए लोगों के परिवार तक पर स्टील प्लांट की नजर नहीं है।यदि यही हाल रहा तो भीषण और गर्म आंदोलन के लिए विस्थापित विवश हो जाएंगे किंतु उस विवशता में केवल विस्थापितों का बलिदान नहीं नहीं होगा। कई अन्य को भी बलिदान देना पड़ेगा।खीरू महतो ने उन्होंने बताया कि वो दिल्ली जा रहे हैं और दिल्ली में भी इस्पात मंत्री से मिलकर विस्थापितों के हक की बात को मजबूती से रखेंगे।

पिता के अंतिम संस्कार में शामिल होने गए रेलवे गार्ड के क्वार्टर से लाखों की चोरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बालीडीह थाना अंतर्गत बंद पड़े रेलवे क्वार्टर संख्या डीएस-3-38-एफ में चोरों ने जेवरात व नकदी सहित लाखों रुपये की चोरी कर ली। पीड़ित रेलवे गार्ड प्रदीप कुमार भौमिक पिछले सप्ताह अपने पिता के निधन पर परिवार सहित कोलकाता गए हुए थे।

प्रदीप ने बताया कि वे 18 मई को परिवार के साथ कोलकाता पहुंचे थे। शुक्रवार की रात पड़ोसियों ने सूचित किया कि क्वार्टर का ताला टूटा हुआ है। घर लौटने पर उन्होंने पाया कि क्वार्टर का इंटरलॉक, अलमारी और गोदरेज का ताला तोड़े गए हैं। ताले टूटे हुए पाए जाने के बाद मकान की तलाशी लेने पर सोने के आभूषण, एक कैमरा और लगभग 28,000 रुपये नकद गायब थे। कुल नुकसान लाखों रुपये आंका जा रहा है।

प्रति शिकायत में बताए अनुसार सीसीटीवी फुटेज में रात करीब 12:40 बजे दो संदिग्ध व्यक्ति चेहरा ढके हुए परिसर में चलते हुए दिखे। फुटेज में चोरों द्वारा सीसीटीवी तोड़ने का भी प्रयास किया गया। पुलिस को दिए गए बयान में यह भी कहा गया है कि चोरों ने उसी रात न केवल उक्त क्वार्टर में चोरी की, बल्कि सामने बंद पड़े एक और क्वार्टर का ताला

भी तोड़ कर माल स्त्रंशू" उठा ले गए। सामने वाले क्वार्टर में रहने वाले लोग उसी शाम अपने रिश्तेदार की शादी के लिए रवाना हुए थे, जिससे क्वार्टर खाली था। बालीडीह थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले की छानबीन कर रहे अधिकारीयों ने कहा कि करीबी सीसीटीवी फुटेज, पड़ोसियों के बयानों और इलाके में लगे अन्य कैमरों की रिकॉर्डिंग तफ्तीश के दौरान खंगाली जा रही हैं। पुलिस का दावा है कि शीघ्र ही संदिग्धों की पहचान कर उन्हें पकड़ा जाएगा।

स्थानीय निवासियों ने कहा कि रेलवे क्वार्टरों की सुरक्षा में कमी स्पष्ट है और समय पर निगरानी व पेट्रोलिंग बढ़ाने की आवश्यकता है। रेलवे और पुलिस प्रशासन से तेज कदम उठाने की मांग की जा रही है ताकि आवासीय परिसरों में रहने वाले स्टाफ की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

चास में चार दिनों से बिजली गुल, 500 घरों में जनजीवन प्रभावित

बिभा संवाददाता

चास (बोकारो): चास नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत वास्तु विहार प्रोजेक्ट-4, चिरा चास में पिछले चार दिनों से बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप है, जिससे लगभग 500 घरों के लोग गंभीर परेशानियों का सामना कर रहे हैं। लगातार बिजली नहीं रहने के कारण बच्चों की पढ़ाई बाधित हो रही है, वहीं पानी की आपूर्ति और दैनिक कार्यों पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लंबे समय से लो वोल्टेज की समस्या बनी हुई है। साथ ही यहां लगे ट्रांसफार्मर की क्षमता भी कम है, जिसके कारण बार-बार फ्यूज उड़ने की समस्या होती रहती है। इससे लोगों को लगातार परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों ने ट्रांसफार्मर बदलने एवं अधिक क्षमता वाले नए ट्रांसफार्मर लगाने के लिए संबंधित विभाग को आवेदन भी दिया है, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कई बार सूचना देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने से नाराज क्षेत्रवासियों का आक्रोश रविवार शाम को फूट पड़ा और उन्होंने तालगाड़िया मोड़ से चीराचास जाने वाली मुख्य सड़क को करीब आधे घंटे तक जाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यह कदम सिर्फ चेतावनी के तौर पर उठाया गया है। यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ, तो अगला कदम उठाते हुए एनएच-32 को जाम किया जाएगा, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन, संबंधित विभाग, नगर निगम, विधायक और सांसद की होगी। लोगों ने नगर निगम प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर बिजली आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है, ताकि प्रभावित परिवारों को शीघ्र राहत मिल सके।

तुपकाडीह चौक में पेयजल व्यवस्था बेहाल यात्री व दुकानदार पानी के लिए परेशान

बिभा संवाददाता

बोकारो। तुपकाडीह चौक बाजार में पेयजल की व्यवस्था लगातार चरमरा रही है, जिससे स्टेशन से उतरने वाले यात्री और स्थानीय दुकानदार-फेरीवाले पानी के लिए परेशान हैं। इलाके में एकमात्र सार्वजनिक चापाकल भी खराब पड़ी है और सप्लाई होने वाला पानी अनियमित तथा अल्पकालिक है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि स्टेशन से उतरने के बाद यात्री चौक से बस या ऑटो पकड़कर जैनामोड़ या फुसरो जाने से पहले पीने के पानी की व्यवस्था नहीं पाते। पानी की सप्लाई एक दिन छोड़कर दी जाती है और मिलना भी केवल लगभग एक घंटे तक सीमित रहता है। दुकानदार सार्वजनिक नलों से दो दिन का पानी भरकर स्टोर कर लेते हैं, परन्तु वे उसे यात्रियों या राहगीरों को पीने के लिए प्रदान नहीं करते, जिससे लोगों

को बोतलबंद पानी खरीदना पड़ता है।

बाजार के तीन मुख्य हिस्सों – मेनरोड, स्टेशन रोड और नहर चौक – के पास एक भी चालू चापाकल मौजूद नहीं है। फुटपाथ पर दुकान लगाने वाले और फेरीवालों सहित अनेक छोटे व्यवसायी पानी के लिए तरस रहे हैं। छोटे आकार की पानी टंकी भी जो सप्लाई पानी सहेजने के लिए रखी गई है, वह एक घंटे के भीतर खाली हो जाती है।

स्थानीय नागरिक ने बताया, यहां रोजाना यात्रियों और दुकानदारों की भीड़ रहती है, पर पीने का पानी नहीं मिलता। गर्मियों में स्थिति और खराब हो जाती है। एक अन्य दुकानदार ने कहा कि रोजमर्रा के कामकाज पर इसका गहरा असर होता है और ग्राहकों की परेशानी भी बढ़ती है। क्षेत्रीय नगर परिषद या जलापूर्ति विभाग से इस संबंध में तत्काल कदम उठाने की मांग उठी है। स्थानीय लोग सार्वजनिक चापाकल की मरम्मत, नियमित पानी सप्लाई तथा यात्री सुविधाओं के नजदीक पीने के पानी के स्टेशनों की स्थापना की मांग कर रहे हैं। पानी की कमी के कारण स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ भी बढ़ रही हैं। अधिकारीयों ने अभी तक आधिकारिक टिप्पणी नहीं की है; स्थानीय नागरिक उम्मीद कर रहे हैं कि नगर निगम व जलापूर्ति विभाग शीघ्र समस्या का स्थायी समाधान निकालेंगे।

स्वदेशी से ही बनेगा विश्वगुरु भारत: बोकारो में आत्मनिर्भरता का संकल्प, बंजर जमीन पर उगी नई उम्मीद

बिभा संवाददाता

बोकारो: स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और राष्ट्रनिर्माण के संकल्प के साथ आज यहां स्वदेशी जागरण मंच के जिला विचार वर्ग में देश, समाज और मानवता के भविष्य पर गहन मंथन हुआ। कार्यक्रम में वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि भारत का सच्चा विकास स्वदेशी विचारधारा और प्रकृति-आधारित स्वरोजगार से ही संभव है।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता व पूर्व राष्ट्रीय संयोजक अरुण कुमार ओझा ने कहा कि आज विश्व भारत को उदाहरण के रूप में देख रहा है और ऐसे समय में राष्ट्र को स्वदेशी रास्ते पर आगे बढ़ाना तथा विश्व मानवता के कल्याण का चिंतन करना हम सभी का सौभाग्य व दायित्व है। उन्होंने बताया कि विचार वर्ग का उद्देश्य केवल चर्चा नहीं, बल्कि राष्ट्रहित में ठोस दिशा तय कर कार्यकताओं को वैचारिक रूप से मजबूत बनाना है।

राष्ट्रीय मेला प्रमुख सचिंद्र कुमार बरियार ने कहा कि संगठन की वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी जब अधिक से अधिक लोग स्वदेशी अभियान से जुड़ेंगे और ऊर्जा संरक्षण तथा आत्मनिर्भरता को अपने जीवन का अंग बनाएंगे। बरियार ने मंच के कृषि प्रकोष्ठ के सफल प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा कि इसी प्रभाव से वेदांता समूह ने स्थानीय इको-पार्क के लिए 40 एकड़ भूमि देने की सहमति जताई है।

झारखंड कृषि प्रकोष्ठ प्रमुख अंजनी सिन्हा ने अमृत कृषि पद्धति की सफलता का उल्लेख करते हुए कहा कि इस तकनीक से बंजर जमीन को भी उपजाऊ बनाया गया है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रो स्टील वेदांता ने इस मॉडल से प्रभावित होकर अपनी 5 एकड़ की परंपरागत खेती को बढ़ाकर अब 101 एकड़ पर खेती शुरू कराई है। सिन्हा ने कहा कि इस पद्धति से उत्पन्न धान को इस बार किसानों को पुराने 17 रुपये प्रति किलो के मुकाबले 40 रुपये प्रति किलो तक दाम मिला, जिससे किसानों में उत्साह और आत्मविश्वास दोनों में वृद्धि हुई है।

कार्यक्रम में अजय चौधरी, दीपक, अमरेंद्र कुमार सिंह, दिलीप वर्मा, प्रमोद कुमार सिंह, संजय कुमार, जयशंकर प्रसाद, ददन प्रसाद, विवेकानंद झा, शशांक शेखर, प्रेम प्रकाश, मनीष श्रीवास्तव, सुरेश सिंह, अवधेश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक मौजूद थे। मंच ने आने वाले समय में स्वदेशी उत्पादों के प्रचार, कृषि पद्धतियों के प्रसार और ऊर्जा संरक्षण के लिए विभिन्न अभियान चलाने की रूपरेखा भी पेश की।

कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित लोगों ने स्वदेशी अपनाने और आत्मनिर्भरता को जीवन का हिस्सा बनाने का संकल्प लिया और कहा कि बंजर जमीनों को जीवन्त बनाकर न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होगी, बल्कि यह मॉडल राज्य व देश के अन्य हिस्सों के लिए प्रेरणास्त्रोत भी बनेगा।

झामुमो जिला संयोजक मंडली की बैठक में बूथ स्तरीय मजबूती पर जोर

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के केंद्रीय कार्यालय, रांची में रविवार को रांची जिला संयोजक मंडली और रांची महानगर संयोजक मंडली के सदस्यों की बैठक आयोजित हुई।
इस अवसर पर झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठनात्मक समीक्षा की।
झामुमो को बूथ स्तर तक और अधिक सशक्त बनाने को लेकर विस्तृत चर्चा करते हुए कई मार्गदर्शन दिये। विनोद पांडेय ने कहा कि मोर्चा को बूथ स्तर पर मजबूत करना आवश्यक है। जिसके लिए सभी कार्यकर्ता एकजुटता के साथ कार्य करें। आमजनों की छोटी बड़ी हर तरह की परेशानियों में सकारात्मक भूमिका निभाएं ताकि झामुमो धरातल पर और अधिक मजबूत हो सके।
उन्होंने कहा कि बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत करना झामुमो की प्राथमिकता है और इसके लिए सभी कार्यकर्ताओं को सक्रिय भूमिका निभानी होगी।
बैठक में पदाधिकारियों और संयोजक मंडली के सदस्यों के साथ संगठन विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्यक्रमों की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।
बैठक के दौरान जिला और महानगर स्तर के पदाधिकारियों को क्षेत्रवार जिम्मेदारियां सौंपने और आम लोगों के बीच पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को पहुंचाने के निर्देश दिए गए। नेताओं ने कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क अभियान तेज करने और संगठनात्मक गतिविधियों को गांव एवं वार्ड स्तर तक पहुंचाने का आह्वान किया।
बैठक में रांची जिला संयोजक मंडली के प्रमुख मुस्ताक आलम, अश्विनी शर्मा, हेमलाल मेहता, बीरू तिर्की, रांची महानगर संयोजक मंडली के अंतू तिर्की, फरीद खान, अफरोज अंसारी, सुषमा बरदेवा समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

बकरीद को लेकर पुलिस ने किया मॉक ड्रिल, उपद्रवियों पर रहेगी नजर

बिभा संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ जिले में 28 मई को बकरीद का त्यौहार मनाया जाने वाला है। इसे लेकर जिला प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है। पुलिस भी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम कर चुकी है। रविवार को पुलिस लाइन में उपद्रवियों से निपटने के लिए पूरी तैयारी का मॉक ड्रिल किया गया। सार्जेंट मेजर मंटू यादव, रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे की मौजूदगी में उपद्रव का दृश्य दिखाया गया। पुलिस ने कैसे उपद्रवियों को काबू में किया, इस पर भी पूरा एक्शन हुआ। किस तरह भीड़ में शामिल लोगों को समझाना है। नहीं मानने पर वाटर कैनन से भीड़ को तितर-बितर किया जाना है।
अगर इसके बावजूद भीड़ शांत नहीं होती है तो आंसू गैस के गोले और फिर लाठी चार्ज जैसी स्थिति कैसे हैंडल किया जाए, इस पर पूरी ट्रेनिंग दी गई। मॉक ड्रिल के माध्यम से रामगढ़ जिले में शांतिपूर्ण त्यौहार मनाने का संदेश दिया गया। साथ ही यह भी कहा गया कि विधि व्यवस्था बिगाड़ने वाले और शांति भंग करने वालों पर पूरी कार्रवाई होगी।

अनिमेष रंजन ने पदभार ग्रहण किया

बिभा संवाददाता

गुमला: भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के झारखंड संवर्ग 2021 बैच के अधिकारी अनिमेश रंजन ने सोमवार को गुमला जिले के उप विकास आयुक्त-सह-मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, जिला परिषद के पद पर औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण कर लिया. पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो से शिष्टाचार मुलाकात की और जिले के विकास कार्यों को लेकर चर्चा की.
इस दौरान उपायुक्त दिलेश्वर महत्तो ने अनिमेश रंजन को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन टीम भावना और आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए विकास योजनाओं को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करेगा. साथ ही सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए प्रशासन पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा.
नवपदस्थापित उप विकास आयुक्त अनिमेश रंजन ने भी जिले के समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जताई. उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास, पंचायत व्यवस्था को मजबूत करने तथा जनहित से जुड़ी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने यह भी कहा कि सरकार की योजनाओं को पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ लागू किया जाएगा ताकि आम लोगों को अधिकतम लाभ मिल सके.

संक्षिप्त खबरें

हजारीबाग में शुरू हुई विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया, मतदान केंद्रों पर चस्पा की गई अनमैप्ड मतदाताओं की सूची

हजारीबाग(बिभा): झारखंड में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया की शुरूआत हो चुकी है। इसी क्रम में हजारीबाग जिले के सभी मतदान केंद्रों पर अनमैप्ड मतदाताओं की सूची चस्पा कर दी गई है। निर्वाचन विभाग की ओर से आम नागरिकों से अपील की जा रही है कि वे अपने नजदीकी मतदान केंद्र पर जाकर सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। निर्वाचन विभाग के अनुसार जिन मतदाताओं का नाम अनमैप्ड सूची में शामिल है, उन्हें जल्द से जल्द अपने क्षेत्र के बीएलओ से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेज जमा करने होंगे। इसके बाद ही उनका नाम सही तरीके से मतदाता सूची में अपडेट किया जा सकेगा।
अधिकारियों ने बताया कि यह प्रक्रिया मतदाता सूची को शुद्ध और त्रुटिरहित बनाने के उद्देश्य से चलायी जा रही है, ताकि आगामी चुनावों में किसी भी मतदाता को परेशानी का सामना न करना पड़े। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि समय रहते दस्तावेज जमा नहीं करने पर भविष्य में मतदान से जुड़ी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। निर्वाचन विभाग लगातार लोगों को जागरूक कर रहा है और अपील कर रहा है कि सभी मतदाता सक्रिय होकर अपना नाम सत्यापित कराएं, ताकि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके।

आठ दिवसीय समर कैंप सफलतापूर्वक सम्पन्न

हजारीबाग(बिभा): श्री रामकृष्ण सारदा आश्रम (विवेकानंद सेंट्रल स्कूल) में 17 मई 2026 से 24 मई 2026 तक आठ दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन विद्यालय के संस्थापक परम पूज्य स्वामी तपानंद जी महाराज तथा सचिव डॉ. समाप्ति कुमार पॉल ने संयुक्त रूप से किया। समर कैंप में कक्षा 3 से 12 के लगभग 400 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। सचिव ने कहा कि समर कैंप के माध्यम से बच्चों को पढ़ाई से तनाव मुक्त करके शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभाएँ निखारने का अवसर प्रदान किया जाता है। इस समर कैंप में बच्चों ने कराटे, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल, फुटबॉल, खो-खो, जुम्बा डांस और चित्रकला आदि गतिविधियों में भाग लिया। इस समर कैंप में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावक भी बड़े उत्साहित थे।समर कैंप का समापन विद्यालय के प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य , स्कूल मैनेजर डॉ मौसमी मैती,शैक्षणिक प्रभारी डॉ. सोमा पॉल ने किया। प्राचार्य ने इस कैंप की सराहना करते हुए कहा कि इससे बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है। साथ ही बच्चों के अंदर छिपी प्रतिभा को सामने आने का अवसर प्रदान करती है।विद्यालय प्रबंधन तथा प्राचार्य ने सफल समर कैंप आयोजन के लिए सभी प्रशिक्षकों तथा शिक्षकों को धन्यवाद तथा बधाई देकर उत्साहवर्धन किए।

सीसीआर डीएसपी ने माइकिंग कर नो पार्किंग जॉन में जाने से मना किया गया

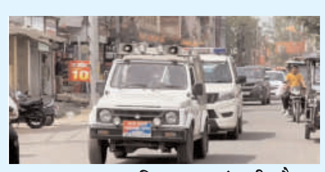

हजारीबाग(बिभा): पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के आदेशानुसार नो पार्किंग से संबंधित जागरूकता अभियान चलाया गया एवं माइक से एनाउसमेंट कर लोगों को घूम-घूम कर जागरूक किया गया इंद्रपुरी चौक, से मेंन रोड झंडा चौक, पानी टंकी ,पैगोडा चौक, सुंदरी मार्केट ,पंच मंदिर चौक, छोटी ग्वालटोली चौक, खाजा चौक, सांसद महोदय मोड, कल्लू चौक, जिला मोड तक एवं टोटो और ऑटो को भी नो पार्किंग जॉन में जाने से मना किया गया प्रचारित किया गया कि दो दिनों के बाद नियमत चालान काटा जाएगा । उक्त अभियान में जिले से पुलिस उपाधीक्षक सी0सी0आर के नेतृत्व में एवं पु0नि0 सह थाना प्रभारी यातायात एवं - 03 पुलिस पदाधिकारी एवं 10 गृहरक्षक की टीम गठित की गई ' जो पार्किंग से संबंधित माइक से एनाउसमेंट कर उपरोक्त स्थान पर प्रचारित कर जागरूकता अभियान चलाया गया

जनता दरबार में दिव्यांगों को मिले व्हील चेयर

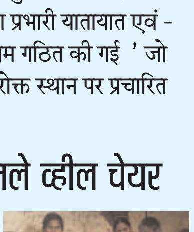

सिमड़ेगा(बिभा): बांसजोर प्रखंड में आयोजित जनता दरबार में अनेक लोगों का आवेदन प्राप्त हुआ जिसमें व्हील चेयर उपलब्ध कराने की अधियाचना संबंधी प्राप्त आवेदन पत्र भी प्राप्त हुए। उन आवेदनों को उपायुक्त ने त्वरित निष्पादन के निर्देश के साथ संबंधितविभागों के अधिकारियों को अग्रसारित किए गए जिसके आलोक में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरजमुनि कुमारी के द्वारा तत्परता के साथ तरगा पंचायत के नवाटोली ग्राम में चरकु साव तथा तेतर टोली की 20 वर्षीय सोनालिका कुमारी को उसके गांव जाकर उनके घर पर ही व्हील चेयर उपलब्ध का वितरण किया गया । व्हील चेयर मिलने से चरकु साव और सोनालिका कुमारी के चेहरे में शुकुन भरी निगाहें दिखाई दी।दोनों के जीवन मे एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने सरकार के इस पहल को अपने खुशी का अवसर महसूस किया।

रामपुर गोलीकांड: 17 नामजद व 25 अज्ञात के खिलाफ एफआईआर, पुलिस की छापेमारी तेज

बिभा संवाददाता

पलामू, 24 मई (हि.स.)। चैनपुर थाना क्षेत्र के रामपुर में हुए गोलीकांड मामले में पुलिस ने 17 नामजद और 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की है। घटना के बाद आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस कई स्थानों पर लगातार छापेमारी कर रही है। हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। घटनास्थल और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती भी की गई है।
दरअसल, शनिवार को रामपुर गांव में जमीन विवाद को लेकर एक विधवा महिला के घर को कथित रूप से गिरा दिया गया था। इसी दौरान एक पक्ष की ओर से फायरिंग की गई, जिसमें सकेंद्र चौधरी नामक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए।
घटना के विरोध में ग्रामीणों ने चैनपुरझमेदिनीनगर मार्ग पर शाहपुर के पास कोयल पुल के समीप सड़क जाम कर दिया था। बाद में पुलिस अधिकारियों ने समझा-बुझाकर जाम समाप्त कराया।
मृतक के पिता मधु चौधरी के बयान के आधार पर दर्ज एफआईआर में 17 लोगों को नामजद किया गया है। इनमें मंटू सिंह, राजेंद्र सिंह, मुनारिक सिंह, ब्रह्मदेव सिंह, उमाकांत सिंह, बगन सिंह, चंदन सिंह, बादल सिंह, गोलू सिंह, मनीष सिंह, दिलीप सिंह, ललन सिंह, कुंदन सिंह, जयराम सिंह, रामस्वरूप सिंह और राणा सिंह शामिल हैं। इसके अलावा 25 अज्ञात लोगों को भी आरोपित बनाया गया है।
मधु चौधरी ने बताया कि विवादित जमीन पर निमार्णाधीन मकान को लेकर यह विवाद शुरू हुआ था। आरोप है कि आरोपित मौके पर पहुंचे और पीड़ित परिवार के घर को गिरा दिया। विरोध करने पर उन्हें धमकी दी गई और सभी आरोपित वहां से चले गए। इसके बाद जब गिरी हुई ईंटें हटाई जा रही थीं, तभी आरोपित दोबारा मौके पर पहुंचे और हत्या की नीयत से फायरिंग कर दी। इस घटना में उनके बेटे की मौत हो गई, जबकि चार अन्य रिश्तेदार गंभीर रूप से घायल हो गए।
पुलिस मामले की जांच में जुटी है और आरोपितों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

झामुमो रामगढ़ प्रखंड कमेटी की बैठक

रामगढ़(बिभा)। झारखंड मुक्ति मोर्चा रामगढ़ प्रखंड कमेटी की बैठक रविवार को दोहाकातू पंचायत के गंडके गांव आयोजित की गई। बैठक में बूथ कमेटी का गठन, बूथ लेबल एजेंट गठन के साथ-साथ संगठन के विस्तार पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष बबलू यादव ने किया, जबकि बैठक में मुख्य रूप से केंद्रीय सदस्य सह जिला संयोजक सदस्य सोनाराम मांझी महेंद्र मुंडा, विजय राम, दुबराज पाहन उपस्थित हुए। बैठक को संबोधित करते हुए सोनाराम मांझी ने बूथ कमेटी जल्द से जल्द तैयार कर जिला कमेटी को सौंपने, बूथ लेबल एजेंट बनाने और झारखंड सरकार द्वारा संचालित विकास योजनाओं को जन जन तक पहुंचाने को कहा। बैठक में त्रिभुवन बेदिया, पूनम देवी, मेनकी देवी, पूजा कुमारी, कौशल्या देवी, सविता देवी, रीना देवी, आशा देवी, बासो देवी, रूम्पा देवी, बहादुर मुंडा, बबलू मुंडा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उपायुक्त ने नेतरहाट में पशु चिकित्सालय, नए बस स्टैंड की भूमि एवं पर्यटन स्थलों का किया निरीक्षण

बिभा संवाददाता

लातेहार: उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार ने आज नेतरहाट क्षेत्र का दौरा कर विभिन्न स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने नेतरहाट स्थित पशु चिकित्सालय एवं प्रस्तावित नए बस स्टैंड हेतु चिन्हित भूमि का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से भूमि की उपलब्धता, पहुंच मार्ग एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजन एवं पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए योजनाओं को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से आगे बढ़ाया जाए। उन्होंने कहा कि नेतरहाट जिले का महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है, इसलिए यहां आधारभूत सुविधाओं का सुदृढ़ होना आवश्यक है।
इसके पश्चात उपायुक्त ने विभिन्न पर्यटन स्थलों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं जैसे पेयजल, शौचालय, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, सुरक्षा एवं पर्यटकों के लिए अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक सुधारात्मक कार्रवाई करने एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।
निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

गिरिडीह से 50 लाख रुपये के चांदी के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गिरिडीह। नगर थाना पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर 50 लाख रुपये की चांदी के साथ दो संदिग्ध लोगों को दबोचा है। रविवार तड़के सुबह इस छापेमारी के दौरान 50 लाख रुपये मूल्य के 19 किलो चांदी बरामद किया गया है।इस दौरान दोनों संदिग्धों को एक बोलेरो गाड़ी के साथ दबोचा गया। हिरासत में लिए गये दोनों आरोपितो से नगर थाना पुलिस गहन पूछताछ कर रही है। इसमें एक संदिग्ध खुद को महाराष्ट्र और दूसरा हजारीबाग का बताया जा रहा है। दोनों 19 किलो चांदी के चार सिल्ली को गिरिडीह में ही किसी जेवर कारोबारी को उनके डिमांड के अनुसार आपूर्ति करने आए थे। हालांकि दोनों संदिग्धों ने दावा किया है कि उनके पास पूरे कागजात है। लेकिन पुलिस की माने तो दोनों को लेकर कई तरह की बाते सामने आ रही है।नगर थाना प्रभारी रतन कुमार ने बताया कि पूरे मामले की गहन जांच पड़ताल की जा रही है। दोनों से पूछताछ की जा रही है।

फ्रेंड्स ग्रुप की शानदार जीत, विधायक इलेवन को 9 विकेट से हराया

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : ओमेगा कप क्रिकेट टूर्नामेंट में खेले गए बहुप्रतीक्षित मुकाबले में फ्रेंड्स ग्रुप ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विधायक इलेवन को 9 विकेट से पराजित कर एकतरफा जीत दर्ज की। मैच में अंकुर के बेहतरीन ऑलराउंड प्रदर्शन ने दर्शकों का दिल जीत लिया।मैच की शुरूआत में टॉस जीतकर विधायक इलेवन के कप्तान एवं हजारीबाग के लोकप्रिय विधायक प्रदीप प्रसाद ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। विधायक इलेवन की टीम ने निर्धारित ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 114 रन का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया और फ्रेंड्स ग्रुप के सामने जीत के लिए 115 रनों का लक्ष्य रखा।
लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स ग्रुप की टीम ने शुरू से ही आक्रामक तेवर अपनाए। टीम के स्टार खिलाड़ी अंकुर ने विस्फोटक बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए विपक्षी गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उनकी ताबड़तोड़ पारी की बदौलत फ्रेंड्स ग्रुप ने लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया और मुकाबला 9 विकेट से अपने नाम कर लिया।
अंकुर ने बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जिसके लिए उन्हें सर्वसम्मति से मैन ऑफ द मैच चुना गया।
मैच के दौरान बड़ी संख्या में उपस्थित क्रिकेट प्रेमियों ने दोनों टीमों का उत्साहवर्धन किया। फ्रेंड्स ग्रुप की इस जीत पर टीम के कप्तान राकेश गुप्ता ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि टीम ने एकजुट होकर शानदार खेल का प्रदर्शन किया, जिसका परिणाम जीत के रूप में सामने आया,सभी मेंबर के योगदान की तारीफ की।

हजारीबाग बना राष्ट्रीय शतरंज का केंद्र, एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड प्रतियोगिता का शानदार समापन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट चेस एसोसिएशन के तत्वावधान में तथा ऑल इंडिया चेस फेडरेशन एवं ऑल झारखंड चेस एसोसिएशन की अधिकृत अनुमति से आयोजित एचडीसीए ऑल इंडिया फाइड रेटिंग क्लासिकल शतरंज प्रतियोगिता 2026 का भव्य समापन रविवार को उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हो गया। नौ दिनों तक चले इस राष्ट्रीय शतरंज महाकुंभ में देशभर के खिलाड़ियों ने अपने खेल कौशल, रणनीति और धैर्य का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।प्रतियोगिता के दोनों चरणों को मिलाकर कुल 668 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। पहले सत्र में 272 तथा दूसरे सत्र में 396 खिलाड़ियों ने भाग लेकर प्रतियोगिता को यादगार बना दिया। प्रतियोगिता का दूसरा चरण विशेष रूप से 1800 से कम फाइड रेटिंग (अंडर-1800) खिलाड़ियों के लिए आयोजित किया गया था, जिससे युवा और उभरते खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का बड़ा अवसर मिला। रविवार को नौवें राउंड की समाप्ति के बाद दोपहर करीब 1:30 बजे आयोजित समापन समारोह में बार एसोसिएशन के सचिव सुमन कुमार सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम निदेशक करण जायसवाल, संघ अध्यक्ष विजय कुमार सिंह, सचिव मनमीत अकेला एवं आयोजन समिति के सदस्यों ने विजेता खिलाड़ियों के बीच ट्रॉफी एवं नकद पुरस्कार वितरित किए।
प्रतियोगिता में झारखंड के अभिनव सिंह ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए 8 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। उन्हें 50,000 नकद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। एआईएम मनदीप मुखी ने 7 अंकों के साथ द्वितीय स्थान प्राप्त कर 27,000 का पुरस्कार जीता, जबकि पश्चिम बंगाल के संजीब माली ने तृतीय स्थान प्राप्त करते हुए 15,000 नकद पुरस्कार हासिल किया।
प्रतियोगिता में कुल 37 कैश प्राइज निर्धारित किए गए थे। मुख्य अतिथि सुमन कुमार सिंह ने कहा कि हजारीबाग में राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतियोगिता का सफल आयोजन पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है।ऐसे आयोजन युवाओं को बौद्धिक रूप से मजबूत बनाने के साथ-साथसकारात्मक प्रतिस्पर्धा की प्रेरणा देते हैं।
कार्यक्रम निदेशक करण जायसवाल ने कहा कि हजारीबाग में इतने बड़े स्तर पर फाइड रेटिंग शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन होना ऐतिहासिक उपलब्धि है खिलाड़ियों और अभिभावकों के उत्साह ने आयोजन को नई पहचान दी है। आने वाले समय में और भी बड़े स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। प्रतियोगिता के सफल संचालन में मुख्य निर्णायक विशाल मिंज सहित निर्णायक मंडल एवं आयोजन समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पेलावल क्रिकेट टूर्नामेंट का रोमांचक समापन

टेकठा-11 बनी चैंपियन, नशा उन्मूलन और युवाओं को खेल से जोड़ने का दिया संदेश

बिभा संवाददाता

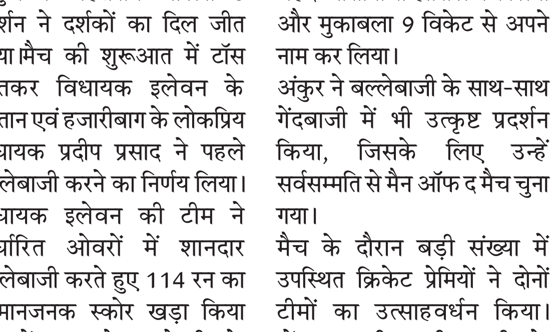

हजारीबाग : जिले के कटकमसांडी प्रखंड अंतर्गत पेलावल उत्तरी पंचायत स्थित पेलावल क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित पेलावल क्रिकेट टूनामेंट का भव्य समापन शनिवार देर रात रोमांचक फाइनल मुकाबले के साथ हुआ। फ्लड लाइट की जगमगाती रोशनी में खेले गए इस टी-10 नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में दर्शकों ने क्रिकेट का भरपूर आनंद उठाया। टेनिस बॉल से खेले गए इस टूर्नामेंट में कुल 32 टीमों ने हिस्सा लिया और सभी मुकाबले नॉकआउट आधार पर खेले गए।टूर्नामेंट का पहला सेमीफाइनल मुकाबला आइजल-11 कब्रिस्तान रोड पेलावल और ग्लोबल फाइटर खीरगांव के बीच खेला गया, जिसमें आइजल-11 ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई। वहीं दूसरे सेमीफाइनल में टेकठा-11 ने अक्श-11 को पराजित कर फाइनल का टिकट हासिल किया।फाइनल मुकाबला टेकठा-11 और आइजल-11 के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आइजल-11 की टीम ने निर्धारित 10 ओवरों में 67 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टेकठा-11 की टीम ने मात्र एक विकेट खोकर शानदार जीत दर्ज करते हुए 9 विकेट से मैच अपने नाम कर लिया और टूर्नामेंट की विजेता बनी।
टूर्नामेंट के सफल आयोजन में भावी जिला परिषद प्रत्याशी अबुलैश हाशमी, पेलावल के सदर मोहम्मद मुमताज उर्फ बाबा, पेलावल दक्षिणी पंचायत के भावी मुखिया प्रत्याशी हैदर अली, पंचायत समिति सदस्य सलाउद्दीन उर्फ बबलू, पेलावल उत्तरी पंचायत समिति सदस्य मोहम्मद साबिर, समाजसेवी एजाज अहमद, इमरान खान, फिरदौस, मोहम्मद शाहिद, शंभू ज्वेलर्स, पप्पू, बबलू (झारखंड होटल), अप्पू, साबिर फर्नीचर, टिंकू खान, तबारक अली, मोहम्मद माजीद एवं मोइन खान ने अहम भूमिका निभाई।
कार्यक्रम में उद्घोषक की भूमिका मोहम्मद मासूम और शरीफ उल्लाह गुड्डू ने निभाई, जबकि अंपायरिंग की जिम्मेदारी अप्पू और गुड्डू ने बखूबी संभाली। फाइनल मुकाबले की विजेता टीम टेकठा-11 को 40,000 नगद राशि एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया, जबकि उपविजेता टीम आइजल-11 को 21,000 एवं ट्रॉफी प्रदान की गई। इसके अलावा मैन ऑफ द मैच, मैन ऑफ द सीरीज सहित सभी खिलाड़ियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।

श्रीराम भारत गैस एजेंसी द्वारा गांव-गांव में चलाया जा रहा ई केवाईसी को लेकर जागरूकता अभियान

बिभा संवाददाता

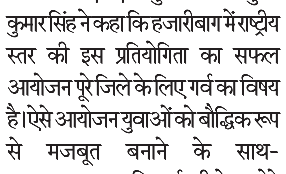

लातेहार/चंदवा। एलपीजी गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी कराने की अंतिम तिथि 31 जून 2026 निर्धारित की गई है। इसे लेकर चंदवा स्थित भारत गैस की श्रीराम भारत गैस एजेंसी द्वारा क्षेत्र के विभिन्न गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। एजेंसी के प्रतिनिधि गांव-गांव जाकर लोगों को ई-केवाईसी की अनिवार्यता की जानकारी दे रहे हैं और समय रहते प्रक्रिया पूरी कराने की अपील कर रहे हैं। जमीरा पंचायत अंतर्गत रोल गांव में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
गैस एजेंसी के संचालक अमित कुमार ने बताया कि सरकार के निर्देशानुसार सभी गैस उपभोक्ताओं के लिए ई-केवाईसी अनिवार्य कर दिया गया है। निर्धारित समय सीमा तक ई-केवाईसी नहीं कराने वाले उपभोक्ताओं का गैस कनेक्शन बंद होने की संभावना है। साथ ही उन्हें मिलने वाली गैस सब्सिडी भी रोकी जा सकती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के कई उपभोक्ताओं को अब तक इसकी पूरी जानकारी नहीं मिल पाई है। इसी को ध्यान में रखते हुए एजेंसी विशेष अभियान चलाकर लोगों को जागरूक कर रही है, ताकि अंतिम तिथि से पहले सभी उपभोक्ता प्रक्रिया पूरी कर सकें। अमित कुमार ने बताया कि उपभोक्ता गैस वितरण वाहन के माध्यम से भी ई-केवाईसी करा सकते हैं। इसके अलावा गैस एजेंसी कार्यालय पहुंचकर आधार कार्ड और उपभोक्ता संख्या के जरिए प्रक्रिया पूरी की जा सकती है।

इबोला का नया वैश्विक खतरा- कोरोना के बाद दुनियाँ फिर एक भयावह स्वास्थ्य संकट की दहलीज पर?

किशन सनमुखदास भावनानी

फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

डब्ल्यूएचओ ने पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित किया -भारत-अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन 28 से 31 मई,2026 स्थगित-समग्र व्यापक विश्लेषण...

इबोला- दुनियाँ में भय का पर्याय-संक्रमण की बढ़ती रफ्तार, बड़े शहरों तक पहुंचना, अंतरराष्ट्रीय स्तरपर गंभीर चिंता का विषय व संभावित वैश्विक चुनौती...

दुनियाँ नें इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, वर्तमान स्ट्रेन के लिए कोई स्वीकृत वैक्सीन व सुनिश्चित उपचार उपलब्ध नहीं, संक्रमण को नियंत्रित करना वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए बड़ी चुनौती...

वैश्विक स्तरपर कोरोना महामारी के भयावह दौर को दुनियाँ अभी पूरी तरह भूल भी नहीं पाई थी कि एक बार फिर मानव सभ्यता के सामने एक नए वैश्विक स्वास्थ्य संकट की आशंका गहराने लगी है। इस बार खतरे का नाम है,इबोला वायरस।अफ्रीका के डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) और युगांडा में तेजी से फैल रहे इबोला संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों, वैज्ञानिकों और सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए वर्ल्ड हेल्थ आगेर्नाइजेशन ने 17 मई 2026 को इसे पब्लिक हेल्थ इमरजेंसी ऑफ इंटरनेशनल कंसर्न घोषित कर दिया। भारत ने भी अफ्रीका के कुछ हिस्सों में इबोला वायरस के बढ़ते प्रकोप और गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए भारत सरकार और अफ्रीकी संघ ने चौथे भारत- अफ्रीका फोरम शिखर सम्मेलन को स्थगित कर दिया है।यह सम्मेलन 28 से 31 मई, 2026 तक नई दिल्ली में आयोजित होने वाला थायह वही श्रेणी है जिसे वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली में सबसे उच्च चेतावनी स्तरों में माना जाता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि दुनियाँ की चिंता केवल संक्रमण के फैलाव को लेकर नहीं है,बल्कि इस बार सामने आए इबोला के दुर्लभ बुंडीबुग्यो स्ट्रेन को लेकर है, जिसके लिए अभी तक कोई स्वीकृत वैक्सीन या प्रभावी उपचार उपलब्ध नहीं है। यही कारण है कि वैज्ञानिक समुदाय इसे केवल एक क्षेत्रीय बीमारी नहीं, बल्कि संभावित वैश्विक चुनौती के रूप में देख रहा है।डब्ल्यूएचओ प्रेसिडेंट ने चेतावनी देते हुए कहा कि कांगो और युगांडा में संक्रमण की बढ़ती रफ्तार तथा इसका बड़े शहरों तक पहुंचना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर चिंता का विषय है। विशेष रूप से युगांडा की राजधानी कम्पाला जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्रों में संदिग्ध मामलों की उपस्थिति ने इस संकट को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि डब्ल्यूएचओ ने स्पष्ट किया है कि यह स्थिति अभी महामारी अर्थात पेंडेमिक की श्रेणी में नहीं पहुंची है, लेकिन संक्रमण की प्रकृति और इसकी उच्च मृत्यु दर को देखते हुए वैश्विक स्तर पर अलर्ट जारी किया गया है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने यह अनुभव किया था कि यदि किसी संक्रमण को शुरूआती चरण में नियंत्रित नहीं किया जाए तो वह कुछ ही महीनों में संपूर्ण विश्व को अपनी चपेट में ले सकता है। यही कारण है कि इस बार अंतरराष्ट्रीय समुदाय अधिक सटीकता से सतर्क दिखाई दे रहा है।

साथियों बात अगर हम इबोला वायरस को समझने की करें तो कोई नया वायरस नहीं है,लेकिन इसका नाम आज भी दुनिया में भय का पर्याय माना जाता हैवैज्ञानिक रूप से इसे इबोला ऑर्थोएबोलावायरस कहा जाता है। इसकी पहचान पहली बार वर्ष 1976 में अफ्रीका के जैरे, जिसे आज

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो कहा जाता है, और सूडान में हुई थी। उस समय यह बीमारी अत्यधिक घातक साबित हुई थी और बड़ी संख्या में लोगों की मौत हुई थी। बाद के वर्षों में भी अफ्रीका के कई देशों में इसके छोटे-बड़े प्रकोप सामने आए, लेकिन वर्ष 2014-16 में पश्चिमी अफ्रीका में फैले इबोला संकट ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया था। उस महामारी में हजारों लोगों की मौत हुई और अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य ढांचे की कमजोरियां उजागर हो गई थीं। वर्तमान में फैला बुंडीबुग्यो स्ट्रेन उसी वायरस का एक दुर्लभ रूप है, जो पहले की तुलना में कम ज्ञात है और जिसके उपचार संबंधी संसाधन गंभीरता से बेहद सीमित हैं।

साथियों विशेषज्ञों के अनुसार इबोला वायरस मुख्य रूप से संक्रमित जंगली जानवरों से इंसानों में पहुंचता है। विशेष रूप से फ्रूट बैट यानी चमगादड़ों को इसका प्राकृतिक वाहक माना जाता है। इसके बाद यह वायरस संक्रमित व्यक्ति के शारीरिक तरल पदार्थों जैसे खून, उल्टी, लार, पसीना, वीर्य या मल,के संपर्क में आने से दूसरे लोगों तक फैलता है। यह वायरस हवा के माध्यम से नहीं फैलता, लेकिन संक्रमित व्यक्ति की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य, स्वास्थ्यकर्मी और अंतिम संस्कार से जुड़े लोग सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यही कारण है कि अफ्रीका के कई ग्रामीण इलाकों में पारंपरिक अंतिम संस्कार प्रथाएं संक्रमण फैलने का प्रमुख कारण बन जाती हैं। दूषित सुई, संक्रमित मेडिकल उपकरण और संक्रमित जंगली जानवरों के मांस के सेवन से भी संक्रमण का खतरा बहुत तेजी के साथ बढ़ जाता है।

साथियों इबोला के लक्षण अत्यंत गंभीर और भयावह हो सकते हैं। वायरस के संपर्क में आने के 2 से 21 दिनों के भीतर अचानक तेज बुखार, गंभीर सिरदर्द, अत्यधिक कमजोरी और मांसपेशियों में दर्द जैसे लक्षण दिखाई देने लगते हैं। इसके बाद स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। मरीज को उल्टी, दस्त, पेट दर्द, त्वचा पर चकत्ते और लीवर-किडनी संबंधी समस्याएं होने लगती हैं। गंभीर मामलों में शरीर के अंदरूनी अंगों में रक्तस्राव शुरू हो जाता है तथा मुंह, नाक और मसूड़ों से खून आने लगता है। यही कारण है कि इसे दुनिया के सबसे घातक वायरसों में गिना जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विभिन्न स्ट्रेनों में इसकी मृत्यु दर 30 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक देखी गई है। वर्तमान बुंडीबुग्यो स्ट्रेन में भी मृत्यु दर 30 से 50 प्रतिशत के बीच आंकी जा रही है, जो इसे अत्यंत खतरनाक बनाती है।वर्तमान प्रकोप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि इस बार संक्रमण उन क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा जहां स्वास्थ्य ढांचा मजबूत निगरानी रख सकता था। कांगो और युगांडा में सैकड़ों संदिग्ध मामले सामने आए हैं और 130 से अधिक मौतों की पुष्टि हो चुकी है। विशेषज्ञों का मानना है कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, क्योंकि अफ्रीका के कई दूरदराज इलाकों में मेडिकल रिपोर्टिंग और परीक्षण व्यवस्था अभी भी सीमित है। बड़े शहरों और अंतरराष्ट्रीय यात्रा नेटवर्क से जुड़े क्षेत्रों तक संक्रमण पहुंचना पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय बन गया है। यदि यह वायरस सीमा पार व्यापक रूप से फैलता है तो अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य व्यवस्था पर भारी दबाव पड़ सकता है।

साथियों विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस संकट को लेकर वैश्विक सहयोग और त्वरित निगरानी की आवश्यकता पर जोर दिया है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडहानोम घेब्रेयेसस ने कहा कि दुनिया को इस खतरे को गंभीरता से लेना होगा, क्योंकि वर्तमान स्ट्रेन के लिए न तो कोई स्वीकृत वैक्सीन उपलब्ध है और न ही कोई सुनिश्चित उपचार। हालांकि कुछ प्रायोगिक दवाओं और वैक्सीन पर शोध चल रहा है, लेकिन अभी वे व्यापक उपयोग के लिए उपलब्ध नहीं हैं। यह स्थिति कोरोना महामारी के शुरूआती दौर की याद दिलाती है, जब पूरी दुनिया इलाज और वैक्सीन की खोज में जुटी हुई थी। वैज्ञानिक समुदाय का मानना है कि यदि संक्रमण को अभी नियंत्रित नहीं किया गया तो यह वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़ी सटीक चुनौती बन सकता है।

साथियों, भारत भी इस वैश्विक खतरे को लेकर पूरी तरह सतर्क हो गया है। 21 मई 2026 को भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय और नागरिक उड्डयन अधिकारियों ने एक विस्तृत एडवाइजरी जारी की। इसके तहत कांगो, युगांडा और दक्षिण सूडान जैसे प्रभावित देशों से आने वाले यात्रियों की एयरपोर्ट पर विशेष स्क्रीनिंग शुरू कर दी गई है। दिल्ली सहित देश के प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर मेडिकल टीमों को अलर्ट पर रखा गया है। यात्रियों की यात्रा इतिहास की जांच की जा रही है तथा बुखार, उल्टी, मांसपेशियों में दर्द या ब्लीडिंग जैसे लक्षण पाए जाने पर तुरंत स्वास्थ्य डेस्क को सूचित करना अनिवार्य किया गया है। सरकार ने यह भी निर्देश दिया है कि प्रभावित देशों से आने वाले लोग यदि 21 दिनों के भीतर किसी भी प्रकार के लक्षण महसूस करें तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें और डॉक्टरों को अपनी यात्रा का पूरा विवरण दें।

साथियों, भारत सरकार की ओर से केंद्रीय स्वास्थ्यसचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक भीआयोजित की गई, जिसमें सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों को तैयार रहने के निर्देश दिए गए। अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड, लैब टेस्टिंग सुविधाओं और आपातकालीन चिकित्सा प्रबंधन की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि 22 मई 2026 की रात तक भारत में इबोला का कोई मामला सामने नहीं आया है और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। इसके बावजूद सरकार किसी भी प्रकार की लापरवाही के पक्ष में नहीं है। कोरोना महामारी के अनुभव ने भारत सहित दुनिया को यह सिखाया है कि वैश्विक संक्रमणों के मामले में शुरूआती सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव होती हैवैश्विक स्तर पर इबोला का यह नया संकट केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं है, बल्कि यह सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक प्रभाव भी पैदा कर सकता है। कोरोना महामारी के दौरान दुनिया ने देखा था कि किस प्रकार एक वायरस ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को ठप कर दिया,करोड़ों लोगों की नौकरियां चली गई और स्वास्थ्यप्रणालियां चरमरा गईं। यदि इबोला का वर्तमान प्रकोप अनियंत्रित होता है तो अफ्रीका के कई देशों में मानवीय संकट गहरा सकता है। वहां पहले से मौजूद गरीबी, कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं, राजनीतिक अस्थिरता और सीमित संसाधन इस चुनौती को और गंभीर बना सकते हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए यह समय प्रतिस्पर्धा का नहीं, बल्कि सहयोग का है।

साथियों, विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि जलवायु परिवर्तन जंगलों की कटाई और मानव गतिविधियों का विस्तार ऐसे वायरसों के उभरने की संभावना बढ़ा रहा है। जब इंसान जंगली क्षेत्रों में अधिक हस्तक्षेप करता है तो वन्यजीवों से इंसानों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है। कोरोना, निपाह, सार्स और अब इबोला जैसे वायरस इसी व्यापक पारिस्थितिक असंतुलन की ओर संकेत करते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि भविष्य की महामारियों को रोकने के लिए केवल चिकित्सा समाधान पर्याप्त नहीं होंगे, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और वन्यजीव संतुलन पर भी गंभीरता से काम करना होगा।अभी पूरी दुनिया के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह कोरोना महामारी से मिले सबक को कितनी गंभीरता से लागू करती है। इबोला का यह प्रकोप अभी सीमित क्षेत्रों में है, लेकिन इसकी घातक प्रकृति इसे अत्यंत संवेदनशील बना देती है। वैश्विक स्वास्थ्य एजेंसियों, सरकारों और वैज्ञानिक समुदाय के बीच समन्वय,त्वरितनिगरानी सीमाओं पर सतर्कता और जनता में जागरूकता ही इस संकट को नियंत्रित करने का सबसे प्रभावी तरीका हो सकता है। अफवाहों और भय के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों और सावधानियों पर आधारित दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि फिलहाल भारत में स्थिति नियंत्रण में है और किसी भी संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन दुनिया के परस्पर जुड़े होने के इस दौर में कोई भी देश पूरी तरह अलग-थलग नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत सहित सभी देशों को सतर्कता,निगरानी और स्वास्थ्य तैयारियों को मजबूत बनाए रखना होगा। इबोला का वर्तमान संकट एक बार फिर यह याद दिला रहा है कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा केवल किसी एक देश की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है।

संपादकीय

क्या भारत प्रमुख अर्थव्यवस्था है?

प्रख्यात अर्थशास्त्री सुरजीत भल्ला प्रधानमंत्री मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में कार्यकारी निदेशक के पद पर काम कर चुके हैं, लिहाजा उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था के जिन संकेतकों की व्याख्या की है, वे महज सरकार की आलोचना नहीं हैं, बल्कि बेहद गंभीर सवाल भी हैं। उन्होंने इस विरोधाभास को उठाया है कि भाजपा अपनी राजनीति के 'चरमोत्कर्ष' पर है। यकीनन बंगाल की चुनावी जीत ऐतिहासिक है, लेकिन अर्थव्यवस्था के मामले में वह हार रही है। देश की अर्थव्यवस्था कमजोर और निम्न है। इसकी गारंटी नहीं दी जा सकती कि यह 'निम्नतम' श्रेणी में नहीं जाएगी। अर्थशास्त्री भल्ला के अनुसार, जीडीपी वृद्धि के लिहाज से भारत 9वें स्थान पर है। प्रति व्यक्ति जीडीपी विकास में 8वें स्थान पर है और डॉलर में प्रति व्यक्ति विकास के संदर्भ में 16वें स्थान पर है। बांग्लादेश 8.3 फीसदी सालाना प्रति व्यक्ति विकास में प्रथम स्थान पर है। इथियोपिया जैसा युद्धरत और धूप से जले हुए चेहरों का देश 7.2 फीसदी जीडीपी वृद्धि के साथ दूसरे स्थान पर है। अमरीकी डॉलर में भारत का प्रति व्यक्ति विकास 4.7 फीसदी है और देश 16वें स्थान पर है। डॉ. भल्ला के इस डाटा के आधार पर सवाल सहज है कि भारत एक 'प्रमुख अर्थव्यवस्था' है अथवा आज भी 'नाजुक अर्थव्यवस्था' वाली श्रेणी में है? प्रख्यात अर्थशास्त्री की बुनियादी चिंता निजी-विदेशी निवेश (औसतन 32 फीसदी) और बीते सात सालों से 'रुपए' के लगातार अवमूल्यन को लेकर है। निर्यात भी बहुत कम हो गया है। दूसरा विश्लेषण प्रो. संतोष मेहरोत्रा का है। वह भी अंतरराष्ट्रीय ख्याति के 'विकासवादी अर्थशास्त्री' हैं। 2009-14 के दौरान वह योजना आयोग में 'अनुप्रयुक्त मानव संसाधन अनुसंधान संस्थान' के महानिदेशक (भारत सरकार में सचिव पद के समकक्ष) रहे। आज भी ब्रिटेन, मॉस्को समेत कुछ विश्वविद्यालयों में अर्थशास्त्र के विजिटिंग प्रोफेसर हैं। प्रो. मेहरोत्रा ने शोधात्मक विश्लेषण किया है कि भारत में करीब 12.10 करोड़ युवा न तो पढ़ रहे हैं और न ही काम कर रहे हैं। उनमें से करीब 8 करोड़ युवा अपना रोजगार 'कृषि' बताते हैं, जो उनका पुश्तैनी काम होगा। इतना व्यापक, युवा श्रम बेकार जा रहा है, क्योंकि वे बेरोजगार हैं। यह देश के लिए शर्मनाक और विडंबनापूर्ण स्थिति है। प्रो. मेहरोत्रा के मुताबिक, 2012-25 के दौरान बेरोजगारी दर 'तिगुनी' बढ़ चुकी है। सरकार कुछ भी दावे करती रहे। खुदरा महंगाई दर भी 5 फीसदी को पार कर चुकी है और अभी महंगाई तेजी से बढ़ेगी। यह देश की व्यवस्था की विडंबना है कि मौजूदा दौर में कामगार या दिहाड़ीदार अथवा स्वरोजगार में लगे लोगों की आमदनी नहीं बढ़ सकी है, तो ये तबके महंगाई का सामना कैसे कर पाएंगे? दरअसल अर्थव्यवस्था संबंधी विरोधाभास यह भी है कि प्रधानमंत्री मोदी अभी पांच देशों के प्रवास से लौटे हैं। इस दौरान भारत के साथ 57 करार किए गए हैं। प्रधानमंत्री 50 से अधिक वैश्विक सीईओ से भी मिले। आज यूरोपीय संघ के केंद्र में भारतीय बाजार और अर्थव्यवस्था है। इसका सबसे बढिया उदाहरण है कि जनवरी, 2026 में भारत और यूरोपीय संघ में 'मुक्त व्यापार समझौता' किया गया। हस्ताक्षर भी किए गए। शीत युद्ध के कालखंड में ऐसा रुख नहीं था। पश्चिम के साथ भारत के अंतरंग, रणनीतिक, मधुर संबंध नहीं थे, क्योंकि हम तत्कालीन सोवियत संघ की रक्षा और आर्थिक नीतियों के अनुसार ही निर्णय लेते थे। आज भारत का निर्यात बाजार और यूरोप के साथ पूंजी, विकसित प्रौद्योगिकी, ग्रीन ऊर्जा, एआई, सेमीकंडक्टर चिप्स, रक्षा, बुनियादी ढांचे, सांस्कृतिक, खुफिया सूचनाओं के आदान-प्रदान, निवेश आदि क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारियों ने भारत को 'धुरी' बना दिया है। यदि यूरोपीय देशों ने भारत के साथ इतने करार किए हैं, तो भारत आर्थिक रूप से सक्षम होगा और एक विशालतम बाजार होगा! आज फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड जैसे देश और नॉर्डिक देश भी भारत के साथ अंतरंग और गहरे रणनीतिक संबंध बना रहे हैं, तो यह भारत की चौतरफा ताकत है।

तपती धरती आग उगलता आसमान झुलसता जनजीवन

मनोज कुमार अग्रवाल

देश तप रहा है उत्तर प्रदेश के बांदा और महाराष्ट्र के वर्धा दोनों ही शहरों में भीषण गर्मी का रिकार्ड बनाया है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, बांदा में अधिकतम तापमान 48.2त्उ तक दर्ज किया गया, जो देश में सबसे अधिक है, जबकि वर्धा में भी पारा 47.1त्उ के उच्च स्तर पर पहुंच गया है।बांदा और वर्धा में गर्मी की स्थितिःबांदा (उत्तर प्रदेश) हाल ही में बांदा में तापमान 48त्उ के पार पहुंच गया, जिससे यह क्षेत्र भारत और एशिया के सबसे गर्म स्थानों में शामिल हो गया है।वर्धा (महाराष्ट्र) विदर्भ क्षेत्र में स्थित वर्धा शहर भी इस भीषण लू की चपेट में है, जहां तापमान 47.1त्उ तक पहुंच गया है इससे पहले राजनांदगांव काा तापमान रिकार्ड बना चुका है लगता है देर-सवेर देश के सभी शहर कस्बे ऐसा ही रिकार्ड बनाएंगे मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, रेगिस्तानी और पश्चिमोत्तर इलाकों से आ रही गर्म हवाओं (लू) और आसमान साफ होने के कारण धूप की प्रचंडता से इन क्षेत्रों में तापमान लगातार बढ़ रहा है। देश इस समय ऐसी भीषण गर्मी से गुजर रहा है, जिसने सामान्य जनजीवन को हिला दिया है। जब दुनिया के 50 सबसे गर्म शहरों की सूची में सभी शहर भारत के ही दर्ज हों, तो यह केवल चौंकाने वाली खबर नहीं, बल्कि गंभीर चिंता का विषय है। ओडिशा के बलांगीर में 45 डिग्री सेल्सियस तापमान, महाराष्ट्र राष्ट्र के चंद्रपुर और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 44 डिग्री सेल्सियस, तथा उत्तर भारत और मध्य भारत के कई शहरों में 42 से 43 डिग्री सेल्सियस तापमान यह बताने के लिए काफी है कि गर्मी अय सामान्य मौसमी बदलाव से आगे बढ़कर जनजीवन के लिए खतरा बन चुकी है। अगर देखा जाए, यह केवल मौसम की सामान्य मार नहीं है, बल्कि एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का संकेत है। जब किसी देश के कई शहर दुनिया के सबसे गर्म स्थानों की सूची में शामिल हो जाएं, तब यह समझना जरूरी हो जाता है कि समस्या केवल तापमान की नहीं, बल्कि तैयारी, जागरूकता और व्यवस्था की भी है। भारत में गर्मी कोई नई बात नहीं है। हर साल अप्रैल, मई और जून में लू चलती है, खेत सूखते हैं, सड़कें तपती हैं और लोग छांव की तलाश करते हैं। लेकिन इस बार गर्मी का स्वरूप ज्यादा तीखा, व्यापक और खतरनाक दिखाई दे रहा है। उत्तर भारत, मध्य भारत, पश्चिम भारत और पूर्वी भारत के कई हिस्सों में तापमान लगातार ऊंचा बना हुआ है। उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना जैसे राज्यों में भीषण गर्मी ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। गर्मी और लू को लंबे समय तक केवल मौसम की परेशानी समझा जाता रहा है, लेकिन आज यह सोच बदलने की जरूरत है। लू शरीर पर सीधा हमला करती रती है। है। चकर आना, कमजोरी, तेज प्यास, घबराहट, सिरदर्द, पेट दर्द, बेहोशी और शरीर का तापमान बढ़ना इसके शुरूआती संकेत हो सकते हैं। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए तो यही स्थिति हीट स्ट्रोक में बदल सकती है, जो जानलेवा साबित हो सकत्ती है। सबसे अधिक खतरा बच्चों, बुजुगों, गर्भवती महिलाओं, पहले से बीमार लोगों, मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिकों और सड़क पर काम करने वाले कर्मचारियों को होता है। ये लोग अक्सर मजबूरी में तपती धूप में काम करते हैं। इनके पास न तो पर्याप्त छांव होती है, न ठंडा पानी और न आराम की सुविधा। ऐसे में केवल सलाह देना पर्याप्त नहीं है, इनके लिए स्थानीय स्तर पर ठोस व्यवस्था भी जरूरी है। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से से एडवाइ एडवाइजरी जारी की जा रही है। अस्पतालों में हीटस्ट्रोक कक्ष, ओआरएस, इलेक्ट्रोलाइट्स, आइस पैक, ठंडे तरल पदार्थ और प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की व्यवस्था की जा रही है। यह स्वागत योग्य कदम है। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये तैयारियां केवल कागजों तक सीमित रहेंगी या जमीन पर भी दिखाई देंगी? हर जिला अस्पताल, उप-जिला अस्पताल और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के इलाज की स्पष्ट व्यवस्था होनी चाहिए। एंबुलेंस कर्मियों को भी हीट स्ट्रोक की स्थिति में तत्काल राहत राहत देने का प्रशिक्षण मिलना चाहिए। स्थानीय प्रशासन को वाजारों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, श्रमिक क्षेत्रों, निर्माण स्थलों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पेयजल की व्यवस्था करनी चाहिए। सार्वजनिक स्थानों पर अस्थायी छांव, पानी के टैंकर और प्राथमिक उपचार केंद्र बनाए जा सकते हैं। स्कूलों, खेल आयोजनों और सामूहिक कार्यक्रमों के समय में बदलाव जरूरी है। इस भीषण गर्मी को केवल मौसमी घटना मानकर भूल जाना बड़ी भूल होगी। लगातार बढ़ता तापमान, शहरी इलाकों में कंक्रीट का फैलाव, पेड़ों की कटाई, जल स्त्रोतों का सिकुड़ना और प्रदूषण ये सभी मिलकर गर्मी को और घातक बना रहे हैं। शहरों में गर्मी गांवों की तुलना में अधिक महसूस होती है, क्योंकि वहां कंक्रीट, डामर और बंद स्थान तापमान को और बढ़ा देते हैं। इसे शहरी ताप द्वीप प्रभाव कहा जाता है। यदि शहरों में हरियाली नहीं बढ़ाई गई, जल संरक्षण नहीं किया गया और अनियोजित निर्माण पर नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आने वाले वर्षों में गर्मी और भी भयावह रूप ले सकती है। हमें सड़क चौड़ी करने से पहले पेड़ों के महत्व को समझना होगा। विकास का अर्थ केवल इमारतें और पलाईओवर नहीं है, बल्कि रहने योग्य शहर भी है। देश में 25 मई से नौतपा शुरू होने जा रहा है। परंपरागत रूप से नौतपा को साल के सबसे गर्म दिनों में माना जाता है। इस दौरान सूर्य की तपिश और लू का असर बढ़ जाता है। इस बार नौतपा से पहले ही कई राज्यों में गर्मी असहनीय हो चुकी है। ऐसे में आने वाले दिनों के लिए सावधानी और भी जरूरी हो जाती है। नौतपा को केवल धार्मिक या परंपरागत दृष्टि से देखने के बजाय स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन के नजरिए से भी समझना चाहिए। प्रशासन को इस अवधि में विशेष निगरानी रखनी चाहिए। अस्पतालों को तैयारी, पानी की व्यवस्था, बिजली आपूर्ति और अग्नि सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। बढ़ती गर्मी के कारण बिजली उपकरणों पर दवाव बढ़ता है, जिससे अस्पतालों और सार्वजनिक भवनों में आग का खतरा भी बढ़ सकता है।

यहां आपको बता दें कि हाल ही में लीड्स विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने एक महत्वपूर्ण शोध किया है, जो जलवायु परिवर्तन के बारे में हमारी समझ को और गहरा करता है। अर्थ फ्यूचर नामक पत्रिका में प्रकाशित इस शोध में बताया गया है कि जैसे-जैसे पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है, वैसे-वैसे पर्माफ्रॉस्ट (जमी हुई मिट्टी) पिघल रही है। यह पिघलना केवल एक सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि इससे वातावरण में खतरनाक गैसों का उत्सर्जन तेजी से बढ़ सकता है।

पर्माफ्रॉस्ट वह मिट्टी होती है जो कई वर्षों तक जमी रहती है। यह मुख्य रूप से आर्कटिक क्षेत्रों में पाई जाती है। इस मिट्टी के अंदर बहुत बड़ी मात्रा में कार्बन और अन्य गैसें फंसी रहती हैं। जब यह मिट्टी जमी रहती है, तब ये गैसें बाहर नहीं निकल पातीं। इसलिए पर्माफ्रॉस्ट को जलवायु परिवर्तन के खिलाफ एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच माना जाता है।

गर्मी से बचाव के उपाय कठिन नहीं हैं, लेकिन उन्हें गंभीरता से अपनाना जरूरी है। लोगों को बार-बार पानी पीना चाहिए, भले ही प्यास न लगी हो। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनने चाहिए। सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकना चाहिए। खाली पेट धूप में बाहर नहीं निकलना चाहिए। शराब, बहुत अधिक चाय-कॉफी और अत्यधिक तले-भुने भोजन से बचना चाहिए। घर से बाहर निकलते समय पानी की बोतल जरूर रखनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति को चकर आए, तेज कमजोरी महसूस हो, शरीर गर्म हो जाए या बेहोशी जैसी स्थिति दिखे तो उसे तुरंत छांच या ठंडी जगह पर ले जाना चाहिए। कपड़ों को डीला करना चाहिए, शरीर पर ठंडा पानी डालना चाहिए और तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी चाहिए। भीषण गर्मी अब केवल असुविधा नहीं, जीवन और मृत्यु का प्रश्न बनती जा रही है। सरकार, प्रशासन, समाज और नागरिक सभी को अपनी भूमिका निभानी होगी। मौसम विभाग की चेतावनी को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। हर परिवार को अपने चच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। हर मोहल्ले, पंचायत और वार्ड स्तर पर जागरूकता अभियान चलना चाहिए। गर्मी की यह मार हमें एक बड़ा संदेश दे रही है। प्रकृति के साथ खिलवाड़, शहरों का अनियोजित विस्तार और पर्यावरण की उपेक्षा अब सीधे हमारे स्वास्थ्य पर असर डाल रही है। आज जरूरत है कि हम केवल गर्मी से बचने की तैयारी न करें, बल्कि भविष्य को ठंडा और सुरक्षित बनाने की दिशा में भी गंभीर कदम उठाएं, क्योंकि यदि आज हमने चेतावनी नहीं समझी, तो आने वाला समय और भी अधिक तपिश लेकर आएगा।इसलिए सिर्फ जागरूकता और बचाव ही जीवन रक्षक हैं।

लकीर के फकीर

जंगल में चराई के बाद किसी बछड़े को गांव की गौशाला तक लौटना था। नन्हा बछड़ा था तो अबोध ही, वह चट्टानों, मिट्टी के टीलों, और ढलानों पर से उछलता-कूदता हुआ अपने गंतव्य तक पहुंचने में सफल हो गया।

अगले दिन एक कुत्ते ने भी गांव तक पहुंचने के लिए उसी रास्ते का इस्तेमाल किया।

उसके अगले दिन एक भेड़ उस रास्ते पर चल पड़ी। एक भेड़ के पीछे अनेक भेड़ चल पडीं। भेड़ जो ठहरीं!

उस रास्ते पर चलाफिरी के निशान देखकर लोगों ने भी उसका इस्तेमाल शुरू कर दिया। ऊंची-नीची पथरीली जमीन पर आते-जाते समय वे-पथ की दुरूहता को कोसते रहते, पथ था ही ऐसा! लेकिन किसी ने भी सरल-सुगम पथ की खोज के लिए प्रयास नहीं किए।

समय बीतने के साथ वह पगडंडी उस गाव तक पहुंचने का मुख्य मार्ग बन गई। जिस पर बेचारे पशु बमुश्किल गाड़ी खींचते रहते। उस कठिन पथ के स्थान पर कोई सुगम पथ होता तो लोगों को यात्रा में न केवल समय की बचत होती वरन वे सुरक्षित भी रहते।

कालांतर में वह गांव एक नगर बन गया और पथ राजमार्ग बन गया। उस पथ की समस्याओं पर चर्चा करते रहने के अतिरिक किसी ने कभी कुछ नहीं किया। बूढ़ा जंगल यह सब बहुत लंबे समय से देख रहा था। वह बरबस मुस्कुराता और यह सोचता रहता कि मनुष्य हमेशा ही सामने खुले पड़े विकल्प को मजबूती से जकड़ लेते हैं और यह विचार नहीं करते कि कहीं कुछ उससे बेहतर भी किया जा सकता है।

धर्म को पहले स्वयं जीवन में उतारें

हमें यह धर्मरूपी आसक्ति का चश्मा दर किनार करके सभी धर्मों को एक ही नजरिए से देखने की जरूरत है, तभी हम सभी धर्मों की अच्छाई को ग्रहण करके सभी में एक सी समानता और उनकी शिक्षाओं को पहले खुद ग्रहण करने का नजरिया रखेंगे, तभी भेदभाव की दीवार स्वयं ही ढह जाएगी।

अक्सर हम यही देखते हैं कि जब हम किसी अन्ध मान्यता, अन्ध भावावेश अथवा बौद्धिक तर्कजाल को धर्म मानने की भूल करने लगते हैं तो उसमें कहीं अधिक बुरी तरह से उलझ जाते हैं। हम जिस दार्शनिक, धार्मिक परंपरा को मान रहे हैं, उसके साथ हमारा एक भावनात्मक संबंध जुड़ जाता है। फलस्वरूप उसके विपरीत अन्य किसी दृष्टिकोण को कभी स्वीकार ही नहीं कर पाते। अथवा यह भी होता है कि अपनी तर्कबुद्धि से हमने किसी मान्यता को अपना लिया है तो अपने ही बुद्धिबल को अत्यधिक महत्ता देने के स्वभाववश अन्य किसी मान्यता को सही मानने को प्रस्तुत ही नहीं होते। परंपरागत मान्यता, हृदयगत भावुकता अथवा बौद्धिक तर्कजाल के कारण जब हम किसी भी मान्यता के गुलाम हो जाते हैं तो उसके प्रति इतनी गहरी आसक्ति पैदा कर लेते हैं कि हमेशा के लिए उसी के रंग का चश्मा पहने ही दुनिया को देखने लगते हैं। अत: उस रंग के अतिरिक्त अन्य कोई रंग हमें दिखता ही नहीं। इस प्रकार सच्चाई से, वास्तविकता से बिल्कुल दूर होते चले जाते हैं, क्यों कि हर बात को अपने ही चश्मे से देखने के आदी जो हो चुके होते हैं।

मान लीजिए, अन्धश्रद्धा, अन्धविश्वास, भावावेश अथवा बौद्धिक ऊहापोह के आधार पर हमने कोई सही सिद्धान्त भी स्वीकार कर रखा हो, परन्तु होता क्या है कि उसके प्रति हुई आसक्ति के कारण उस सिद्धान्त को स्वीकारने मात्र को ही हम सारा महत्व देने लगते हैं, जब कि उसके व्यवहारिक पक्ष को सर्वदा भुला बैठते हैं।

कुछ ज्ञानीजन समाज को, देश-दुनिया को धर्म का मार्ग दिखाने में जी-जान से जुटे हुए हैं। एक ओर हिन्दू धर्म की महिमा का बखान किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर कुछ लोग शान्ति के मसीहा बने दुनिया को मुसलमान होने के फायदे गिनाने में लगे हुए हैं। एक कहता है कि हिन्दू धर्म और उसकी शिक्षाएं महान हैं तो दूसरा कहता है कि आप इस्लाम अपना लो तो आप में आत्म-अनुशासन, आत्म-नियंत्रण,आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का संचार होने लगेगा।

मैं मानता हूं कि न सिर्फ हिन्दू, न इस्लाम, बल्कि दुनिया का हरेक धर्म, हरेक पंथ, हरेक सम्प्रदाय महान है। उनके धर्मग्रंथ, उनकी शिक्षाएं, पीर-पैगम्बर, महापुरुष इत्यादि सब महान हैं। लेकिन ये नहीं समझ पा रहा हूं कि आप लोग जो दुनिया में धर्म का ज्ञान बांटते फिर रहे हो, पोस्ट दर पोस्ट बड़े लम्बे-चौड़े उपदेश देते रहते हो, लेकिन तुम्हारा धर्म तुम में वो महानता क्यूं नहीं पैदा कर पाया। क्या ये महानता का प्रसाद सिर्फ दूसरों में बांटने के लिए ही रख छोड़ा है, जो तुम्हारे हिस्से न आ सका। दूसरी ओर मैं उन मुस्लिम भाइयों से ये जानना चाहूंगा कि तुम कहते हो कि इस्लाम कबूल करने का सीधा फायदा ये है कि आपमें शांति, प्रेम, आत्म-अनुशासन,आत्म-नियंत्रण, आत्मशिक्षा, आत्म-अनुपालन जैसे गुणों का वास होने लगेगा, लेकिन भाई तुम तो इस्लाम के मानने वाले हो, किन्तु तुम्हारे जीवन में ऐसे किसी सद्गुण का संचार क्यों नहीं हो पाया। कमाल है! जिस चीज को आप लोग स्वयं जीवन में धारण नहीं कर सके, उसी के बारे में दुनिया को उपदेश देने में लगे हुए हैं। और लगे हुए हैं, बस दिन-रात एक दूसरे पर कीचड़ उछालने में, एक दूजे को निर्वस्त्र करने में।

मनुष्यता भलाई में है

यह मानव स्वभाव है कि किसी का अच्छा हो रहा हो, तो उसमें खलल डालता है। वहीं कुछ ऐसे भी हैं, जो बिगड़ती बात को संवारना ही मनुष्यता की परिभाषा मानते हैं, ऐसे ही बयान करती यह कथा प्रस्तुत है।

यह घटना उस समय की है, जब क्रांतिकारी रोशन सिंह को काकोरी कांड में मृत्युदंड दिया गया। उनके शहीद होते ही उनके परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। घर में एक जवान बेटी थी और उसके लिए वर की तलाश चल रही थी। बड़ी मुश्किल से एक जगह बात पक्की हो गई। कन्या का रिश्ता तय होते देखकर वहां के दरोगा ने लड़के वालों को धमकाया और कहा कि क्रांतिकारी की कन्या से विवाह करना राजद्रोह समझा जाएगा और इसके लिए सजा भी हो सकती है। किंतु वर पक्ष वाले दरोगा की धमकियों से नहीं डरे और बोले, 'यह तो हमारा सौभाग्य होगा कि ऐसी कन्या के कदम हमारे घर पड़ेंगे, जिसके पिता ने अपना शीश भारत माता के चरणों पर रख दिया।' वर पक्ष का दृढ़ इरादा देखकर दरोगा वहां से चला आया पर किसी भी तरह इस रिश्ते को तोड़ने के प्रयास करने लगा। जब एक पत्रिका के संपादक को यह पता लगा तो वह आगबबूला हो गए और तुरंत उस दरोगा के पास पहुंचकर बोले, 'मनुष्य होकर जो मनुष्यता ही न जाने वह भला क्या मनुष्य? तुम जैसे लोग बुरे कर्म कर अपना जीवन सफल मानते हैं किंतु यह नहीं सोचते कि तुमने इन कर्मों से अपने आगे के लिए इतने कांटे बो दिए हैं, जिन्हें अभी से उखाड़ना भी शुरू करो तो अपने अंत तक न उखाड़ पाओ। अगर किसी को कुछ दे नहीं सकते तो उससे छीनने का प्रयास भी न करो।' संपादक की खरी-खोटी बातों ने दरोगा की आंखें खोल दीं और उसने न सिर्फ कन्या की मां से माफी मांगी, अपितु विवाह का सारा खर्च भी खुद वहन करने को तैयार हो गया। विवाह की तैयारियां होने लगीं। कन्यादान के समय जब वधू के पिता का सवाल उठा तो वह संपादक उठे और बोले, 'रोशन सिंह के न होने पर मैं कन्या का पिता हूं। कन्यादान मैं करूंगा।'

कर्तव्य ही सम्मान है

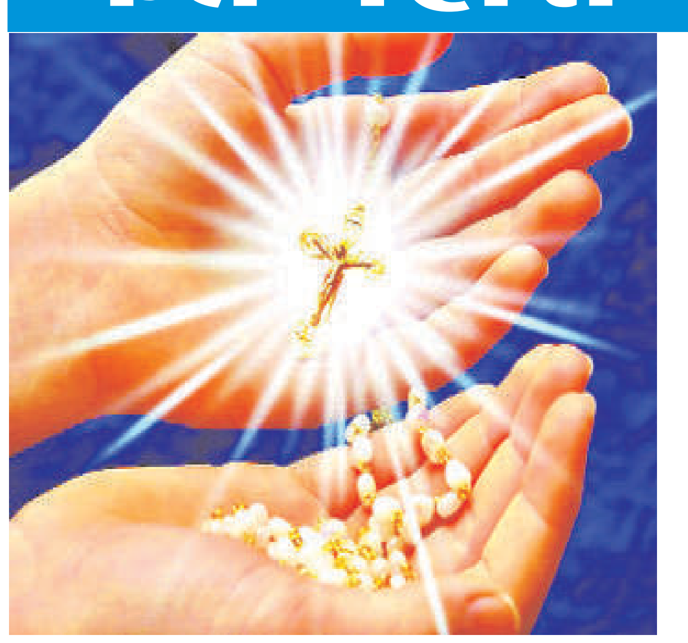

यह काफी पुरानी घटना है। मद्रास प्रांत के एक स्टेशन के निकट एक पॉइंटमैन अपना पॉइंट (वह उपकरण जिससे गाड़ियों का ट्रैक बदला जाता है) पकड़े खड़ा था। दोनों ओर से दो गाड़ियां अपनी पूरी गति से दौड़ी चली आ रही थीं। उस दिन मौसम खराब था और वह आंधी-तूफान का संकेत दे रहा था। ऐसे भयावह मौसम में रोशनी के भी भरपूर साधन नहीं थे। पॉइंटमैन अपने काम के लिए मुस्तैदी से तैयार था, तभी उसे अपने पैरों पर कुछ रेंगता हुआ महसूस हुआ। उसने देखा तो दंग रह गया। एक सांप उसके पैरों से लिपट रहा था। पॉइंट उसके हाथ में था। डर के कारण उसकी घिग्घी बंध गई। किंतु तभी उसने सोचा कि यदि वह पॉइंट हाथ से छोड़ देगा तो ऐसे में दोनों गाड़ियां परस्पर भिड़ जाएंगी और असंख्य लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सांप के काटने से तो अकेले सिर्फ उसकी जान जाएगी, लेकिन असंख्य लोगों की जान बच जाएगी। कम से कम मरते-मरते वह असंख्य लोगों की जान बचाने का पुण्य तो अर्जित कर ही लेगा। यह सोचकर वह बिना हिला-डुले पॉइंट को पकड़े खड़ा रहा। कुछ ही देर में दोनों रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट तेज हुई और रेलगाड़ियां आराम से पॉइंट मैन के द्वारा पकड़े गए पॉइंट की सहायता से अलग-अलग ट्रैक पर निकल गईं। उधर सांप रेलगाड़ियों की घड़घड़ाहट सुनकर पॉइंटमैन का पैर छोड़कर चला गया। रेलगाड़ियों के जाने के बाद जब पॉइंटमैन का ध्यान अपने पैरों की ओर गया तो वह यह देखकर दंग रह गया कि वहां कुछ न था। यह देखकर उसके मन से स्वत: ही निकला, 'सच ही है, जो इंसान सच्चे मन से लोगों की मदद करते हैं, उनकी सहायता ईश्वर स्वयं करते हैं।' बाद में जब इस घटना का पता अधिकारियों को चला तो उन्होंने न सिर्फ पॉइंटमैन को शाबासी दी, अपितु उसे पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया।

बुद्धि बड़ी या भाग्य

बुद्धि व भाग्य में विवाद होने लगा, दोनों एक दूसरे को बड़ा साबित कर रहे थे। राजा ने एक कथा के माध्यम से दोनों का निर्णय किया। भाग्य से यदि किसी को राजा बनाने का प्रयास हो और संसार की सभी वस्तुएं भी हों तो भी बुद्धि के अभाव में वह राजा नहीं बन सकता। यह आलेख इसी तथ्य पर आधारित है।

एक बार बुद्धि और भाग्य में झगड़ा हुआ। बुद्धि ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं जिसे चाहूं सुखी कर दूं। मेरे बिना कोई बड़ा नहीं हो सकता।'' भाग्य ने कहा, मेरी शक्ति अधिक है। मैं तेरे बिना काम कर सकता हूं। तू मेरे बिना काम नहीं कर सकती।'' इस तरह दोनों ने अपनी-अपनी ओर से दलीलें जोर-शोर से दीं। बुद्धि ने भाग्य से कहा कि उस गड़रिए को जो जंगल में भेड़ें चरा रहा है, मेरी सहायता के बिना राजा बना दो तो समझूं कि तुम बड़े हो। भाग्य ने राजा बनाने का प्रयत्न शुरू कर दिया। उसने बहुत कीमती खड़ाऊं जिसमें लाखों रुपए के नग लगे थे, गड़रिए को दी। भाग्य ने एक व्यापारी को वहां पहुंचा दिया।

व्यापारी उन खड़ाऊंओं को देखकर विस्मित हुआ। उससे कहा, तुम ये खड़ाऊं बेच दो।'' गड़रिए ने वो अनमोल खड़ाऊं जिनमें एक-एक हीरा करोड़ों रुपए का था, दो मन चनों के बदले में बेच डालीं। यह देखकर भाग्य ने और प्रयत्न किया। अब उस व्यापारी ने वे खड़ाऊं राजा को भेंट की तो राजा देखकर हैरान हो गया। व्यापारी से पूछा, ''तुमने ये खड़ाऊं कहां से पाई? व्यापारी ने कहा ''महाराज एक राजा मेरा मित्र है उसने ये मुझे दीं।''

यह सुनकर राजा ने कहा, ''अच्छा जाओ, मेरी लड़की की सगाई उसके लड़के से करा दो।'' ''ठीक है, आपकी लड़की की सगाई पक्की करने जाता हूं।'' तो क्या देखता है कि गड़रिया उससे भी मूल्यवान खड़ाऊं पहने है।

व्यापारी ने सोचा कि हो न हो, यह कोई सिद्ध महात्मा है। उसने वहीं डेरा लगा दिया और अपना बहुत सा तांबा लदा हुआ सब सामान एक ओर पेड़ के नीचे रख दिया। दोपहरी में गड़रिया धूप से व्याकुल हो उस पेड़ के नीचे तांबे के ढेर के सहारे सिर रखकर सो गया। भाग्य ने उस तांबे के ढेर को सोना कर दिया। व्यापारी ने सोचा कि जिसके छूने से तांबा सोना हो जाता है, उसको राजा बनाना कोई बड़ी बात नहीं। उस व्यापारी ने वहीं जमीन खरीदी और किला बनवा दिया। सेना की भर्ती की जाने लगी और व्यापारी गड़रिए को पकड़कर किले में ले गया। उसको अच्छे-अच्छे मूल्यवान वस्त्र पहनवाए; मंत्री सेवक आदि कर्मचारी रखे और फिर लड़की वाले राजा को पत्र लिखा कि हमारे राजाजी की विवाह की तिथि लिख दो; उसी दिन बारात आ जाएगी। पत्रोत्तर में राजा ने तिथि लिख दी। इस पर विवाह का प्रबंध होने लगा।

विवाह की तिथि आने पर व्यापारी बारात लेकर चल दिया। जब लड़की वाले राजा का नगर निकट आ गया और उधर से मंत्री, बहुत से नौकर-चाकर, सेना, अस्त्र-शस्त्र, हाथी-घोड़े इत्यादि राजा की अगवानी के लिए आए तो गड़रिए ने विचार किया कि कदाचित् मेरी भेड़ें इनके खेत में चली गई हैं और ये मेरे कपड़े-लत्ते छीनने आ रहे हैं। अत: उसने झट व्यापारी से कहा, ये सब मेरे कपड़े-लत्ते छीनने के लिए आ रहे हैं। चूंकि यह बात कान में कही गई थी, अत: व्यापारी के सिवा और किसी को मालूम नहीं हुई। लोगों ने व्यापारी से पूछा, ''कुंवरजी क्या आज्ञा दे रहे हैं? कुंवरजी कहते हैं कि जितने लोग स्वागत में आए हैं, सबको पांच-पांच लाख रुपया पुरस्कृत किया जाए।'' लोग सोचने लगे कि किसी बड़े भारी सम्राट के कुंवर की बारात आई है, लड़की वाला राजा भी घबराया कि मैंने बड़े भारी राजा से नाता जोड़ा है। अब तो ईश्वर ही लाज रखे। अंत: उसी दिन राजा की कन्या का विवाह उस गड़रिए से हो गया। जब राजकुमारी गड़रिए के पास आई, तब गड़रिए ने गहनों की आवाज सुन सोचा, हो न हो, कोई चुड़ैल मुझे मारने के लिए आ रही है। यह सोच वह जल्दी से एक दरवाजे की ओट में छिप गया। राजकुमारी कन्या के जाते ही गड़रिए को विचार आया कि अभी एक चुड़ैल से तो मुश्किल से बचा हूं, न मालूम यहां कितनी और चुड़ैल आएं, अत: यहां से भागना चाहिए। सोच ही रहा था कि उसे एक जीना दिखाई पड़ा। वह झट ऊपर चढ़ गया और वहां एक छेद में हाथ डालकर कूदकर भागने का विचार करने लगा। उसी समय बुद्धि ने भाग्य से कहा, ''देख तेरे बनाने से भी यह राजा न बना। अब यह जल्दी ही गिरकर मृत्यु के मुख में जाना चाहता है।'' अत: सिद्ध है कि यदि संसार की सारी वस्तुएं भी एकत्रित हों, तो भी जब तक मनुष्य को बुद्धि न आए, वह अपने उद्देश्य को पूर्णतया सिद्ध नहीं कर सकता।

धन-सम्पदा का गर्व चकनाचूर

यूनान में आल्सिबाएदीस नामक एक बहुत बड़ा संपन्न जमींदार था। उसकी जमींदारी बहुत बड़ी थी। उसे अपने धन-वैभव एवं जागीर पर बहुत अधिक गर्व था। वह इसका वर्णन करते हुए थकता नहीं था। एक दिन वह प्रसिद्ध दार्शनिक सुकरात के पास जा पहुंचा और अपने ऐश्वर्य का वर्णन करने लगा। सुकरात उसकी बातें कुछ देर तक सुनते रहे। फिर उन्होंने पृथ्वी का एक नक्शा मंगवाया। नक्शा फैला कर उन्होंने आल्सिबाएदिस से पूछा-अपना यूनान देश इस नक्शे में कहां है? जमींदार कुछ देर तक नक्शा देखने के बाद एक जगह अंगुली रख कर बोला 'अपना यूनान देश यह रहा।' सुकरात ने पुन: पूछा-और अपना एटिका राज्य कहां है? बड़ी कठिनाई के बाद जमींदार एटिका राज्य को ढूंढ़ सका। अच्छा, इसमें आपकी जागीर की भूमिका कहां है? सुकरात ने एक बार फिर पूछा। अब जमींदार कुछ सकपका गया। वह बोला- आप भी खूब हैं, इस नक्शे में इतनी छोटी-सी जागीर कैसे बताई जा सकती है? तब सुकरात ने कहा-भाई! इतने बड़े नक्शे में जिस भूमि के लिए एक बिन्दु भी नहीं रखा जा सकता, उस नन्ही-सी भूमि पर आप गर्व करते हैं? इस पूरे ब्रह्माण्ड में आपकी भूमि और आप कहां कितने हैं, जरा यह भी तो सोचिए। सुकरात के मुंह से यह सुनते ही आल्सिबाएदिस का अपनी जागीर और सम्पति पर जो गर्व था, चकनाचूर हो गया। व्यक्ति को अपनी धन-संपदा का बखान तथा उस पर गर्व नहीं करना चाहिए।

10 साल पुराने तिहरे हत्याकांड में 19 आरोपियों को उम्रकैद, परिवार को मिला न्याय

नबरंगपुर (एजेंसी)। ओडिशा के नबरंगपुर जिले में 2016 के चर्चित तिहरे हत्याकांड और आगजनी मामले में कोर्ट ने 19 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। यह मामला करीब 10 साल पुराना है, जिसने उस समय पूरे इलाके में सनसनी फैला दी थी। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान हत्या, आपराधिक साजिश और सबूत मिटाने जैसे गंभीर आरोपों को साबित मानते हुए सभी दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई। फैसले के बाद पीड़ित परिवार ने कोर्ट के फैसले का स्वागत किया और कहा कि उन्हें न्याय मिल गया। जानकारी के मुताबिक साल 2016 में गांव में हिंसक झड़प के दौरान तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने के बाद इलाके में आगजनी भी की थी ताकि सबूत नष्ट कर सकें। पुलिस जांच में सामने आया था कि पुरानी रंजिश और अंधविश्वास इस घटना की मुख्य वजह थे। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात करना पड़ा था। पुलिस ने जांच में कई लोगों को गिरफ्तार किया और बाद में उनके खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। मामले की सुनवाई लंबे समय तक चली, जिसमें अभियोजन पक्ष ने प्रत्यक्षदर्शियों और फोरेंसिक साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मजबूत दलीलें पेश कीं। कोर्ट ने माना कि दोषियों ने सुनियोजित तरीके से अपराध को अंजाम दिया था। रिपोर्ट के मुताबिक सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने आरोपों को खारिज करने की कोशिश की, लेकिन अदालत ने उपलब्ध साक्ष्यों को पर्याप्त माना। फैसले के दौरान कोर्ट परिसर में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, क्योंकि मामला काफी संवेदनशील था। कोर्ट के फैसले को राज्य में कानून व्यवस्था और न्यायिक प्रक्रिया के लिहाज से अहम माना जा रहा है। लोगों का कहना है कि इतने सालों बाद आए इस फैसले से पीड़ित परिवार को राहत मिली है।

गढ़चिरौली के जंगल में छिपी हथियार फैक्ट्री मिली, आठ माओवादी गिरफ्तार

गढ़चिरौली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में पुलिस ने जंगल में छिपाई माओवादियों की हथियार बनाने और स्टोर करने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। यह कार्रवाई 卐ऑपरेशन अंतिम प्रहार卐 के तहत की गई, जो सरेंडर कर चुके माओवादियों से मिली जानकारी के आधार पर की गई। सर्च ऑपरेशन में पुलिस को लेथ मशीन, पाइप, जनरेटर, बैटरी, ड्रिलिंग मशीन, सोलर पैनल और विस्फोटक सामग्री बनाने के उपकरण मिले। सुरक्षा बलों ने मौके पर ही सभी सामान को नष्ट कर दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ऑपरेशन के दौरान एके-47, इंसास, एसएलआर समेत 51 हथियार, भारी मात्रा में गोला-बारूद, डेटोनेटर और 65 लाख रुपए से ज्यादा नकदी बरामद हुई। पुलिस का कहना है कि इस कार्रवाई के बाद जिले में वांटेड माओवादियों की सूची लगभग खत्म हो गई है। गढ़चिरौली पुलिस और सीआरपीएफ ने इस अभियान में आठ माओवादियों को गिरफ्तार किया और पांच सीनियर कैडर ने सरेंडर किया। गिरफ्तार लोगों में कई बड़े माओवादी नेता शामिल हैं।

कोलकाता एयरपोर्ट मस्जिद शिफ्टिंग पर निर्णायक मंथन तेज

- 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने पर चर्चा जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में बदलते राजनीतिक माहौल के बीच कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस इंटरनैशनल एयरपोर्ट परिसर में स्थित 136 साल पुरानी गौरीपुर जामा मस्जिद को हटाने या स्थानांतरित करने का मामला फिर से गरमा गया है। एयरपोर्ट अथॉरिटी, जिला प्रशासन और मस्जिद कमेटी के बीच लगातार हो रही बैठकों के बाद बकरीद के बाद इस पर कोई बड़ा और निर्णायक फैसला आने की संभावना है। यह घटनाक्रम सिर्फ एक धार्मिक स्थल या हवाईअड्डे के विस्तार का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसे बंगाल की बदलती राजनीति का एक महत्वपूर्ण संकेत भी माना जा रहा है, जहां वर्षों से लंबित संवेदनशील मामलों को अब गति मिल रही है। रिपोर्ट्स के अनुसार यह मस्जिद एयरपोर्ट की बाउंड्री वॉल से लगभग 150 मीटर अंदर और सेकेंडरी रनवे से मात्र 165 मीटर की दूरी पर स्थित है। इस निकटता के कारण सेकेंडरी रनवे का पूरा उपयोग नहीं हो पा रहा है, जो हवाईअड्डे की सुरक्षा और परिचालन क्षमता के लिए एक चुनौती है। भाजपा लंबे समय से सुरक्षा और इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को प्राथमिकता देती रही है और अब राज्य एवं केंद्र की सोच में तालमेल दिखने से ऐसे कई पुराने और विवादित प्रोजेक्ट्स को गति मिल सकती है।

तकनीकी खराबी के बाद प्रशिक्षण विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

अलीगढ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में रविवार सुबह एक बड़ा विमान हादसा टल गया, जब प्रशिक्षण उड़ान पर निकले एक विमान में अचानक तकनीकी खराबी आ गई। स्थिति गंभीर होते देख पायलटों ने जलाली क्षेत्र के पास विमान की आपातकालीन लैंडिंग कराई। जानकारी के अनुसार धनीपुर एयरपोर्ट से पायनियर कंपनी का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट नियमित प्रशिक्षण उड़ान पर रवाना हुआ था। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद विमान में तकनीकी समस्या आ गई। सुबह करीब 11 बजे पायलटों ने सूझबूझ और सतर्कता दिखाते हुए विमान को सुरक्षित नीचे उतार लिया। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। राहत की बात यह रही कि विमान में सवार दोनों पायलट पूरी तरह सुरक्षित हैं।

बारामूला में सुरक्षाबलों की बड़ी कार्रवाई, आतंकी ठिकाने से भारी मात्रा में गोला-बारूद बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों ने आतंकियों के एक छिपे ठिकाने का पर्दाफाश किया है। इसी के साथ ही बड़ी मात्रा में गोला-बारूद बरामद किया गया है। यह कार्रवाई निलसर कांडी इलाके में संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान की गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार बारामूला पुलिस, 52 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ की टीम ने इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया। तलाशी के दौरान सुरक्षाबलों को 14 राउंड ओजी-7वी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन तथा 09 राउंड पीजी-7पी रॉकेट प्रोपेल्ड ग्रेनेड अमुनिशन बरामद हुए। सुरक्षा एजेंसियां बरामद सामग्री की जांच कर रही हैं।

कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है: पूनावाला

-मुसलमान के साथ अन्याय वाले राहुल गांधी के बयान पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के मुस्लिम नेताओं से बैठक में एक ऐसी बात कह दी, जिसे लेकर सियासी पारा चढ़ गया है। उन्होंने मुस्लिम नेताओं को अपने समुदाय से जुड़े मुद्दों को मुखरता से उठाने और उनका प्रतिनिधित्व बढ़ाने की दिशा में काम करने का आग्रह किया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी के अल्पसंख्यक विभाग की सलाहकार परिषद की बैठक में राहुल गांधी ने कहा, कि अगर किसी मुसलमान के साथ अन्याय होता है तो उन्हें केवल 'अल्पसंख्यक' समूह के सदस्य के रूप में नहीं, बल्कि विशेष रूप से एक 'मुसलमान' के रूप में अपनी आवाज उठानी चाहिए। इसी के साथ राहुल गांधी ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक में इस बात पर भी जोर दिया कि अगर दलितों, ओबीसी या सामान्य वर्ग के सदस्यों पर हमले होते हैं तो उस विशिष्ट समुदाय की स्पष्ट रूप से पहचान करके इस मुद्दे को उठाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने जिस तरह से मुसलमानों के संदर्भ अपनी बात रखी उस पर राजनीति गरमा गई। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने राहुल गांधी पर सीधा हमला बोला।

पूनावाला ने कहा कि राहुल गांधी के इस कमेंट से कांग्रेस और उनके नेता के माइंडसेट का पता चलता है। इससे ये भी साफ होता है कि कांग्रेस मुस्लिमों की पार्टी है। बीजेपी नेता ने कहा कि हिंदू को दो गाली, मुस्लिम की लो ताली, ये है वोट बैंक की कांग्रेस की प्रणाली। उन्होंने अपनी बात रखते हुए केरल के नए सीएम सतीशन का भी जिक्र किया। बीजेपी प्रवक्ता पूनावाला ने आगे कहा कि कांग्रेस गांधीवादी मूल्यों के बजाय गालियों वाली पार्टी बन गई है। राहुल गांधी ने हाल ही में पीएम मोदी को गद्दार कहा था, जिसके बाद उनके करीबी सहयोगी अजय राय ने कथित तौर पर पीएम मोदी के खिलाफ गलत भाषा का इस्तेमाल किया। बाद में उन्होंने दावा किया कि ऐसा एआई या अन्य कारणों से हुआ था। उनके पिछले रिकॉर्ड को देखें, तो वह गलत भाषा से भरा हुआ है। ऐसा कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने पीएम मोदी के खिलाफ 150 से ज्यादा गलत टिप्पणियां की हैं, क्योंकि वह ओबीसी और गरीब पृष्ठभूमि से आते हैं। इसी वजह से उन्हें निशाना बनाया जा रहा है।

भारत-ओमान सेना प्रशिक्षण से रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मिलेगी और मजबूती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और ओमान ने ओमान के सुल्तान के सशस्त्र बलों के कर्मियों के लिए दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण टीमों द्वारा आयोजित एक विशेष सैन्य प्रशिक्षण पहल के जरिए अपनी बढ़ती रणनीतिक रक्षा साझेदारी को मजबूत किया। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच आयोजित इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों का नेतृत्व एकीकृत रक्षा स्टाफ मुख्यालय के अधिकारियों ने भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के कर्मियों के साथ मिलकर किया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य परिचालन समन्वय और संयुक्त रसद तैयारियों पर ध्यान केंद्रित करना था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एकीकृत रक्षा स्टाफ के मुख्यालय ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट करते हुए लिखा- भारत-ओमान रक्षा सहयोग को सुदृढ़ बनाना भारतीय रक्षा मुख्यालय और तीनों सेनाओं के अधिकारियों से युक्त दो भारतीय मोबाइल प्रशिक्षण दल ने ओमान के सुल्तान की सशस्त्र सेना के कर्मियों के लिए सफलतापूर्वक प्रशिक्षण आयोजित किया। ओमान की शाही सेना, शाही नौसेना, शाही वायु सेना और रक्षा मंत्रालय के करीब 110 अधिकारियों ने परिचालन और संयुक्त रसद प्रशिक्षण में भाग लिया, जिससे अंतर-संचालनीयता और भारत-ओमान रणनीतिक साझेदारी को सुदृढ़ किया। यह घटनाक्रम विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा 18 मई को ओमान के विदेश मंत्री सैय्यद बदर बिन हमद अल बुसैदी से हुई टेलीफोन पर बातचीत के कुछ दिनों बाद सामने आया है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया संकट से संबंधित हालिया घटनाक्रमों के साथ-साथ भारत और ओमान के बीच द्विपक्षीय सहयोग पर बात की थी।

केदारनाथ धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़: 11 घंटे का लंबा इंतजार और दर्शन सिर्फ डेढ़-दो सेकंड के

देहरादून (एजेंसी)। चारधाम यात्रा के दौरान केदारनाथ धाम में इस समय रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। भारी भीड़ के कारण भक्तों को दर्शन के लिए 10 से 11 घंटे तक लंबी कतारों में इंतजार करना पड़ रहा है। कड़ाके की ठंड और भीड़ के दबाव के बीच श्रद्धालुओं को गर्भगृह में केवल डेढ़ से दो सेकंड तक ही रुकने का अवसर मिल पा रहा है।

जानकारी अनुसार हर दिन करीब 25 हजार से 30 हजार श्रद्धालुओं के पहुंचने से प्रशासन और मंदिर समिति के सामने व्यवस्थाएं संभालना बड़ी चुनौती बन गया है। भीड़ के चलते गुप्तकाशी से सोनप्रयाग तक 27 किलोमीटर के रास्ते पर लगातार जाम की स्थिति बनी हुई है। श्रद्धालुओं को यह दूरी तय करने में 5 से 6 घंटे तक का समय लग रहा है। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रशासन ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग और ट्रैफिक नियंत्रण व्यवस्था लागू की है, लेकिन यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ने से दबाव बना हुआ है।

दर्शन का समय बढ़ाकर 22 घंटे किया

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने मंदिर में दर्शन का समय बढ़ाकर लगभग 22 घंटे कर दिया है। भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए टोकन व्यवस्था भी लागू की गई है, हालांकि कई बार यात्रियों की अनियंत्रित संख्या के कारण यह व्यवस्था प्रभावी साबित नहीं हो पा रही है।

श्रद्धालुओं के लिए जरूरी सुझाव

श्रद्धालु चारधाम यात्रा पर जाने से पहले उत्तराखंड पर्यटन विभाग के आधिकारिक पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन अवश्य ही करवाएं। जो यात्री लंबी पैदल यात्रा या भीड़ से बचना चाहते हैं, वे आईआरसीटीसी की हेलीयात्रा सेवा के माध्यम से हेलीकॉप्टर टिकट बुक कर सकते हैं। इसी के साथ ही श्रद्धालु विशेष पूजा या वीआईपी दर्शन सुविधा का लाभ भी ले सकते हैं, जिससे लंबी कतारों से बचने में मदद मिल सकती है। मंदिर प्रशासन के अनुसार तड़के सुबह या दोपहर में कपाट बंद होने के बाद शाम के समय दर्शन के लिए अपेक्षाकृत कम भीड़ रहती है। ऐसे समय में श्रद्धालुओं को अधिक सुविधा मिल सकती है।

देश में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं: उदयनिधि

– कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए, हमारे से उन्होंने धोखा किया

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने कांग्रेस पर हमला बोला। यह विवाद तब शुरू हुआ जब कांग्रेस ने सीएम सी जोसेफ विजय की पार्टी टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार को अपना समर्थन दिया। उदयनिधि ने पार्टी के एक कार्यक्रम में कहा कि डीएमके को कांग्रेस पर दोबारा कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि डीएमके कार्यकर्ताओं की मेहनत और एमके स्टालिन के नेतृत्व की वजह से सीटें जीतने के बावजूद कांग्रेस नेताओं में बुनियादी अहसानमंदी और शिष्टाचार की कमी है।

उदयनिधि ने धोखा देने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के पांच विधायकों की जीत डीएमके कार्यकर्ताओं की वजह से हुई। जनता ने उन्हें इसलिए वोट दिया क्योंकि वे एमके स्टालिन को सीएम बनाना चाहते थे, लेकिन आज कुछ पदों के लालच में वे हमें बिना बताए ही भाग गए। हमें कांग्रेस पर कभी भरोसा नहीं करना चाहिए। तमिलनाडु की जनता बहुत जल्द उन्हें करारा जवाब देगी।

उन्होंने पूरे देश में बीजेपी के आगे बढ़ने के लिए भी कांग्रेस को ही जिम्मेदार ठहराया। उदयनिधि ने कहा कि पहले मुझे लगता था कि देश में बीजेपी की जीत की वजह पीएम मोदी और शाह हैं। लेकिन अब यह साफ हो गया है कि भारत में बीजेपी के उभरने की असली वजह कांग्रेस की कमजोरियां हैं। हमारे नेता एमके स्टालिन ने पिछले चुनावों में कांग्रेस को अपने कंधों पर उठाया था, लेकिन उन्होंने हमारे साथ धोखा किया। यह बयान डीएमके और कांग्रेस के बीच लगातार बढ़ रही कड़वाहट दिखाता है। डीएमके बैठक में कुछ प्रस्ताव भी पास किए गए, जिनमें कांग्रेस को पीठ में छुरा घोंपने वाला और सहयोगियों की मेहनत पर पलने वाला जोंक बताया गया। इसके साथ ही, उदयनिधि ने अपनी पार्टी के युवा कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे नए और पहली बार वोट देने वाले युवाओं के बीच जाकर उन्हें राजनीति के प्रति जागरूक करें।

वहीं दूसरी ओर डीएमके अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने दावा किया है कि टीवीके सरकार अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी। स्टालिन ने कहा कि उनके पास कुल 120 विधायकों का ही समर्थन है। अपनी संख्या बढ़ाने के लिए उन्होंने एआईएडीएमके को तोड़ने की कोशिश की लेकिन वे नाकाम रहे। उनकी हालत आज दीवार पर बैठी बिल्ली जैसी है। यह सरकार किसी भी दिन गिर जाएगी। एमके स्टालिन ने उन वामपंथी और अन्य क्षेत्रीय दलों की भी आलोचना की, जो पहले सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे थे लेकिन अब मंत्रिमंडल में शामिल हो गए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि जैसे बच्चे कुछ ही दिनों में नए खिलौनों से ऊब जाते हैं, वैसे ही तमिलनाडु के लोग भी इस अभिनेता के शासन से ऊब जाएंगे। तब वे दोबारा हमारे पास वैसे ही लौटेंगे, जैसे बच्चे अपनी मां के पास लौटते हैं।

तमिलनाडु में 3246 बदमाश हिरासत में, 419 ड्रग तस्कर गिरफ्तार

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु पुलिस ने 3246 बदमाशों को हिरासत में लिया और 419 ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पिछले तीन दिनों में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान की गई। अभियान के दौरान पुलिस ने 15,349 लोगों की जांच की। इनमें 12,650 हिस्ट्रीशीटर और 2,699 गैर-हिस्ट्रीशीटर शामिल थे। इनमें 844 लोगों को कई कानूनी धाराओं के तहत ज्यूडिशियल कस्टडी में भेजा गया। तमिलनाडु के सीएम पद की शपथ लेने के 48 घंटे के अंदर विजय ने चार बड़े फैसले लिए थे। इनमें तमिलनाडु के हर जिले में करीब 65 एंटी-ड्रग टास्क फोर्स बनाने का फैसला शामिल था।

पुलिस महानिदेशक कार्यालय की ओर से जारी बयान में कहा गया कि यह अभियान तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के निर्देश पर चलाया गया। तमिलनाडु सरकार के निर्देश पर पुलिस राज्य में शांति और लोगों की सुरक्षा बनाए रखने के लिए काम कर रही है। पुलिस बदमाशी, ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों के कारोबार पर सख्ती से कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है।

सीएम विजय ने कैबिनेट में 8 दलित विधायकों को शामिल कर बनाया रिकॉर्ड

–यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित नए युग की शुरुआत

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता से हटाकर टीवीके ने सबको हैरान कर दिया। थलपति विजय ने जब से सीएम पद की शपथ ली, तब से वह लगातार चर्चा में हैं। अब उनके कैबिनेट विस्तार की चर्चा हो रही है। यह चर्चा है कैबिनेट में अनुसूचित जाति के मंत्रियों की संख्या को लेकर है। तमिलनाडु के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी कैबिनेट है। यह बढ़ोतरी, विजय के कार्यकाल के पहले साल में उनके बढ़ते जनादेश को दर्शाती है। इसके साथ ही कैबिनेट में सबसे ज्यादा एससी मंत्रियों को शामिल करने का एक और रिकॉर्ड दर्ज हुआ है।

थलपति विजय की कैबिनेट में अनुसूचित जाति के 8 विधायक शामिल हैं। विजय की कैबिनेट को ऐतिहासिक कहा जा रहा है। सरकार के दृष्टिकोण से 23 नए मंत्रियों को शामिल करना, सामाजिक समावेश और संतुलित प्रतिनिधित्व को बढ़ाने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। जानकारों का मानना है कि तमिलनाडु की पिछली कैबिनेट की तुलना में यह एक बड़ा बदलाव है, खासकर जब अनुसूचित जाति के प्रतिनिधित्व की बात आती है। कैबिनेट का हालिया विस्तार जाति संतुलन, क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व, सहयोगी दलों को जगह देने और युवा प्रतिभाओं को शामिल करने का एक बेहतरीन मेल है। सीएम विजय समेत 35 सदस्यों तक पहुंचने के साथ, मंत्रिपरिषद की संख्या में अब बढ़ोतरी हुई है।

विजय की कैबिनेट में शामिल 8 अनुसूचित जाति के विधायक हैं जिनमें एस कमाली, वी गांधीराज, पी मथन राजा, डी लोगेश तमिलसेल्वन, के थेन्नारासु, पी विश्वनाथन, ए राजमोहन, वन्नी अरसु इनमें अनुभवी विधायकों के साथ-साथ राजनीति में अपेक्षाकृत नए चेहरे भी शामिल हैं, और यह महत्वपूर्ण मंत्रालयों में एससी प्रतिनिधित्व के लिए एक अच्छा संकेत है। 22 मई को मंत्रियों को शामिल करने के बीच ए एम शाहजहां (आईयूएमएल) और वन्नी अरसु (वीसीके) ने चेन्नई के राजभवन में मंत्री पद की शपथ ली। पापनासम सीट से आने वाले शाहजहां को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। वे एक समाज सेवक और एक चैरिटेबल ट्रस्ट के संस्थापक भी हैं। वे लंबे समय से तंजावुर में शिक्षा और समाज सेवा के क्षेत्र में सक्रिय हैं।

विजय कैबिनेट के गठन में कांग्रेस, आईयूएमएल और वीसीके नेताओं के अलावा एससी नेताओं का चयन, सहयोगी दलों और सामाजिक पहुंच के ज़रिए राजनीतिक एकीकरण का एक संकेत है। चार सहयोगी दलों की भागीदारी के साथ, सरकार एक व्यापक मोर्चा बनाने का प्रयास कर रही है। यह फेरबदल महज प्रशासनिक नहीं है। यह तमिलनाडु की राजनीति में प्रतिनिधित्व पर आधारित एक नए युग की ओर इशारा करता है। शासन-प्रशासन में एससी और हाशिए पर पड़े समुदायों को अब और ज्यादा प्रतिनिधित्व और पहचान मिलेगी।

बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज

–यूपी समेत कई राज्यों की टीम व अध्यक्षों को लेकर जल्द हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की नई टीम के गठन की कवायद तेज हो गई है। संगठन से सीधे जुड़े पदों के लिए पार्टी के बड़े नेताओं और आरएसएस के नेताओं के बीच संवाद हो रहा है। संकेत मिले हैं कि केंद्रीय टीम के साथ उत्तर प्रदेश व अन्य कुछ राज्यों की टीम व कुछ प्रदेशों के अध्यक्षों को लेकर भी जल्द फैसला हो सकता है। अगले माह से पार्टी आने वाले चुनावों को लेकर तैयारी भी शुरू कर देगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बीजेपी अध्यक्ष नितिन नबीन ने इस साल 20 जनवरी को अपना कार्यभार संभाला था। तब से अब चार माह हो चुके है, लेकिन नए केंद्रीय पदाधिकारियों को लेकर इंतजार बना हुआ है। पांच राज्यों में विधानसभाओं चुनाव के चलते इसमें देरी हुई, लेकिन अब पार्टी जल्द इस काम को पूरा करना चाहती है, ताकि उत्तर प्रदेश समेत पांच राज्यों के अगले साल की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनावों की तैयारियों को तेज किया जा सके। अभी उत्तर प्रदेश की टीम पर मुहर नहीं लगी है इसलिए वहां पर काफी उहापोह है।

प्रदेश बीजेपी की नई टीम का खाका लगभग तैयार हो चुका है। दिल्ली में इसे अंतिम रूप देने की कवायद चल रही है। माना जा रहा है कि जल्द इस पर फाइनल बैठक हो सकती है। बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन के दिल्ली से बाहर होने के चलते अंतिम मुहर नहीं लग सकी है। इसका ऐलान 25 मई के बाद हो सकता है। सबसे ज्यादा कश्मकश क्षेत्रीय अध्यक्षों को लेकर है। तमाम दावेदार भी दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। वहीं विधानसभा चुनाव में टिकट की दावेदारी करने वाले कुछ चेहरे प्रदेश टीम से बाहर हो सकते हैं। कुछ मौजूदा प्रदेश महामंत्रियों की भूमिका बदलना भी तय माना जा रहा है। बीजेपी के राज्य मुख्यालय पर इन दिनों सन्नाटा है। यूपी के भाजपाई दिल्ली की ओर टकटकी लगाए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पार्टी आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर नई टीम के गठन की कवायद में जुटी है। कुछ पदाधिकारियों का टीम से बाहर होना तय माना जा रहा है। कुछ ऐसे चेहरे शामिल हैं जिन्हें या तो पार्टी चुनाव लड़ाने का मन बना रही है या फिर वे खुद टिकट के लिए ताल ठोंक रहे हैं। नितिन नबीन ने कहा है कि पार्टी की यात्रा सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा की है। पार्टी की यात्रा केवल एक राजनीतिक दल के विस्तार की कहानी नहीं है, यह राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक चेतना, सेवा, संघर्ष और अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के संकल्प की ऐतिहासिक यात्रा है। बीजेपी की शक्ति हमारी राष्ट्रवादी विचारधार और समर्पित कार्यकर्ता है। शनिवार को अपने जन्मदिन के मौके पर पटना में आयोजित प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए बीजेपी अध्यक्ष नबीन ने कहा कि 1951 में स्थापित भारतीय जनसंघ से लेकर बीजेपी तक की यात्रा संघ और कार्यकर्ताओं की तपस्या का परिणाम है।

मेलोडी महज टॉफी नहीं बल्कि चीन के लिए रचा गया चक्रव्यूह

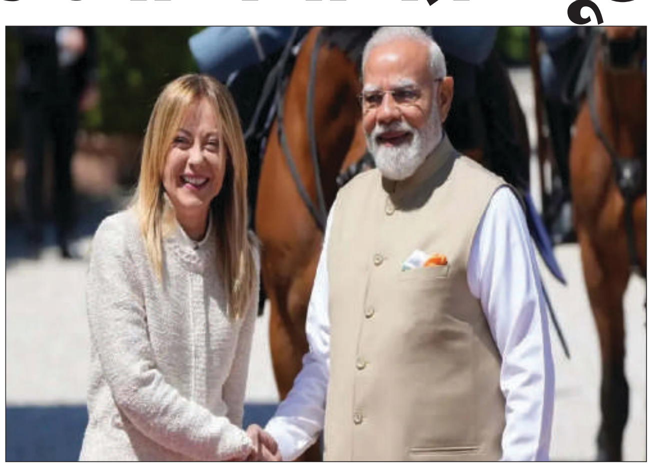

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया जब 'मेलोडी' (पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी) के मीम्स और सोशल मीडिया रील्स के शोर-शराबे में डूबी हुई थी, ठीक उसी वक्त पर्दे के पीछे एक बड़ा कूटनीतिक खेल खेला जा चुका था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इटली दौरे के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौते हुए, जिन्होंने चीन की घेराबंदी पूरी तरह सेट कर दी है। इस पूरे घटनाक्रम से बीजिंग को बड़ा झटका लगा है, जिसकी शुरुआत कुछ समय पहले द ग्रेट इटली डिवोर्स से हुई थी। कुछ साल पहले इटली, चीन के महत्वाकांक्षी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव में शामिल होने वाला एकमात्र जी-7 देश बना था। हालांकि, जॉर्जिया मेलोनी ने सत्ता में आते ही चीन के इस कर्ज के जाल को पहचान लिया और इटली को आधिकारिक तौर पर इससे बाहर निकाल लिया। चीन को ठेंगा दिखाने के बाद इटली को एशिया में एक मजबूत और भरोसेमंद आर्थिक साझेदार की तलाश थी, जो चीन की जगह ले सके। यहीं पर न्यू इंडिया की एंट्री हुई। मोदी और मेलोनी की शानदार केमिस्ट्री दरअसल दुनिया को एक सीधा संदेश है कि इटली अब अपनी पूरी एशियाई रणनीति को बीजिंग से हटाकर नई दिल्ली पर शिफ्ट कर रहा है।

वैश्विक व्यापार के नक्शे पर नजर डालें तो भारत के लिए इटली की भौगोलिक स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है। भारत जब अपना सामान, टेक्नोलॉजी और एनर्जी यूरोप के बाजारों में भेजना चाहता है, तो उसके लिए भूमध्य सागर ही सबसे मुख्य रास्ता है, जिसके केंद्र में इटली स्थित है। इंडिया-मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर के जरिए इटली खुद को भारतीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित कर रहा है। इटली के बंदरगाहों को भारत के मैन्युफैक्चरिंग बूम से जोड़कर दोनों देशों ने आने वाले 50 सालों की आर्थिक सुरक्षा का इंतजाम कर लिया है, जो चीन की ट्रेड दादागीरी को सीधी चुनौती है।

इसके अलावा, दशकों से तैयार हथियार खरीदने वाले भारत के साथ मेलोनी सरकार ने एक नया और स्मार्ट गेम शुरू किया है। इटली अब पीएम मोदी के मेक इन इंडिया अभियान के तहत भारत की जमीन पर ही एडवांस रडार सिस्टम और मैरीटाइम डिफेंस जैसे क्षेत्रों में डिफेंस इक्विपमेंट्स का सह-उत्पादन करेगा। सोशल मीडिया पर दिखने वाली क्यूट और मजेदार मेलोडी सेल्फी तो सिर्फ एक पैकेजिंग है। इसके पीछे की असली हकीकत यह है कि यूरोप में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए भारत को इटली की जरूरत है और चीन को आर्थिक व रणनीतिक टक्कर देने के लिए इटली को भारत का साथ चाहिए। दोनों देशों ने मिलकर ड्रैगन के खिलाफ जो चक्रव्यूह रचा है, उसने बीजिंग की रातों की नींद उड़ा दी है।

बकरीद पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर राजमहल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

राजमहल। आगामी बकरीद (ईद-उल-अजहा) पर्व को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को राजमहल थाना परिसर में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) सदानंद महतो ने की। वही इस बैठक में जनप्रतिनिधियों, बुद्धिजीवियों, धार्मिक नेताओं के साथ-साथ हिंदू और मुस्लिम समुदायों के प्रमुख लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य त्योहार के दौरान किसी भी प्रकार के अप्रिय घटना से बचना और सामुदायिक सद्भाव को मजबूत करना था। साथ ही थाना प्रभारी ने की शांतिपूर्ण ईद मनाने की अपील की उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने कहा कि बकरीद केवल कुबार्नी का पर्व ही नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव का प्रतीक है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की कि वे इस पर्व को मिल-जुलकर और शांतिपूर्ण तरीके से मनाएँ। थाना प्रभारी ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने की विशेष अपील की तथा कहा कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दी जाए। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर भ्रामक एवं आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने वालों पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी और ऐसे मामलों में कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वही राजमहल अनुमंडल पदाधिकारी सदानंद महतो ने बैठक में कहा कि प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद है। उन्होंने पर्व के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने और प्रशासन को हरसंभव सहयोग देने का आश्वासन दिया। साथ ही, पर्व के अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, संवेदनशील स्थानों की निगरानी तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। वही पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए साथ ही राजमहल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) विमलेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि बकरीद के दौरान थाना क्षेत्र के प्रमुख स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी और लगातार गश्ती अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने लोगों से विशेष अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या विवाद की स्थिति में कानून को अपने हाथ में न लें, बल्कि तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचित करें। वही इस अवसर पर राजमहल प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) सह अंचल अधिकारी मोहम्मद युसूफ, राजनगर पंचायत उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ उर्फ गुड्डू, भाजपा नेता पंकज घोष, अमीर मंडल, राजकुमार मंडल, एसआई नंदकिशोर यादव, एएसआई सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति, जनप्रतिनिधि व बुद्धिजीवी मौजूद थे। सभी ने मिलकर सौहार्दपूर्ण ईद मनाने का संकल्प लिया।

भीषण गर्मी के बीच जिला प्रशासन की पहल, आमजन को मिलेगी राहत और सुविधा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। मुख्यमंत्री हेंमत सोरेन के निदेर्शानुसार साहेबगंज जिले के विभिन्न सरकारी कार्यालयों, सार्वजनिक स्थलों, चौक-चौराहों तथा अधिक भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में आमजन के लिए शुद्ध एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराने हेतु प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य राहगीरों, महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों एवं जरूरतमंद लोगों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करना तथा उन्हें स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना है। जिला प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सभी प्याऊ केंद्रों पर नियमित रूप से पानी उपलब्ध रहे तथा नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। वहीं उपायुक्त दीपक कुमार दुबे ने सभी संबंधित विभागों एवं पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि गर्मी के इस मौसम में आमजन की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता हो तथा प्रत्येक सार्वजनिक स्थल पर पेयजल व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित रहे। यह छोटा सा प्रयास किसी की प्यास बुझाने के साथ-साथ जीवन की रक्षा का माध्यम भी बन सकता है। आइए, इस भीषण गर्मी में मानवता एवं सेवा भाव का परिचय दें। वहीं जिला प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे गर्मी से बचाव हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें तथा जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए आगे आएं।

एसडीओ ने अनमैप्ड मतदाताओं के लिए जागरूकता अभियान का दिया निर्देश

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल नगर पंचायत एवं प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का रविवार को निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह एसडीओ सदानंद महतो ने भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने मतदाता सूची तैयार करने की प्रक्रिया का जायजा लिया और बीएलओ को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वही एसडीओ श्री महतो ने बताया कि जिन मतदाताओं का अब तक मैपिंग (मतदान केंद्र से सीधा संयोजन) नहीं हुआ है, वे अपने संबंधित मतदान केंद्र पर जाकर बीएलओ को आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराकर मैपिंग करा लें। उन्होंने अद्यतन मतदाता सूची (अनमेटेड वोटर लिस्ट) के प्रकाशन के दौरान बीएलओ से फीडबैक लिया और इसमें किसी भी त्रुटि को तत्काल सुधारने का निर्देश दिया। वहीं, पर्यवेक्षकों और बीएलओ को सख्त हिदायत देते हुए उन्होंने कहा कि सभी मतदान केंद्रों का भ्रमण कर निर्वाचन आयोग के गाइडलाइन के अनुसार सभी कार्य समय पर पूरे कराएं। साथ ही, सभी कर्मियों और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कार्य करने का निर्देश दिया गया। वही एसडीओ ने जिन मतदाताओं का अब तक मैपिंग नहीं हुआ है, उनके बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर भी जोर दिया, ताकि समय पर सभी का मैपिंग हो सके। वही इस अवसर पर निर्वाचन नोडल सह बीपीओ मनरेगा गगन बापू, भरत मंडल, विजय कुमार, मुन्नवर हुसैन, मीना कुमारी, ऊषा कुमारी, संजय सिंह, अर्चना दास, लता कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तालझारी थाना प्रभारी ने कराई प्याऊ की व्यवस्था

तालझारी(बिभा)। शनिवार को तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय के द्वारा इन भीष्म गर्मी और चिलचिलाती धूप को देखते हुए तालझारी शहीद चौक पर पेयजल की व्यवस्था की गई और लोगों से अपील किया गया कि राह चलते अगर किन्ही भी व्यक्तियों को प्यास लगे तो शहीद चौक पर सुराही में रखें गए पानी को पीकर अपने प्यास को बुझाएं। वहीं थाना प्रभारी नितेश पांडेय ने बताया कि खासकर गरीब तपके के लोगों को गर्मियों में पानी की कमी महसूस होती है ।राहगीरों को पानी मिले इस समस्या को ध्यान में रखते हुए शहीद चौक पर प्याऊ की शुरूआत किया गया है ।ताकि आम जनों को पानी मिल सके ।कहा कि स्टेशन आने जाने वाले एवं इस रास्ते से गुजरने वाले लोगों को भीष्म गर्मियों में पानी मिलने से राहत महसूस होगी।

उमस भरी गर्मी में राहगीरों के लिए निशुल्क पेयजल व्यवस्था

राजमहल(बिभा)। भीषण गर्मी और लू से आम नागरिकों को राहत दिलाने के लिए राजमहल थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने एक सराहनीय कदम उठाया है। लगातार 10 से 15 दिनों से प्रचंड तापमान, उमस भरी गर्मी और तेज धूप से लोगों को हो रही परेशानी को देखते हुए थाना के मुख्य गेट के पास निशुल्क पेयजल की व्यवस्था की गई है। वही थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने बताया कि कड़ाके की गर्मी को देखते हुए यह सुनिश्चित किया गया है कि थाना आने वाले फरियादियों और राहगीरों को प्यास या गर्मी से परेशान न होना पड़े। उन्होंने कहा, ₹इस प्याऊ का मुख्य उद्देश्य लोगों को हीट वेव और तपती गर्मी से राहत पहुंचाना है। वही इस व्यवस्था से थाना परिसर में न्याय की तलाश में आने वाले लोगों के साथ-साथ आस-पास से गुजरने वाले राहगीरों को भी काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही थाना प्रभारी हसनैन अंसारी ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे गर्मी से बचाव के लिए सावधानी बरतें, अधिक से अधिक पानी पिएं और धूप में निकलते समय सिर ढककर रखें। वही स्थानीय लोगों ने थाना प्रभारी की इस पहल की जमकर सराहना की है। उनका कहना है कि ऐसे समय में जब पारा 40 डिग्री के पार चला गया है, थाना परिसर में ठंडे पानी की यह निशुल्क व्यवस्था राहत की एक मिसाल है।

राहगीरों व यात्रियों के लिए किया गया प्याऊ की व्यवस्था

उधवा(बिभा)। जिलेभर में इन दिनों भीषण गर्मी व चिलचिलाती धूप से आमलोग काफी परेशान है। खासकर चिलचिलाती धूप के कारण राहगीरों को यातायात करने में परेशानी हो रही है। इसी को देखते हुए राधानगर थाना परिसर के बाहर आमजनों, राहगीरों एवं यात्रियों के लिए निशुल्क प्याऊ की व्यवस्था शुरू की गई है। जहां लोगों को ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया गया है। इस दौरान राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से प्याऊ की व्यवस्था की गई है। साथ ही उन्होंने बताया कि गर्मी के इस मौसम में राहगीरों, वाहन चालकों, मजदूरों और बाजार आने-जाने वाले आम नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सकें। इसी सोच के साथ निशुल्क प्याऊ की शुरूआत की गई है। उन्होंने लोगों से अधिक गर्मी में सतर्क रहने, पर्याप्त पानी पीने और स्वास्थ्य का ध्यान रखने की अपील किया।

एसटी-एससी मामले में पुलिस नामजद अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा जेल

तालझारी(बिभा)। तालझारी थाना क्षेत्र के छोटी भगियामारी निवासी मनीष कुमार यादव को पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। जिसकी जानकारी तालझारी थाना प्रभारी नितेश कुमार पांडेय ने देते हुए बताया कि नामजद अभियुक्त मनीष कुमार यादव के खिलाफ एसटी-एससी एक्ट के तहत मामला दर्ज था, जिसकी पुलिस को लंबे समय से तलाश थी। कहा गुप्त सूचना मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत कर जेल भेज दिया। इस दौरान पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल मौजूद थे।

बकरीद को लेकर मुफस्सिल थाना में शांति समिति की बैठक, अफवाह फैलाने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार को मुफस्सिल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मंडरो सीओ संजय शुक्ला ने किया। वहीं बैठक में सदर एसडीपीओ सुशील कुमार, सदर बीडीओ बासुकीनाथ टुडू, नगर प्रभाग इंस्पेक्टर अमित कुमार गुप्ता मौजूद थे। वहीं एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि बकरीद के दौरान प्रतिबंधित पशुओं की कुबार्नी पर पूरी तरह रोक रहेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुबार्नी के बाद बचे अवशेषों का उचित तरीके से निस्तारण करें, ताकि स्वच्छता एवं शांति व्यवस्था बनी रहे। उन्होंने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान असामाजिक तत्वों और सोशल मीडिया गतिविधियों पर प्रशासन की विशेष नजर रहेगी। किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने का प्रयास करने वालों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं सदर बीडीओ बासुकीनाथ टुडू ने क्षेत्रवासियों से आपसी भाईचारा, सद्भाव और शांतिपूर्ण वातावरण में बकरीद मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि सभी समुदायों के सहयोग से ही त्योहारों का सफल और शांतिपूर्ण आयोजन संभव है। मौके पर नगर थाना इंस्पेक्टर अमित कुमार, मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीश कुमार पांडेय, एसआई अखिलेश कुमार, एएसआई उमाकांत ओझा, एएसआई रविंद्र यादव, पूर्व जिला परिषद सदस्य यारानुल हक उर्फ गोले, पूर्व उपप्रमुख ब्रह्मदेव यादव, मो. हनान, मनोज यादव, दारा सिंह यादव, किरण देवी सहित दर्जनों गणमान्य एवं बुद्धिजीवी लोग उपस्थित थे। प्रशासन ने सभी लोगों से सहयोग की अपील करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण ढंग से मनाने का संदेश दिया।

जीव-जंतुओं के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक होने की जरुरत : वरुण कुमार

बिभा संवाददाता

राजमहल। भारतीय वन्यजीव संस्थान एवं राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के जलज परियोजना के तहत राजमहल प्रखंड अंतर्गत कन्हैयास्थान में शुक्रवार को अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान परियोजना सहायक वरुण कुमार मंडल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस मनाया जाता है। जिसका मुख्य उद्देश्य पृथ्वी में जीव जंतु की महत्व व उनके भूमिका के बारे में जागरूक करना है। साथ ही उन्होंने बताया कि जिसका थीम है वैश्विक प्रभाव के लिए स्थानीय स्तर पर कार्य करना। यह दिवस पृथ्वी पर जीव के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इस अवसर में ग्रामीणों के बीच जन जागरूकता गतिविधि का आयोजन किया गया। जिसमे ग्रामीणों को गंगा नदी में पाए जाने वाले जीव जंतु तथा वन्य जीव-जंतु के बारे में बताया गया। दिन प्रतिदिन मानवों के द्वारा गंगा नदी एवं पर्यावरण के प्रति किए जाने वाले हानिकारक दुष्प्रभाव के कारण इनमें पाए जाने वाले जीव जंतुओं की संख्या कम होती जा रही है। अतः हमे इनके संरक्षण के प्रति जागरूक होना चाहिए और इस अभियान को सफल बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना चाहिए। ताकि हम इन अनमोल जीव जंतुओं को बचा सकें। मौके पर क्षेत्रीय सहायक मीनातन दास सहित अन्य मौजूद थे।

सम्मान समारोह के दौरान कार्यकर्ताओं को सौपी जिम्मेवारी

लिट्टीपाड़ा। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत तसर विभाग के कैंपस में राष्ट्रीय जनता दल का सम्मान समारोह आयोजन किया गया। नवनिर्वाचित कृषि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लाल मरांडी को जिलाध्यक्ष महाबीर मरैया के द्वारा फूल माला पहनकर बधाई एवं शुभकामना दिया। प्रखंड के सभी नव चयनित सभी पंचायत अध्यक्ष को बधाई एवं शुभकामना दिया गया। साथ ही नवनिर्वाचित कृषि प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष लाल मरांडी को सभी 6 प्रखंड में घूम-घूम कर आम जनमानस किसान कृषि को मूलभूत सुविधा दिलवाने सरकार द्वारा किसानों के लिए चलायी जा रही महत्वाकांक्षी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। किसानों को समय पर बीज का वितरण और कृषि से संबंधित सुविधा दिलवाने की बात कही। जिलाध्यक्ष ने कहा कि संगठन को बढ़ाने एवं सभी बूथ स्तर पर बूथ कमेटी मजबूत करने को लेकर लगातार कार्यक्रम करने के लिए सभी कार्यकताओं को प्रेरित किया। मौके पर जिला सचिव हजरत शेख, लिट्टीपाड़ा प्रखंड अध्यक्ष मनोज पहाड़िया, लाल मरांडी, विनोद ठाकुर मौजूद थे।

समर कैंप में बच्चों ने सीखे डांस की बारिकियां

बिभा संवाददाता

पाकुड़। शहर के योगा भवन में रविवार को डांस समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में नगर परिषद की अध्यक्ष सबरी पाल एवं सामाजिक कार्यकर्ता हिसाबी राय शामिल हुए। अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर डांस समर कैंप का शुभारंभ किया। आयोजित कैंप में डांस में रुचि रखने वाले दर्जनों बच्चों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बच्चों को डांस के विभिन्न स्टेप के बारे में बारीकी से बताया गया।पटना से पहुंचे डांस मास्टर दिलीप कुमार ने बच्चों को डांस के तरह-तरह के स्टेप के बारे में बताया। किस धुन पर किस तरह के स्टेप अपनाने हैं, किस तरह के गानों पर कौन सा डांस मैच करता है, उन तमाम तरीकों को बताया गया। उन्होंने बच्चों को स्वयं डांस कर दिखाया। इस दौरान बच्चों में खुशी देखी गई। उन्हें डांस की बारिकियों को सीखने का एक बेहतर अवसर मिला। इसी बात को लेकर बच्चों में गजब का उत्साह देखा गया। इस दौरान डांस मास्टर दिलीप कुमार ने बच्चों से कहा कि आप जब भी डांस सीखिए, तो उससे पहले स्टेप को जानिए और समझिए। अलग-अलग धुन के साथ डांस के स्टेप मैच करते हैं। इस चीज को आपको बखूबी समझने की जरूरत है। डांस मास्टर दिलीप कुमार के संबोधन से बच्चों को हौंसला मिला। इससे पहले मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष सबरी पाल ने भी बच्चों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज मुझे काफी खुशी हो रही है कि छोटे-छोटे बच्चे यहां पर डांस समर कैंप में हिस्सा ले रहे हैं। आने वाले दिनों में यही बच्चे डांस के मंच पर पाकुड़ का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि आप जो भी सीख रहे हैं, उसे मन लगाकर सीखिए। इससे आपको डांस के सही तरीकों को सीखने का अवसर मिलेगा। अगर आपने इस दिन को दिया, तो फिर भविष्य में इस दिन को पाने का अवसर कम मिलेगा। इसलिए मन लगाकर डांस के हर एक स्टेप को समझिए और दोहराइये। उन्होंने कहा कि पाकुड़ में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्हें सिर्फ एक बेहतर मंच की आवश्यकता है। अगर वह मंच मिल जाए तो निश्चित रूप से पाकुड़ का नाम झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश में रोशन होगा। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता हिसाबी राय ने भी बच्चों का हौसला अफजाई किया। उन्होंने बच्चों को नृत्य के क्षेत्र में पाकुड़ जिले का नाम पूरे देश में रोशन करने के लिए प्रोत्साहित किया। आयोजन को सफल बनाने में मैगी, एजेक्स आदि ने सहयोग किया।

अभावीपी ने स्टूडेंट फॉर सेवा के तहत रक्तदान शिविर का किया आयोजन

बिभा संवाददाता

पाकुड़। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सेवा आयाम स्टूडेंट फॉर सेवा के तत्वावधान में रविवार को एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। पाकुड़ ब्लड बैंक में रक्त की निरंतर हो रही कमी को देखते हुए स्टूडेंट फॉर सेवा ने इस संकट को दूर करने के लिए रक्तदान अभियान चलाने का संकल्प लिया है। जिसकी शुरूआत इस शिविर के माध्यम से हुई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टूडेंट फॉर सेवा के जिला संयोजक अभिजीत कुमार दास ने कहा कि विद्यार्थी परिषद केवल शैक्षणिक मुद्दों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्टूडेंट फॉर सेवा के माध्यम से हम छात्रों को समाज की जमीनी समस्याओं से जोड़ रहे हैं। पाकुड़ के ब्लड बैंक में रक्त की कमी एक गंभीर विषय था, जिसे देखते हुए हमारे कार्यकर्ताओं ने स्वयं आगे आकर इस अभियान की कमान संभाली है। युवा शक्ति का उद्देश्य केवल करियर बनाना नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों का निर्वहन करना भी है। शिविर में विशेष रूप से सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. मनीष कुमार एवं डॉ कुणाल कुमार ने विद्यार्थी परिषद के इस प्रयास की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में स्टूडेंट फॉर सेवा जैसे अभियान समाज के लिए संजीवनी के समान हैं। जब युवा संगठन इस प्रकार की जिम्मेदारी उठाते हैं, तो समाज में एक सकारात्मक संदेश जाता है। रक्तदान न केवल स्वास्थ्य के लिए बेहतर है, बल्कि यह एक ऐसा महादान है जो मृत्यु के द्वार पर खड़े व्यक्ति को अपने जीवनदान दे सकता है। युवाओं को बड़ी संख्या में विद्यार्थी परिषद के इस 'स्टूडेंट फॉर सेवा' अभियान से जुड़ना चाहिए, क्योंकि यही संगठन भविष्य के संवेदनशील नागरिक तैयार कर रहा है। शिविर के दौरान युवाओं और परिषद के कार्यकताओं में भारी उत्साह देखा गया। मुख्य रूप से मिथुन मंडल, अवनीकांत, अभिजीत दास, अरित्रो, पंकज मंडल, गुंजन कुमार तिवारी और बसंत कुमार मिश्रा ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया और समाज के सामने प्रेरणा पेश की। इस अवसर पर मुख्य रूप से परिषद के प्रदेश सह मंत्री बमभोला उपाध्याय, डॉ. कुणाल कुमार, डॉ. मनीष कुमार सहित संगठन के कई पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी रक्तदाताओं को चिकित्सकों द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

पेट्रोल-डीजल की कमी के बावजूद ग्राहकों को मिल रही बेहतर सुविधाएं

बिभा संवाददाता

पाकुड़िया। बीते दिनों क्षेत्र में पेट्रोल-डीजल की भारी किल्लत और अफरा-तफरी के माहौल के बीच भी प्रखंड क्षेत्र के बन्नोग्राम स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप ने ग्राहकों को बेहतर सेवा देकर राहत पहुंचा रही है। भीड़ अधिक होने के बावजूद पेट्रोल लेने पहुंचे लोगों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है। पेट्रोल पंप संचालक सौरभ कुमार ने बताया कि पिछले 13 वर्षों में एक भी दिन ऐसा नहीं आया, जब ग्राहकों को पेट्रोल या डीजल लेने में परेशानी हुई हो। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी ग्राहकों का पूरा सहयोग करना उनकी प्राथमिकता रही है और आगे भी यह सेवा लगातार जारी रहेगी। सौरभ कुमार ने कहा कि जहां कई पेट्रोल पंपों पर तेल को लेकर अफरा-तफरी का माहौल बना हुआ था, वहीं उनके इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप पर व्यवस्था पूरी तरह सुचारु रही। सभी ग्राहकों को समय पर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध कराया जाता रहा है और किसी को निराश होकर लौटना नहीं पड़ता है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों के भरोसे और सहयोग की बदौलत पेट्रोल पंप में हर परिस्थिति में अपनी जिम्मेदारी निभाई है। संकट की घड़ी में भी बन्नोग्राम मेसर्स गौरव सौरभ फिलिंग सेंटर, इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप लोगों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। रविवार को ग्राहकों को पेट्रोल 103.72 रुपया एवं डीजल 98.64 रुपया प्रति लीटर दिया जा रहा है।

गुरिंदरवीर ने रचा इतिहास, 100 मीटर में बनाया नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

रांची (एजेंसी)। पंजाब के गुरिंदरवीर सिंह ने यहां के बिरसा मुंडा एथलेटिक्स स्टेडियम में आयोजित फेडरेशन कप के फाइनल में 100 मीटर दौड़ को केवल 10.09 सेकंड में ही पूरा कर नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बना दिया। इसी के साथ ही यह उपलब्धि हासिल करने वाले गुरिंदरवीर पहले भारतीय धावक बन गए हैं। गुरिंदरवीर ने 100 मीटर की रेस को 10.10 सेकंड के अंदर पूरा किया जो भारतीय ट्रैक एंड फील्ड इतिहास में पहली बार हुआ है। वहीं पहले सेमीफाइनल में अनिमेष कुजूर ने 10.15 सेकंड का समय निकालकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया था, जबकि गुरिंदरवीर ने 10.17 सेकंड में दौड़ पूरी की थी। यह अपने आप में एक कड़े मुकाबले का संकेत था पर फाइनल में गुरिंदरवीर ने अपनी पूरी वापसी करते हुए, 10.09 सेकंड समय निकालर कर इतिहास रचा, बल्कि अनिमेष के 10.20 सेकंड के समय को भी पीछे छोड़ दिया।

गुरिंदरवीर की दौड़ की शुरुआत अविश्वसनीय रूप से तेज रही और उन्होंने पूरी रेस में अपनी बढ़त बनाए रखी। फिनिश लाइन पार करते ही, उन्होंने जोश में अपनी जर्सी से बिब नंबर निकालकर ट्रैक पर फेंक दिया और जोरदार अंदाज में अपनी ऐतिहासिक जीत का जश्न मनाया। उनके बिब पर स्पष्ट रूप से लिखा था, 'काम अभी पूरा नहीं हुआ' और उसके नीचे '10.10S' अंकित था, जिसे उन्होंने शानदार तरीके से पार कर दिखाया। यह उनके निजी लक्ष्य और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है।यह उपलब्धि गुरिंदरवीर के लिए एक लंबा और चुनौतीपूर्ण सफर दर्शाती है। तीन साल पहले, उन्हें पाचन संबंधी गंभीर बीमारी के कारण एक साल तक ट्रैक से दूर रहना पड़ा था। उस मुश्किल समय में उन्हें सिस्टम से ज्यादा समर्थन नहीं मिला, लेकिन बाद में रिलायंस फाउंडेशन से जुड़ने के बाद उनकी ट्रेनिंग, फिटनेस और प्रदर्शन में अभूतपूर्व सुधार आया। उन्होंने खुद स्वीकार किया कि अनिमेष और अन्य साथी खिलाड़ियों के साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा ने उन्हें लगातार बेहतर बनने के लिए प्रेरित किया है, जिससे भारतीय स्प्रिंटिंग में एक नया जोश पैदा हुआ है। अब इस ऐतिहासिक प्रदर्शन के साथ, गुरिंदरवीर और अनिमेष दोनों ने आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स के क्वालिफिकेशन मार्क को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। यह दोनों धावकों के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का अवसर है।

ISSF विश्व कप में मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले करेंगे भारतीय टीम की अगुवाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले की अगुवाई में 35 सदस्यीय भारतीय निशानेबाजी टीम 24 से 30 मई तक जर्मनी के म्यूनिख में होने वाले ISSF विश्व कप 2026 में प्रतिस्पर्धा करेंगी। म्यूनिख निशानेबाजी स्पर्धा राइफल और पिस्टल शूटर्स के लिए इस साल का दूसरा ISSF विश्व कप है।भारत ने पिछले महीने स्पेन के ग्रेनाडा में हुए पहले विश्व कप में मुकेश नेलावल्ली और पलक गुलिया ने 10मी एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था।

पेरिस 2024 मेडलिस्ट मनु भाकर और स्वप्निल कुसाले के शामिल होने से म्यूनिख लेग से पहले इंडियन टीम मजबूत हुई है। दोनों ने ग्रेनाडा में सीजन-ओपनर में हिस्सा नहीं लिया था।स्वप्रिल ने दो साल पहले 50मी राइफल थ्री पोजीशन में ओलंपिक कांस्य पदक जीता था। अब वह अपनी पसंदीदा स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। मनु भाकर महिलाओं की 10मी एयर पिस्टल और 25मी पिस्टल स्पर्धा में हिस्सा लेंगी, इसके अलावा 10मी एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम कॉम्पिटिशन में भी हिस्सा लेंगी। पूर्व वर्ल्ड चैंपियन रुद्राक्ष पाटिल और एशियन गेम्स मेडलिस्ट ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर भी टीम में वापस आ गए हैं, जबकि सरबजोत सिंह, जिन्होंने पेरिस 2024 में 10मी पिस्टल मिक्स्ड टीम कांस्य पदक के लिए मनु के साथ पार्टनरशिप की थी, बाहर बैठेंगे।

भारत की पुरुषों की 10मी एयर पिस्टल लाइन-अप में वर्ल्ड चैंपियन सम्राट राणा शामिल हैं। सुरुचि सिंह, जो 2025 में तीन बार आईएसएसएफ वर्ल्ड कप विनर और वर्ल्ड कप फाइनल चैंपियन रह चुकी हैं, महिलाओं और मिक्स्ड 10मी एयर पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ओलंपियन ईशा सिंह, जिन्होंने इस साल की शुरुआत में एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में इंडिविजुअल गोल्ड मेडल जीता था, 10मी और 25मी पिस्टल में हिस्सा लेंगी। ढ्ढस्स्न विश्व कप में प्रत्येक स्वर्ण पदक विजेता साल के आखिर में होने वाले ढ्ढस्स्न विश्व कप फाइनल के लिए क्वालिफाई करता है, जो दिसंबर में इटली के रोम में होगा।

आईपीएल 2026 में लगे सबसे ज्यादा छक्के

–वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक छाये रहे

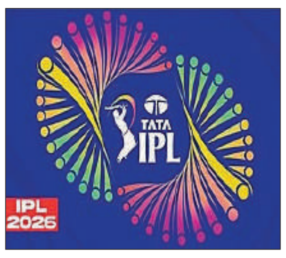

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अपने आक्रामक अंदाज के लिए सनरासइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा और राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी छाये रहे हैं। इन दोनो ने ही जमकर चौके और छक्के लगाये हैं। इन दोनो के अलावा अन्य बल्लेबाज भी चौके और छक्के लगाने में पीछे नहीं रहे। लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद, इस सत्र में कुल 1305 छक्के दर्ज लगे हैं। इससे पिछले साल 2025 में लगे 1294 छक्कों का रिकॉर्ड टूट गया।

यह आईपीएल के इतिहास में पहला अवसर है जब किसी एक सत्र में 1300 से अधिक छक्के लगे हैं। ये इस टूर्नामेंट में बढ़ती आक्रामकता और पावर-हिटिंग के बढ़ते चलन को दर्शाता है। अभी लीग चरण के दो और प्लेऑफ के चार मुकाबले बाकी हैं, जिससे उम्मीद है कि यह आंकड़ा 1400 के पार भी पहुंच सकता है, जिससे यह सीजन और भी यादगार बन जाएगा।

रॉयल्स के मात्र 15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाज हैं, जिन्होंने अब तक 53 छक्के लगाए हैं। यह एक आईपीएल सीजन में किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। वैभव की नजरें अब वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिस गेल के एक आईपीएल सीजन में 59 छक्कों के रिकॉर्ड पर टिकी हैं, जिसे वह तोड़ने के बेहद करीब हैं।

वैभव के अलावा, सनराइजर्स हैदराबाद के आक्रमक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने भी छक्कों की झड़ी लगाई है। उन्होंने अब तक आईपीएल 2026 में 43 छक्के लगाये हैं और उनकी टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर चुकी है, जिससे उन्हें अपने छक्कों की संख्या बढ़ाने के कई और मौके मिलेंगे। शीर्ष पांच छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में इन दो भारतीय सितारों के अलावा, रायन रिकेल्टन 37, मिचेल मार्श 36 और कूपर कोनोली 32 जैसे विदेशी खिलाड़ी भी शामिल हैं, जिन्होंने अपनी टीमों के लिए अहम योगदान दिया है।

आईपीएल में छक्कों का बढ़ता ग्राफ साफ तौर पर देखा जा सकता है- जहां 2023 में 1124 छक्के लगे थे, वहीं 2024 में यह संख्या 1260 तक पहुंची, पिछले सीजन 2025 में 1294 छक्के दर्ज किए गए, और अब 2026 में यह आंकड़ा 1305 तक पहुंच चुका है। यह सीजन बल्लेबाजों के दबदबे और आक्रामक क्रिकेट का पर्याय बन गया है।

राजस्थान रॉयल्स ने मुंबई इंडियंस को 30 रन से हराया, प्लेऑफ में पहुंची

मुंबई (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग के मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुंबई इंडियंस को 30 रन से हरा दिया। इस जीत के साथ ही राजस्थान रॉयल्स ने प्लेऑफ में प्रवेश कर लिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 205 रन बनाए। टीम के लिए ध्रुव जुरेल ने 38 रन, जोफ्रा आर्चर ने तेज़ 32 रन और दसुन शनाका ने 29 रनों की विस्फोटक पारी खेली। वहीं रवींद्र जडेजा ने नाबाद 19 और नंद्रे बर्गर ने 3 गेंदों में 10 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। मुंबई की ओर से दीपक चाहर और शार्दूल ठाकुर ने 2-2 विकेट हासिल किए।

206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही। रोहित शर्मा बिना खाता खोले आउट हो गए। हालांकि सूर्यकुमार यादव ने 60 रन और हार्दिक पंड्या ने 34 रनों की तेज़ पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। विल जैक्स ने भी 33 रन बनाए, लेकिन टीम 20 ओवर में 9 विकेट पर 175 रन ही बना सकी। राजस्थान की जीत के हीरो जोफ्रा आर्चर रहे, जिन्होंने घातक गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में सिर्फ 17 रन देकर 3 विकेट झटके। ब्रिजेश शर्मा और यश पुंजा ने 2-2 विकेट लेकर मुंबई की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी। राजस्थान ने हर विभाग में शानदार खेल दिखाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

लखनऊ सुपरजायंट्स करेगी बदलाव, ऋषभ को कप्तानी से हटाया जाना तय

लखनऊ (एजेंसी)। ऋषभ पंत की कप्तानी में लगातार दसरे सत्र में भी लखनऊ सुपरजायंट्स की टीम का प्रदर्शन आईपीएल में बेहद खराब रहा है और टीम प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच पायी। पंजाब किंग्स के खिलाफ अंतिम लीग मैच में मिली करारी हार के साथ ही टीम का सफर भी समाप्त हो गया।

सुपरजायंट्स की टीम लीग में केवल 4 मैच जीतकर 8 अंकों के साथह ही अंतिम स्थान पर रही, ऐसे में कप्तान ऋषभ पंत पर गाज गिरनी तय है। माना जा रहा है कि अब प्रबंधन ऋषभ को कप्तानी से हटाने जा रहा है। प्रबंधन अगले सत्र को देखते हुए बड़े बदलाव कर सकता है। टीम के डायरेक्टर टॉम मूडी ने संकेत दिये हैं कि अगले सत्र में टीम नये कप्तान के साथ उतरेगी।

पंजाब किंग्स के खिलाफ मिली हार के बाद मूडी ने स्पष्ट किया, जहां तक नेतृत्व की बात है, जिसमें बदलाव को लेकर गंभीरता से विचार किया जाएगा। ऐसा लगता है कि हमें एक नए सिरे से शुरुआत करने पर विचार करने की आवश्यकता है। इस बयान से साफ है कि ऋषभ की कप्तानी जाना तय है।

इस आक्रामक विकेट कीपर बल्लेबाज को हटाए जाने के कई कारण बताए हैं। उनमें से एक ये भी है कि कप्तानी के दबाव में उनकी बल्लेबाजी प्रभावित हुई है।

मेगा नीलामी के लिए लखनऊ ने एक अच्छी टीम तैयार की थी पर वह खिलाड़ियों का सही तरीके से प्रयोग नहीं कर पाये। इस्तेमाल करने में नाकाम साबित हुए। उनके कई फैसले भी गलत रहे। वह स्वयं सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतरे। जिसके कारण निकोलस पूरन को मध्यक्रम में उतारा गया पर ये प्रयोग विफल रहा। इसके बाद पूरन को तीसरे नंबर पर उतरा गया। इस प्रकार ये सत्र बल्लेबाजी क्रम में बदलाव में ही रह गया। इसा पूरा नुकसान टीम को हुआ। इस तरह पूरे सत्र में कप्तान केवल टीम संयोजन में ही लगे रहे। इससे टीम का प्रदर्शन भी प्रभावित हुआ। इसी कारण ऋषभ को कप्तानी खोनी

पड़ रही है।

ऋषभ का स्वयं का प्रदर्शन भी बेहद खराब रहा। वहीं आईपीएल 2024 में उन्होंने 14 मैचों में 138.05 की साधारण स्ट्राइक रेट से केवल 312 रन बनाए, जिसमें वह सिर्फ एक बार 50 रन से ऊपर पहुंच पाये। पिछले सत्र में भी उनका प्रदर्शन खराब रहा और वह केवल 269 रन बना पाये थे। इससे साफ है कि कप्तानी के बोझ से उनकी बल्लेबाजी प्रभवित हो रही है।

बेटे अर्जुन के अच्छे प्रदर्शन पर उत्साहित सचिन ने लिखा भावुक संदेश

मुम्बई । महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर को आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मैच में ही खेलने का अवसर मिला जिसमें अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की। इससे उनके पिता सचिन भी भावुक हो गये। हो भी क्यों न आंखिरकार 13 मैचों के इंतजार के बाद उनके बेटे को अवसर मिला जिसमें उसने अपने को साबित कर दिया। अर्जुन ने इस मैच में चार ओवर में 36 रन देकर एक विकेट लिया। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन को देखकर उत्साहित सचिन ने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिये जाहिर की है। अर्जुन लखनऊ के लिए सबसे कम रन देने वाले गेंदबाज रहे। बेटे के इस बेहतरीन प्रदर्शन पर सचिन ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, शाबाश, अर्जुन! इस सीजन में आपने जिस तरह से अपने को संभाला, उस पर मुझे गर्व है। आपने हमेशा अपनी क्षमताओं पर भरोसा रखा, धैर्य बनाए रखा, चुपचाप कड़ी मेहनत की और अंतिम मैच तक अवसर मिलने का इंतजार करने के बाद भी सकारात्मक बने रहे। सचिन ने आगे कहा, क्रिकेट में कौशल के साथ–साथ धैर्य की भी परीक्षा होती है और आज आपने दोनों को बखूबी निभाया। अपने पैर जमीन पर रखें और हमेशा की तरह खेल के प्रति अपना प्यार बनाए रखें। हमेशा आपके लिए मेरा स्नेह रहेगा। अर्जुन के प्रभावी प्रदर्शन के बाद भी हालांकि सुपरजायंट्स इस मैच में जीत हासिल नहीं कर पायी।

आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज बने शमी

लखनऊ । अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के नाम आईपीएल में एक ऐसा रिकार्ड है जो अन्य किसी भी गेंदबाज के नाम नहीं है। शमी आईपीएल में पहली ही गेंद पर सबसे अधिक बार विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से खेलते हुए शमी ने पंजाब किंग्स के खिलाफ हुए मैच में सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या को अर्जुन तेंदुलकर के हाथों कैच कराकर ये रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने इस मामले में राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर का रिकॉर्ड तोड़ा है। आर्चर ने तक पांच बार इस लीग में पहली ही गेंद पर विकेट लिया था। वहीं शमी ने छठी बार पहली गेंद पर विकेट लेकर अपनी श्रेष्ठता साबित की और यह दिखाया है कि पहले ओवर में बल्लेबाजों के लिए उनका सामना करना कितना कठिन होता है। यह सिर्फ एक रिकॉर्ड नहीं, बल्कि उनकी निरंतरता और हर मैच की शुरुआत में ही प्रभाव छोड़ने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। शमी के इस आईपीएल सत्र के प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने 13 मैचों में 12 विकेट लिए, जिसमें उनका इकोनॉमी रेट 9 का रहा। पिछला सत्र हालांकि उनके लिए अच्छा नहीं रहा था। जिसके बाद बाद सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ ट्रेड कर दिया था। इस सीज़न में उनकी शुरुआत काफी अच्छी रही, हालांकि वह एक मैच से बाहर रहे।

राहुल द्रविड़ ने क्रिकेट के साथ परिवार को भी दी मजबूत पहचान

– बेटे आगे बढ़ा रहे विरासत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज राहुल द्रविड़ को क्रिकेट जगत में 'दीवार' के नाम से जाना जाता है। उनका अंतरराष्ट्रीय करियर जितना शानदार रहा, उतना ही प्रेरणादायक उनका कोचिंग सफर भी रहा है। संन्यास के बाद द्रविड़ ने भारतीय क्रिकेट की नई पीढ़ी को तैयार करने का जिम्मा संभाला और अंडर-19 टीम के कोच के रूप में कई प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को तराशा। उनकी कोचिंग में पृथ्वी शॉ की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने अंडर-19 विश्व कप जीता, जिसमें शुभमन गिल जैसे खिलाड़ी भी शामिल थे। बाद में उन्होंने सीनियर टीम के मुख्य कोच के रूप में रोहित शर्मा के साथ मिलकर भारतीय टीम को नई सफलताएं दिलाईं। वर्ष 2024 में टी-20 विश्व कप जीत के साथ उनका कार्यकाल यादगार अंदाज में समाप्त हुआ।

11 जनवरी 1973 को इंदौर में जन्मे राहुल द्रविड़ मराठी ब्राह्मण परिवार से आते हैं। उनके पिता शरद द्रविड़ एक खाद्य कंपनी में वरिष्ठ पद पर कार्यरत थे, जबकि उनकी मां पुष्पा द्रविड़ इंजीनियरिंग कॉलेज में आर्किटेक्चर की प्रोफेसर थीं। परिवार में शिक्षा और अनुशासन का माहौल रहा, जिसका असर राहुल के व्यक्तित्व में भी साफ दिखाई देता है। उनके छोटे भाई विजय द्रविड़ ने भी शुरुआती दिनों में उनका पूरा साथ दिया। साल 2003 में राहुल द्रविड़ ने नागपुर की सर्जन डॉ. विजेता पेंढारकर से विवाह किया। दोनों की मुलाकात पारिवारिक संबंधों के जरिए हुई थी। शादी के बाद विजेता ने मेडिकल पेशे के साथ परिवार की जिम्मेदारियां भी संभालीं। राहुल कई बार कह चुके हैं कि उनकी सफलता में पत्नी का बड़ा योगदान रहा है। दंपति के दो बेटे हैं, समित द्रविड़ और अन्वय द्रविड़। राहुल हमेशा अपने बच्चों को मीडिया की चकाचौंध से दूर रखते आए हैं और उन्हें सामान्य जीवन देने की कोशिश करते हैं।

अब द्रविड़ परिवार की क्रिकेट विरासत उनके बेटे आगे बढ़ाते नजर आ रहे हैं। समित द्रविड़ एक ऑलराउंडर खिलाड़ी हैं और कर्नाटक की आयु वर्ग टीमों के लिए शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं। उन्होंने कूच बेहार ट्रॉफी में बल्ले और गेंद दोनों से प्रभाव छोड़ा। वहीं छोटे बेटे अन्वय द्रविड़ विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में पहचान बना रहे हैं। उन्होंने विजय मर्चेंट ट्रॉफी में बेहतरीन बल्लेबाजी की और कर्नाटक टीम की कप्तानी भी संभाली। इस तरह राहुल द्रविड़ की क्रिकेट यात्रा अब नई पीढ़ी के जरिए आगे बढ़ती दिखाई दे रही है।

एरिक सिमंस बोले वापसी का फैसला खुद माही ही करेंगे

नई दिल्ली । चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एरिक सिमंस ने टीम के अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज महेंद्र सिंह धोनी के अगले आईपीएल सत्र में खेलने को लेकर बड़ा बयान दिया है। सिमंस ने साफ कहा कि धोनी खुद तय करेंगे कि वह कब और कैसे मैदान पर वापसी करेंगे। उन्होंने बताया कि पैर की चोट के कारण 44 वर्षीय धोनी इस सत्र में एक भी मुकाबला नहीं खेल पाए, लेकिन नेट अभ्यास के दौरान उनकी बल्लेबाजी ने सभी को प्रभावित किया। जब सिमंस से पूछा गया कि क्या धोनी अगले सीजन में उपलब्ध रहेंगे, तो उन्होंने हैरानी जताते हुए कहा कि यह फैसला पूरी तरह धोनी पर निर्भर करेगा। उन्होंने कहा कि चोट की वजह से धोनी को दौड़ने में काफी परेशानी हो रही थी, जिसके कारण वह मैच नहीं खेल सके। हालांकि, नेट्स में उनकी बल्लेबाजी पहले जैसी ही नजर आ रही थी। सिमंस ने दोहराया कि धोनी हमेशा अपनी फिटनेस और टीम की जरूरत को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला लेते हैं। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व ऑलराउंडर सिमंस ने कहा कि धोनी कभी व्यक्तिगत उपलब्धियों को प्राथमिकता नहीं देते। उनके अनुसार, अगर धोनी को लगता है कि वह पूरी तरह फिट नहीं हैं तो वह नहीं खेलेंगे, लेकिन यदि वह खुद को तैयार महसूस करेंगे तो निश्चित रूप से मैदान पर उतरेंगे। उन्होंने कहा कि धोनी हमेशा टीम के हित को सबसे ऊपर रखते हैं और उनका खेलना टीम के लिए फायदेमंद साबित होता है। सिमंस ने इस सीजन में टीम की फील्डिंग को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि चेन्नई सुपर किंग्स की फील्डिंग उम्मीद के मुताबिक नहीं रही, जबकि टीम ने इस विभाग में काफी मेहनत की थी। उन्होंने कहा कि पूरे टूर्नामेंट में टीम ने कई शानदार कैच लिए, लेकिन कुछ आसान मौके भी गंवाए, जिसने उन्हें निराश किया। सिमंस के मुताबिक फील्डिंग कोच अब इस बात का विश्लेषण करेंगे कि टीम को आगे कैसे बेहतर किया जाए।

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज हारते ही पाकिस्तान टीम पर बरसे कोच सरफाराज

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच सरफाराज अहमद ने बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में मिली 2–0 की शर्मनाक हार पर निराशा जताते हुए टीम को कड़ी फटकार लगायी है। सिलहट में हुए दूसरे और अंतिम टेस्ट में 58 रन से मिली हार के बाद सरफराज ने टीम बैठक में खिलाड़ियों की नकारात्मक मानसिकता और व्यक्तिगत प्रदर्शन पर भी सवाल उठाए। इस दौरान टीम मैनेजर नवेद चीमा और सहयोगी स्टाफ के सदस्य भी उपस्थित थे। सरफराज ने विशेष रुप से बल्लेबाजों पर निशाना साधा और कहा कि खिलाड़ी केवल अपने आंकड़ों के लिए खेलते दिखे। कही भी ऐसा नहीं लगा कि टीम के लिए खेल रहे हों। उन्होंने कहा, व्यक्तिगत प्रदर्शन अच्छा होना चाहिए पर उसका लाभ टीम को नहीं मिले तो कोई मतलब नहीं निकलता। ।पूरी सीरीज में टीम का एक भी बल्लेबाज 200 रन तक नहीं पहुंच सका। केवल युवा अजान अवैस ने ही शतक लगाया। कोच ने सीनियर खिलाड़ियों पर जिम्मेदारी से नहीं खेलने का भी आरोप लगाया। रिपोर्ट के अनुसार सरफराज, कप्तान शान मसूद की खराब कप्तानी से भी नाराज दिखे। उन्होंने मैदान पर फैसले लेने में कमजोरी और डिआरएस रिव्यू नहीं लेने जैसे मामलों पर भी सवाल उठाये। गौरतब है कि दूसरे टेस्ट में पाक टीम ने बांग्लादेश के मुशफिकुर रहीम और लिटन दास के खिलाफ अहम रिव्यू नहीं लिया जब लिटन दास 52 रन पर थे पर बाद में , उन्होंने 126 रन की शानदार पारी खेलकर अपनी टीम को जीत दिला दी। बांग्लादेश ने इससे 6 विकेट पर 116 रनों के बाद भी मैच में वापसी कर ली। ये भी कहा जा रहा है कि सरफराज जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे तक मुख्य कोच बने रहेंगे। पाक टीम को वेस्टइंडीज में वहां दो टेस्ट मैच खेलने हैं, जिसके बाद इंग्लैंड दौरा भी होना है। इस दौर में शॉन मसूद यायद ही कप्तान रहें। उनकी कप्तानी में पाक टीम 16 टेस्ट में से 12 हारी है।

श्रेयस अय्यर ने बनाया खास रिकॉर्ड, आईपीएल में लक्ष्य हासिल करते हुए शतक लगाने वाले चौथे कप्तान बने

लखनऊ (उत्तर प्रदेश) (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (PBKS) के कप्तान श्रेयस अय्यर इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) के इतिहास में रन चेज करते हुए सेंचुरी बनाने वाले चौथे कप्तान बन गए हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स (LSG) के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मैच में अय्यर, वीरेंद्र सहवाग, विराट कोहली और संजू सैमसन के साथ IPL की एक खास लिस्ट में शामिल हो गए। उन्होंने 51 गेंदों में 101* रन बनाए जिसमें 11 चौके और 5 छक्के शामिल थे, और उनका स्ट्राइक रेट 198.04 रहा।

इससे पहले रन चेज़ करते हुए शतक लगाने वाले कप्तान वीरेंद्र सहवाग (2011 में डेक्कन चार्जर्स के खिलाफ 119 रन), विराट कोहली (2016 में राइजिंग पुणे सुपर जायंट के खिलाफ 108* रन) और संजू सैमसन (2021 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 119 रन) थे। अय्यर, केएल राहुल (2020 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 132*) और एडम गिलक्रिस्ट (2011 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ

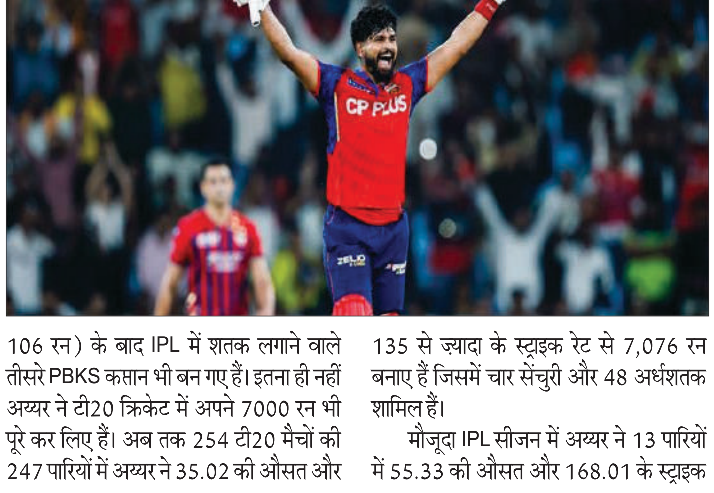

106 रन) के बाद IPL में शतक लगाने वाले तीसरे PBKS कप्तान भी बन गए हैं। इतना ही नहीं अय्यर ने टी20 क्रिकेट में अपने 7000 रन भी पूरे कर लिए हैं। अब तक 254 टी20 मैचों की 247 पारियों में अय्यर ने 35.02 की औसत और 135 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 7,076 रन बनाए हैं जिसमें चार सेंचुरी और 48 अर्धशतक शामिल हैं।

मौजूदा IPL सीजन में अय्यर ने 13 पारियों में 55.33 की औसत और 168.01 के स्ट्राइक रेट से 498 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और पांच अर्धशतक शामिल हैं और उनका बेस्ट स्कोर 101* है। पंजाब किंग्स (PBKS) के लिए अय्यर ने 31 मैचों की 30 पारियों में 52.47 की औसत और 172 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 1102 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और 11 अर्धशतक शामिल हैं।

मैच की बात करें तो PBKS ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। जोश इंग्लिस (44 गेंदों में 72 रन, 9 चौके और दो छक्के), आयुष बडोनी (18 गेंदों में 43 रन, 5 चौके और 3 छक्के) और अब्दुल समद (20 गेंदों में 37* रन, तीन चौके और तीन छक्के) की तूफानी पारियों की बदौलत टीम 20 ओवरों में 196/6 के स्कोर तक पहुंच गई। PBKS की तरफ से युजवेंद्र चहल (2/25) और मार्को जानसेन (2/33) सबसे सफल गेंदबाज रहे।

लक्ष्य का पीछा करते हुए अय्यर (51 गेंदों में 101* रन, 11 चौके और 5 छक्के) और प्रभसिमरन सिंह (39 गेंदों में 69 रन, सात चौके और दो छक्के) टीम के हीरो साबित हुए। उन्होंने टीम को एक बेहद जरूरी जीत दिलाई जिससे उनकी लगातार छह मैचों की हार का सिलसिला टूट गया। टीम ने 7 विकेट और दो ओवर शेष रहते यह जीत हासिल की।

PBKS पॉइंट्स टेबल में 7 जीत और छह हार के साथ 15 अंकों के साथ चौथे स्थान पर वापस आ गई है। अगर आज राजस्थान रॉयल्स (RR) मुंबई इंडियंस (MI) को हरा देती है तो PBKS टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी और RR 16 अंकों के साथ चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर लेगी। अगर RR हार जाती है, तो कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) को दिन के दूसरे मैच में दिल्ली कैपिटल्स (DC) को बड़े अंतर से हराना होगा ताकि वे नेट-रन-रेट के मामले में PBKS से आगे निकल सकें और 15 अंकों के साथ उनकी बराबरी करके चौथा प्लेऑफ स्थान हासिल कर सकें। अब पंजाब किंग्स की किस्मत इन दो मैचों पर निर्भर है।

आईपीएम की चौथी टीम के लिए रॉयल्स सबसे बड़ी दावेदार

मुम्बई । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में जहां प्लेऑफ के लिए लिए पहले तीन स्थान तय हो गये हैं। वहीं चौथे स्थान के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर), राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच मुकाबला है। इन तीनों में से, राजस्थान रॉयल्स की दावेदारी सबसे मजबूत है। उसके पास अपने बल पर प्लेऑफ में पहुंचने का सबसे अच्छा अवसर है। यदि राजस्थान मुंबई इंडियंस (एमआई) को हरा देती है, तो सीधे शीर्ष 4 में पहुंच जाएगी। वहीं अगर वह यह मैच हार जाते हैं, तो बाहर हो जाएगी। ऐसे में चौथे स्थान के लिए पंजाब किंग्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच टक्कर होगी और इसमें नेट रन रेट से फैसला होगा। कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए प्लेऑफ्स का रास्ता थोड़ा जटिल है और कई समीकरणों पर निर्भर करता है। उन्हें न सिर्फ अपने आखिरी मैच में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को हर हाल में हराना होगा, बल्कि यह भी उम्मीद करनी होगी कि मुंबई इंडियंस, राजस्थान रॉयल्स को हरा दे। वहीं पंजाब किंग्स पहले ही अपने सभी लीग मुकाबले खेल चुकी है और उसके 15 अंक हैं।

आईटीआर फाइलिंग में एआई की एंट्री, जरा सी चूक भी बुला सकती है मुसीबत

-आयकर विभाग ने आईटीआर जांच के लिए एआई और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम शुरू किया

नई दिल्ली ।

आयकर विभाग ने आईटीआर फाइलिंग की प्रक्रिया में बड़ा बदलाव करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और ऑटोमैटिक डेटा मैचिंग सिस्टम को लागू कर दिया है। इसका सीधा मकसद हर आय और लेन-देन पर बारीकी से नजर रखना है। ऐसे में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए ढ्ढञ्जक्र भरते समय की गई कोई भी छोटी चूक आपको टैक्स नोटिस का शिकार बना सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि एआईएस (एनुअल इंफारमेंशन स्टेटमेंट) को ध्यान से जांचना अब बेहद जरूरी है। इसमें आपकी सैलरी, बैंक ब्याज, निवेश, प्रॉपर्टी और टीडीएस की पूरी जानकारी होती है। इसे फॉर्म 16, फॉर्म 26एएस, बैंक स्टेटमेंट जैसे अपने अन्य दस्तावेजों से मिलाकर ही आईटीआर फाइल करें। एआईएस और आपके आईटीआर में थोड़ा भी अंतर पाए जाने पर विभाग तुरंत नोटिस भेज सकता है। सैलरी का गलत विवरण, बैंक ब्याज छिपाना या टीडीएस का गलत दावा आम गलतियां हैं। शेयर, म्यूचुअल फंड या प्रॉपर्टी बिक्री से हुए कैपिटल गेन को सही दिखाना अनिवार्य है। कारोबारियों के लिए जीएसटी रिटर्न और आईटीआर आंकड़ों का मिलान महत्वपूर्ण है, एआई सिस्टम किसी भी विसंगति को तुरंत पकड़ेगा। इसलिए हर जानकारी सटीक व स्पष्ट दें

कपास आयात शुल्क हटाने पर सरकार गंभीर

कपड़ा उद्योग को मिल सकती है राहत

नई दिल्ली ।

कच्चे कपास के आयात पर लगने वाले 11 प्रतिशत सीमा शुल्क को हटाने की मांग पर सरकार गंभीरता से विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस संबंध में विभिन्न मंत्रालयों के बीच परामर्श अंतिम चरण में है, जिससे घरेलू कपड़ा उद्योग को बढ़ती लागत के बोझ से राहत मिलने की उम्मीद है। अधिकारी ने बताया कि वित्त मंत्रालय, कपड़ा मंत्रालय और कृषि मंत्रालय इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर गहन चर्चा कर रहे हैं। घरेलू कपड़ा उद्योग लंबे समय से आयात शुल्क हटाने की मांग कर रहा है ताकि कपास की बढ़ती कीमतों से उद्योग पर बढ़ रहे लागत के बोझ को कम किया जा सके। अधिकारी ने संकेत दिया कि परामर्श प्रक्रिया काफी आगे बढ़ चुकी है और निकट भविष्य में इस पर अंतिम निर्णय होने की प्रबल संभावना है। हाल ही में परिधान उद्योग और निर्यातकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन तथा कई केंद्रीय मंत्रियों से मुलाकात कर इस शुल्क को हटाने की जोरदार मांग उठाई थी। उद्योग के अनुसार चालू वर्ष में कपास की अनुमानित आवश्यकता लगभग 337 लाख गांठ (एक गांठ 170 किलोग्राम) है, जबकि 2025-26 सत्र में आवक केवल 292.15 लाख गांठ रहने का अनुमान है।

पेट्रोल-डीजल के नए दाम जारी, कुछ शहरों में गिरावट

महानगरों में स्थिरता ग्लोबल उतार-चढ़ाव के बीच चेन्नई में महंगा हुआ तेल

नई दिल्ली ।

सरकारी तेल कंपनियों ने रे विवार को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतें जारी कर दी हैं। ग्लोबल मार्केट में जारी उतार-चढ़ाव और देश के टैक्स स्ट्रक्र के बीच आम उपभोक्ताओं को मिला-जुला अनुभव मिला है। जहां दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में कीमतें पूरी तरह स्थिर बनी हुई हैं, वहीं पटना, नोएडा और गुरुग्राम जैसे शहरों में गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को थोड़ी राहत मिली है। दूसरी ओर चेन्नई में तेल थोड़ा महंगा हुआ है। देश के चार बड़े महानगरों दिल्ली में पेट्रोल 99.51 प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर के पुराने भाव पर ही मिल रहा है। इसी तरह मुंबई में भी पेट्रोल 108.45 प्रति लीटर और डीजल 95.02 रुपए प्रति लीटर पर स्थिर बना हुआ है। राहत की बात यह है कि बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 53 पैसे सस्ता होकर 110.47 और डीजल 50 पैसे गिरकर 96.53 रुपए प्रति लीटर पर आ गया है।

कतर की कंपनी ने अडाणी ग्रुप के 48.05 लाख शेयर बिड़ला म्यूचुअल फंड को बेचे

आज शेयर बाजारों में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली।

कतर इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी से संबद्ध कतर होल्डिंग एलएलसी ने खुले बाजार में सौदे के जरिए अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के 48.05 लाख शेयर 643 करोड़ रुपए में बिड़ला म्यूचुअल फंड को बेच दिए हैं। एसई पर थोक सौदों के बारे में उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक कतर होल्डिंग एलएलसी ने शुक्रवार को 48,05,974 शेयरों को 1,339 रुपए प्रति शेयर के औसत भाव पर बेचा। यह कंपनी में 0.40 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। इस दौरान बिड़ला म्यूचुअल फंड ने इतने ही शेयर उसी कीमत पर खरीद लिए। इस खबर के सामने आने के बाद अब सोमवार को शेयर बाजारों में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर फोकस में रहेंगे। रिपोर्ट के मुताबिक अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस ने तिमाही नतीजों का ऐलान पिछले महीने किया था। कंपनी ने दी जानकारी में बताया था कि जनवरी से मार्च 2026 के दौरान कुल नेट प्रॉफिट 723 करोड़ रुपए है। सालाना आधार पर कंपनी के नेट प्रॉफिट में 1.3 फीसदी का इजाफा हुआ। एक साल पहले इसी मार्च तिमाही में अडाणी ग्रुप की इस कंपनी का नेट प्रॉफिट 714 करोड़ रुपए रहा था। जनवरी से मार्च 2026 में कंपनी की इनकम 7588.08 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले मार्च क्वार्टर के दौरान कंपनी की कुल कमाई 6596.39 करोड़ रुपए रहा। बता दें वित्त वर्ष 2026 में अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का नेट प्रॉफिट 2392.75 करोड़ रहा था। यानी पिछले वित्त वर्ष की तुलना में दो गुना ज्यादा। तब कंपनी का नेट प्रॉफिट 921.69 करोड़ रुपए रहा था। शुक्रवार को अडाणी एनर्जी सॉल्यूशंस के शेयर बीएसई में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 1368 रुपए के स्तर पर बंद हुए थे।

रेलवे को मिलेगी रफ्तार! आईआरएफसी जुटाएगी 2 अरब डॉलर का विदेशी कर्ज

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय रेल वित्त निगम (आईआरएफसी) ने चालू वित्त वर्ष में रेलवे परियोजनाओं के विस्तार के लिए बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) के जरिये 2 अरब डॉलर जुटाने की योजना बनाई है। यह धनराशि मुख्य रूप से जापानी येन में जुटाई जाएगी और कंपनी के 70,000 करोड़ रुपये के संसाधन जुटाने के कार्यक्रम का एक अहम हिस्सा है। आईआरएफसी के एक प्रमुख अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने पहले ही बैंकों के एक समूह के साथ 1.1 अरब डॉलर के बराबर जापानी येन में ईसीबी ऋण जुटाने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। परियोजनाओं की मजबूत पाइपलाइन को देखते हुए जून तिमाही के भीतर ही धनराशि का वितरण शुरू होने की उम्मीद है। यह ऋण पांच वर्ष की अवधि के लिए लिया गया है और इसका उपयोग रेलवे क्षेत्र से जुड़ी या ईसीबी दिशानिर्देशों के तहत अनुपालन वाली अन्य परियोजनाओं के वित्तपोषण में किया जाएगा। रेल मंत्रालय के तहत आने वाली नवरत्न कंपनी आईआरएफसी ने चालू वित्त वर्ष में एक लाख करोड़ रुपये की ऋण स्वीकृति और लगभग 40,000 करोड़ रुपये के ऋण वितरण का लक्ष्य रखा है।

निर्यात बढ़ाने को एफटीए का प्रभावी कार्यान्वयन जरूरी: विशेषज्ञ

भारत में उपयोग दर 25 फीसदी पर, अब हस्ताक्षर से ज्यादा लागू करने पर हो ध्यान

नई दिल्ली ।

विशेषज्ञों का मानना है कि मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) के मोर्चे पर भारत की अगली प्राथमिकता उनके व्यावहारिक कार्यान्वयन और निर्यातकों को इनका इस्तेमाल सिखाने की होनी चाहिए। कई बड़े एफटीए पर हस्ताक्षर के बावजूद, असली चुनौती उनका सही उपयोग सुनिश्चित करना है। विशेषज्ञों के अनुसार सरकार और उद्योग को अब एफटीए पर हस्ताक्षर से एफटीए के कार्यान्वयन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। वर्तमान में भारत में एफटीए की उपयोग दर लगभग 25 प्रतिशत है, जो विकसित देशों के 70-80 प्रतिशत से काफी कम है, जिससे भारतीय निर्यातक पूरा लाभ नहीं उठा पा रहे। एक कंसल्टिंग फर्म ने कहा कि एफटीए के लाभ सीमा शुल्क स्तर पर इस्तेमाल हों और निर्यात बढ़ाएं। भारत ने अनेक महत्वपूर्ण बाजारों से करार किए हैं, जो वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव में नए व्यापारिक रास्ते खोल सकते हैं। विशेषज्ञों ने कपड़ा, चमड़ा, इंजीनियरिंग, फार्मा जैसे क्षेत्रों को उत्पादन से जुड़ी (पीएलआई) जैसी योजनाओं का अतिरिक्त समर्थन तथा अंतरराष्ट्रीय गुणवत्ता व हरित नियमों (विशेषकर यूरोपीय बाजारों के लिए) के अनुरूप घरेलू प्रमाणन प्रणाली मजबूत करने का सुझाव दिया है।

सन फार्मा: गिरावट में खरीदारी का मौका? नई दवा और बुलंद टारगेट से चमकेगा शेयर

शेयर ने छुआ 52-वीक हाई, शुक्रवार को दिखी मुनाफावसूली

नई दिल्ली।

फार्मा सेक्टर की दिग्गज कंपनी सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज के शेयरों ने हाल ही में अपने 52-वीक हाई को छुआ, लेकिन सप्ताह के अंत में हुई हल्की मुनाफावसूली ने निवेशकों के मन में सवाल खड़े कर दिए। हालांकि, बाजार विशेषज्ञ इसे खरीदारी के एक बेहतरीन अवसर के रूप में देख रहे हैं। कंपनी की नई डायबिटीज और मोटापे की दवा सेमाग्लूटाइड (जीएलपी-1) के सफल क्लीनिकल ट्रायल और ब्रोकरेज फर्म एचडीएफसी सिक्योरिटीज की बाय रेटिंग के साथ बढ़ाए गए टारगेट प्राइस ने निवेशकों के लिए सुनहरे भविष्य का संकेत दिया है। सन फार्मा के शेयर ने इस हफ्ते 1917.15 रुपये के 52-वीक हाई को छुआ, जो इसके ऑल-टाइम हाई से केवल 4 फीसदी नीचे है। शुक्रवार को 2.43 फीसदी की मामूली गिरावट के साथ 1,845.20 रुपये पर बंद होने के बावजूद, विश्लेषक इसे लंबी अवधि के निवेशकों के लिए एक आकर्षक प्रवेश बिंदु मान रहे हैं। कंपनी के लिए सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट इसकी नई दवा सेमाग्लूटाइड मानी जा रही है। यह दवा डायबिटीज और मोटापे के इलाज में वैश्विक स्तर पर काफी प्रभावी साबित हुई है। सन फार्मा द्वारा विकसित इसका ओरल सॉलिड फॉर्म (खाने वाली गोली) अपने क्लीनिकल ट्रायल सफलतापूर्वक पूरे कर चुका है और अब भारतीय ड्रग रेगुलेटर से अंतिम मंजूरी का इंतजार कर रहा है। यह दवा घरेलू बाजार में कंपनी के लिए गेम चेंजर साबित हो सकती है। चौथी तिमाही के शानदार नतीजों के बाद, ब्रोकरेज हाउस एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने सन फार्मा पर अपनी बाय रेटिंग बरकरार रखते हुए टारगेट प्राइस को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,120 रुपये प्रति शेयर कर दिया है। ब्रोकरेज के अनुसार, कंपनी के ग्रॉस मार्जिन में 118 बेसिस पॉइंट का प्रभावशाली सुधार देखा गया है। हालांकि कर्मचारियों की सैलरी और रिसर्च पर हुए खर्च के कारण ऐ बिटा ग्रोथ 3 फीसदी तक सीमित रही, लेकिन कंपनी का ग्लोबल स्पेशियलिटी बिजनेस 20त्न और भारतीय कारोबार 15त्न की दर से बढ़ा है। इलुम्या, सेक्वा और विनलेवी जैसे प्रमुख ब्रांड्स की मजबूत वैश्विक मांग अमेरिकी बाजार में संभावित सुस्ती के प्रभाव को बेअसर करने में सक्षम है। ऐसे में, विश्लेषकों का मानना है कि सन फार्मा लंबी अवधि के निवेशकों को बंपर रिटर्न देने की राह पर है।

सोना 3 लाख तो चांदी 5 लाख रुपए के जा सकती है पार, बढ़ी टेंशन

रॉबर्ट कियोसाकी ने गोल्ड-सिल्वर की कीमतों को लेकर की भविष्यवाणी

नई दिल्ली।

'रिच डैड पुअर डैड' के लेखक रॉबर्ट कियोसाकी ने एक बार फिर से गोल्ड और सिल्वर की कीमतों को लेकर भविष्यवाणी की है। साथ ही उन्होंने शेयर बाजार में आने वाले समय में भारी गिरावट की बात कही है, जिसकी वजह से चर्चाओं का बाजार गर्म है। सोशल मीडिया पोस्ट में रॉबर्ट कियोसाकी ने लिखा- दिग्गज मार्केट विश्लेषक जिम रिकार्ड्स का मानना है कि गोल्ड का रेट 1000 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। वहीं, चांदी का रेट 200 डॉलर प्रति आउंस तक पहुंच सकता है। इस समय सोने का रेट 4500 डॉलर प्रति आउंस है। वहीं, चांदी का रेट 75 डॉलर प्रति आउंस है यानी घरेलू बाजार में सोने का रेट 300000 रुपए और चांदी का रेट 500000 रुपए के पार जा सकता है। ईंधन की कीमतों में जारी तेजी की वजह से दुनिया भर में महंगाई बढ़ गई है, जिसका असर वहां के शेयर बाजारों पर भी दिख रहा है। वैश्विक अस्थिरता की वजह से शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखने को मिल रही है। भारतीय शेयर बाजार में इससे अछूता नहीं है। रॉबर्ट कियोसाकी अपने पोस्ट में लिखते हैं कि अच्छे निवेशक भविष्य को देख लेते हैं और उसी हिसाब से एक्शन लेते हैं। रॉबर्ट कियोसाकी की नई भविष्यवाणी की वजह से एक बार फिर से टेंशन बढ़ गई है। इस बात की बहस छिड़ गई है कि क्या आने वाले समय में एक बार फिर से दुनिया मंदी की ओर बढ़ रही है। एक रिपोर्ट के मुताबिक शुक्रवार को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 158117 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 23 कैरेट गोल्ड का रेट 157484 रुपए, 22 कैरेट गोल्ड का रेट 144835 रुपए, 18 कैरेट गोल्ड का रेट 118588 रुपए और 14 कैरेट गोल्ड का रेट 92498 रुपए प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी का रेट शुक्रवार की शाम को 266000 रुपए था। बता दें शनिवार और रविवार को छुट्टी की वजह से नई कीमतें जारी नहीं की गई हैं। बता दें पीएम मोदी ने लोगों से एक साल तक सोना ना खरीदने की अपील की है।

घरेलू पर्यटन पर ईजमाई ट्रिप की नई उड़ान, एआई और विरासत से मजबूत होगा सफर

90 फीसदी आय घरेलू यात्रा से, एआई और विरासत परियोजनाओं में निवेश से मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

यात्रा बुकिंग मंच ईजमाई ट्रिप (ईएमटी) भारत में घरेलू पर्यटन के बढ़ते रुझान का लाभ उठाते हुए दीर्घकालिक वृद्धि और अपने यात्रा पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने पर केंद्रित है। कंपनी के एक अे धिकारी ने बताया कि उनकी करीब 90 फीसदी आय घरेलू यात्रा से आती है और वे बदलते भारतीय यात्री अनुभवों पर विशेष ध्यान दे रहे हैं। अे धिकारी ने कहा कि भारतीयों में घरेलू पर्यटन को लेकर जबरदस्त रुचि है। भारतीय यात्री अब सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित न रहकर सांस्कृतिक, धार्मिक, अनुभव-आधारित और क्षेत्रीय पर्यटन की ओर आकर्षित हो रहे हैं, विशेषकर देश के विभिन्न हिस्सों की विरासत और संस्कृति को देखने में। दीर्घकालिक संभावनाओं को देखते हुए ईजमाई ट्रिप अपनी सीएसआर इकाई ईजमाई ट्रिप फाउंडेशन के माध्यम से कुतुब मीनार परिसर में सेवी कैफेटेरिया जैसी पर्यटक-केंद्रित परियोजनाएं शुरू कर रही है। ऑनलाइन यात्रा क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच, कंपनी कृत्रिम मेधा (एआई) में भी निवेश कर रही है, ताकि सेवाओं को बेहतर बनाया जा सके, ग्राहकों को व्यक्तिगत अनुभव मिल सकें और डिजिटल मंच मजबूत हो।

कोल इं डिया का सिनगैस उत्पादन पर जोर, ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगी मजबूती

गैस आपूर्ति में दिककतों के बीच कोल इंडिया की सिनगैस इकाइयां लगाने की योजना

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की प्रमुख कोयला कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण गैस आपूर्ति में आ रही बाधाओं से निपटने और देश की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए कोयले से सिनगैस उत्पादन इकाइयां स्थापित करने की तैयारी में है। सिनगैस, मुख्यतः कार्बन मोनोऑक्साइड और हाइड्रोजन का मिश्रण होता है, जिसका उपयोग बिजली, उर्वरक और स्वच्छ ईंधन बनाने में होता है। कोल इंडिया, जो देश के कुल कोयला उत्पादन में 80 फीसदी से अधिक का योगदान करती है, इस दिशा में शुरुआती कदम उठा चुकी है। कंपनी इन संयंत्रों को या तो कोयला खदानों के पास (पिटहेड) या फिर औद्योगिक उपभोक्ताओं जैसे उर्वरक संयंत्रों, गैस आधारित बिजलीघरों और डायरेक्ट-रिड्यूस्ड आयरन (डीआरआई) इकाइयों के समीप स्थापित करेगी।

यह पहल राष्ट्रीय कोयला गैसीकरण मिशन और रासायनिक कच्चे माल की सुरक्षा को सुदृढ़ करने की सरकारी रणनीति का हिस्सा है। इन परियोजनाओं को बिल्ड-ओन-ऑपरेट या बिल्ड-ऑपरेट-मेंटेन मॉडल पर विकसित किया जाएगा, जिसके लिए कंपनी ने संभावित बोलीदाताओं की पहचान हेतु रुचि पत्र जारी किए हैं। इसके अलावा सीआईएल उन औद्योगिक ग्राहकों की भी तलाश कर रही है जो दीर्घकालिक समझौतों के तहत सिनगैस का उपयोग कर सकें।

इस कदम का उद्देश्य कोयले के परिवहन लागत को कम करना, उद्योगों को सस्ती और विश्वसनीय सिनगैस आपूर्ति सुनिश्चित करना, तथा स्वच्छ ईंधन, उर्वरक और रसायन उत्पादन के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता बढ़ाना है। यह देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

हीरो मोटोकॉर्प का चालू वित्त वर्ष में दोहरे अंक की वृद्धि का लक्ष्य

12 से अधिक नए उत्पाद उतारेगी कंपनी

नई दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी दोपहिया वाहन विनिर्माता हीरो मोटोकॉर्प ने वित्तीय वर्ष 2026-27 तक दोहरे अंक की वृद्धि हासिल करने का भरोसा जताया है। कंपनी इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए 12 से अधिक नए उत्पाद बाजार में उतारेगी और इलेक्ट्रिक स्कूटर कारोबार को तेजी से बढ़ाएगी। कंपनी के एक अे धिकारी के अनुसार स्कूटर कारोबार, विशेषकर इलेक्ट्रिक सेगमेंट, भविष्य के विकास का प्रमुख केंद्र होगा। उन्होंने 2030 तक कुल स्कूटर बिक्री में इलेक्ट्रिक स्कूटर की 50 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी का लक्ष्य रखा। उन्होंने कम प्रदूषण वाले पावरट्रेन की बढ़ती मांग के मद्देनजर बाजार में अग्रणी स्थिति बनाए रखने पर जोर दिया। उन्होंने कहा` कि भारतीय दोपहिया बाजार में तीव्र प्रतिस्पर्धा मानी, लेकिन बताया कि पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने अपनी बाजार स्थिति मजबूत की है। सियाम के आंकड़ों के अनुसार, हीरो ने अपनी अग्रणी बढ़त फिर से बढ़ाई है, जिसका श्रेय स्कूटर, इलेक्ट्रिक वाहन, 125 सीसी से ऊपर की मोटरसाइकिल और प्रवेश स्तर की बाइकों में मजबूत प्रदर्शन को जाता है। चालू वित्त वर्ष में भी दोहरे अंक की वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है, जिसमें निर्यात और इलेक्ट्रिक वाहनों की भूमिका अहम होगी।

वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर निर्भर करेगी शेयर बाजार की चाल

दिग्गज कंप नियों के प रिणामों पर भी रहेगी निवेशकों की नजर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में पिछले सप्ताह रही गिरावट के बाद इस सप्ताह में निवेशकों की नजर प्रमुख वैश्विक कारकों और घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर टिकी रहेगी। अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर हर दिन आ रहे अलग-अलग बयानों से बाजार में जारी अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव प्रमुख कारक होंगे। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों में काफी उठापटक देखने को मिली, जहां एक दिन बाजार में तेजी दर्ज हुई तो अगले ही दिन वह फिसलता दिखा। यह रुझान मुख्य रूप से अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता को लेकर आ रहे परस्पर विरोधी बयानों के कारण रहा, जिसने निवेशकों के सेंटिमेंट को प्रभावित किया। इस सप्ताह में भी इन वैश्विक घटनाक्रमों पर बाजार की पैनी नजर रहेगी, क्योंकि भू-राजनीतिक खबरें बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगी। घरेलू मोर्चे पर अप्रैल माह के औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) के आंकड़े सप्ताह के दौरान जारी होने हैं। ये आंकड़े देश की आर्थिक गतिविधियों और औद्योगिक वृद्धि की तस्वीर पेश करेंगे, जिसका सीधा असर निवेश धारणा पर पड़ सकता है। यदि आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहे तो बाजार को गति मिल सकती है, अन्यथा नकारात्मक प्रभाव भी संभव है। इसके अलावा कुछ दिग्गज कंपनियों, जैसे ओएनजीसी और इंडिगो, के वित्तीय परिणाम भी सामने आने वाले हैं। इन परिणामों से कंपनियों के प्रदर्शन और भविष्य की संभावनाओं को लेकर तस्वीर साफ होगी, जो बाजार के सेंटिमेंट को प्रभावित कर सकती है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा समय में बाजार का सेंटिमेंट धीरे-धीरे सुधर रहा है और निवेशक हर गिरावट को खरीदारी के अवसर के रूप में देख रहे हैं। हालांकि, उन्होंने ट्रेडर्स को सलाह दी है कि वे इस सप्ताह बेहद चुनिंदा शेयरों में ही हाथ डालें और जोखिम प्रबंधन का पूरा ध्यान रखें। विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार पूरी तरह से वैश्विक खबरों और भू-राजनीतिक गतिविधियों के अनुसार चल रहा है।

बीते सप्ताह कमजोर रुपया और बढ़ती मांग से तेल-तिलहन बाजार में मजबूती

आयातकों का घाटा घटने से भी मिली कीमतों को मदद, भविष्य में रकबा बढ़ने के आसार

नई दिल्ली ।

बीते सप्ताह रुपये के मूल्य में गिरावट और देश में बढ़ती मांग के चलते बीते सप्ताह सभी तेल-तिलहनों के दाम मजबूत रहे। डॉलर के मुकाबले रुपये के कमजोर होने से आयातित खाद्य तेल महंगे हो गए, जबकि घरेलू मांग ने स्थानीय तिलहन बाजारों को भी सहारा दिया। बाजार सूत्रों के अनुसार डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट ने आयातित सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन जैसे तेलों को महंगा कर दिया। आयातकों ने भी लागत से नीचे माल बेचने का घाटा कम किया, जिससे इनके भाव में मजबूती आई। घरेलू मोर्चे पर सूरजमुखी तेल में वैश्विक वृद्धि के बाद मूंगफली की मांग बढ़ने से इसके दाम सुधरे, हालांकि यह अभी भी एमएसपी से नीचे है। बिनौला तेल में भी सुधार दिखा, क्योंकि उत्तर भारत की बंद मिलों के चलते महाराष्ट्र से महंगी आपूर्ति करनी पड़ रही है। वहीं, शुरुआत में कम भाव रहने से सरसों की खपत और पेराई में तेजी आई, जिससे इसके तेल-तिलहन के भाव मजबूत हुए। अच्छे दाम मिलने से उत्साहित किसान भविष्य में सरसों, सोयाबीन और कपास की खेती का रकबा बढ़ा सकते हैं। यह कदम देश को तेल-तिलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने और बहुमूल्य विदेशी मुद्रा बचाने में सहायक हो सकता है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 450 रुपये के सुधार के साथ 7,625-7,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 800 रुपये के सुधार के साथ 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमशः 115-115 रुपये के सुधार के साथ क्रमशः 2,575-2,675 रुपये और 2,575-2,720 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश- 325-325 रुपये के सुधार के साथ क्रमश- 7,625-7,675 रुपये और 7,275-7,350 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार, दिल्ली में सोयाबीन तेल 75 रुपये सुधार के साथ 15,900 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 125 रुपये के सुधार के साथ 15,850 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 35 रुपये सुधार के साथ 12,310 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

हॉकी झारखंड के एसजीएम में राष्ट्रीय खेल अधिनियम 2025 के आधार पर नए बायलॉज की मंजूरी

बिभा संवाददाता

रांची। रांची में स्पेशल जनरल बॉडी की बैठक रविवार को हॉकी झारखंड के अध्यक्ष भोलानाथ सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में राष्ट्रीय खेल नीति, अंतरराष्ट्रीय हॉकी संघ और हॉकी इंडिया के नियम-विनियमों के अनुरूप तैयार किए गए हॉकी झारखंड के बायलॉज को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई।

बैठक में झारखंड के सभी 24 जिलों से एक महिला और एक पुरुष पदाधिकारी शामिल हुए। इसके साथ ही हॉकी झारखंड की कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारी भी बैठक में उपस्थित रहे।

सदस्यों ने विस्तार से चर्चा के बाद 2026-30 के लिए हॉकी झारखंड के आम चुनाव कराने का समिति में प्रस्ताव लाया गया, जिस पर सभी लोगों ने अपनी सहमति दी।

महासचिव विजय शंकर सिंह ने बताया कि नए बायलॉज के लागू होने से संगठन का संचालन राष्ट्रीय खेल शासन अधिनियम 2025 के अनुरूप होगा। पदाधिकारियों का कहना है कि पारदर्शी चुनाव और नए संविधान से झारखंड में हॉकी के विकास को बल मिलेगा।

हॉकी झारखंड का अध्यक्ष भोलानाथ सिंह ने सभी जिला के अध्यक्ष सचिव से कहा कि सभी जिला में इकाई में भी जो भी समिति बने उसमें खिलाड़ियों की सहभागिता और महिला सदस्यों को भी रखना अनिवार्य है, जो भी जिला में यदि यह सब फॉलो नहीं हुआ है वह एक महीना के अंतर्गत अपना चुनाव कराकर पूर्णत लागू करें।

साथ ही जिला में जो पदाधिकारी हैं यदि आप लोग किसी अन्य खेल संघ में हैं तो उन्हें छोड़ दें सिर्फ एक ही खेल संघ में आप रहे इसके लिए आप लोगों को एक महीना का समय दिया जाता है आप लोग एक माह के अंतर्गत तो सारी चीज दुरुस्त कर ले। साथ ही उन्होंने पूर्व में जिन जिलों में हॉकी स्टिक नही मिले हैं वैसे सभी जिला के खिलाड़ियों की सूची जमा करने का निर्देश दिया ताकि हॉकी झारखंड की ओर से आगामी बैठक में उन जिलों के खिलाड़ियों को भी हॉकी स्टिक हॉकी झारखंड की ओर से दिया जाएगा।

इस बैठक में अध्यक्ष भोलानाथ सिंह, महासचिव विजय शंकर सिंह, कोषाध्यक्ष असरिता लकड़ा, उपाध्यक्ष मनोज कोनबेगी, चंद्यार्नी मजूमदार, अरविंद सिंह, धर्मेंद्र सिंह, अशोक भगत, अरविंद सिंह तूफानी, विजय कुमार सनातन सहित हॉकी झारखड़ के कार्यकारिणी समिति के पदाधिकारी और झारखंड के सभी 24 जिला के एक-एक महिला और पुरुष पदाधिकारी उपस्थित थे।

बकरीद को लेकर सिल्ली में शांति समिति की बैठक आयोजित सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील

बिभा संवाददाता

सिल्ली: सिल्ली थाना परिसर में रविवार के दिन संध्या 5 बजे बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने हेतु सिल्ली थाना एवं मुरी ओ पी की संयुक्त तत्वाधान में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सिल्ली थाना प्रभारी नवीन कुमार एवं संचालन मोहम्मद फारूक ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए सिल्ली थाना प्रभारी ने कहा कि पर्व के दौरान विधि व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।पर्व के दौरान पर्याप्त संख्या में पुलिस बल तैनात की जाएगी ताकि अप्रिय घटना को समय रहते रोका जा सके तथा संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी। कार्यक्रम के दौरान मुरी थाना प्रभारी विकास कुमार पासवान ने कहा कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की असामाजिक गतिविधि,अफवाह या कानून व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश करने वाले और असामाजिक तत्वों के खिलाफ पुलिस सख्ती से पेश आएगी।दोनों थाना के प्रभारियों ने अपील किया की पर्व को आपसी भाईचारा, सामाजिक सौहार्द एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाएं।अफवाहों पर ध्यान नहीं देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत प्रशासन को देने की अपील की। सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक खबरों एवं अफवाहों पर पुलिस कड़ी नजर रखी हुई है।अंत में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं बुद्धिजीवियों ने प्रशासन को हर संभव सहयोग देने का भरोसा जताया। बैठक में थाना क्षेत्र के सभी पुलिस पदाधिकारी, विभिन्न पंचायत के मुखिया,पंचायत समिति सदस्य,जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

रांची जिला नेटबॉल संघ के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण का आयोजन

रांची(बिभा) : रांची जिला नेटबॉल संघ के तत्वाधान में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण (समर कैम्प) का आयोजन मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम ,रांची , झारखंड में 24 से 31 मई तक किया गया है। जिसमें रांची जिला के कई स्कूल के छात्र एवं छात्राओं ने भाग लिया । कैंप में नेट बॉल से संबंधित तकनीकी जानकारी एवं शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ अनुशासित जीवन कैसे रखा जाए इसका विशेष ध्यान देते हुए रांची जिला नेटबॉल संघ के अध्यक्ष का अभिभाषण के साथ एवं राष्ट्रीय खिलाड़ियों के उपस्थिति में इस कैंप का प्रशिक्षण शुरू किया गया । इस आयोजन में रांची जिला नेटबॉल संघ के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद , सचिव - तारा तिर्की , कोषाध्यक्ष आकाश राय , उप सचिव - सचिन लोहार , उपाध्यक्ष पंकज टोप्पो, एवं राष्ट्रीय खिलाड़ी में रानी कच्छप, मेघा टोपनो, अरुण कुमार, लालू कच्छप उपस्थित थे ।

नारायण विश्वकर्मा का निधन, क्षेत्र में शोक की लहर

सिल्ली(बिभा): सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति सिल्ली के वरिष्ठ सदस्य नारायण विश्वकर्मा का रविवार को जमशेदपुर के टीएमएच अस्पताल में निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे। नारायण विश्वकर्मा बेहद सरल और मृदुभाषी स्वभाव के थे। सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठानों में हमेशा बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते थे। उनके निधन की खबर से सिल्ली क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति के नागेन्द्र नाथ गोस्वामी, भागवत सोनार, ऋषिकेश सोनार, सुखेंदु सेन गुप्ता, भादुड़ी गोराई, जगदीश चंद्र गोराई, कार्तिक गोराई समेत कई सदस्यों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना जताई।

बकरीद को लेकर तमाड़ थाना में शांति समिति की हुई बैठक

तमाड़(बिभा)। बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर तमाड़ थाना परिसर में थाना प्रभारी दुलाल कुमार महतो की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी तथा विभिन्न समुदायों के लोगों ने भाग लिया। थाना प्रभारी ने उपस्थित लोगों से पर्व के दौरान आपसी सौहार्द एवं भाईचारा बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें। बैठक में पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था को लेकर भी चर्चा की।

महतो टोला बूढ़ाबेहरा में लगा 25 केवीए का नया ट्रांसफार्मर, ग्रामीणों को मिली राहत

सिल्ली(बिभा) : सिल्ली प्रखंड के नागेडीह पंचायत के महतो टोला बूढ़ाबेहरा में रविवार के दिन 25 केवीए के विजली ट्रांसफॉर्मर का सिल्ली प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष कार्तिक चन्द्र महतो के उपस्थिति में केशव घटवार द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर उद्धघाटन किया गया। केशव घटवार ने बताया कि पिछले कई दिनों से 25 केवीए का विजली ट्रांसफॉर्मर खराब था। विजली उपभोक्ता एवं इस क्षेत्रों के लोगों को अंधेरे में रहना पड़ रहा था। लेकिन कार्तिक चन्द्र महतो के प्रयास से ट्रांसफॉर्मर मंगवाया गया। अब महतो टोला बूढ़ाबेहरा के ग्रामीणों को विजली मिल गयी है। इस मौके पर सिल्ली प्रखंड कांग्रेस महासचिव शमशेर आलम, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सहदेव वेदिया, राधेश्याम वेदिया, राजनारायण सिंह, रोहित सिंह, मेघनाथ सिंह, कमलेश सिंह,विजली मिस्त्री चंद्रमोहन महतो, जयप्रकाश महतो, सुफल वेदिया, लक्ष्मी नारायण सिंह समेत कई ग्रामीण उपस्थित हुए।

मो. जावेद हुसैन खूँटी के 16वें उपायुक्त के रूप में किया पदभार ग्रहण

सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों को बताया प्राथमिकता

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले में मात्र 35 दिन में ही उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया का स्थानांतरण हो गया। जिनके स्थान पर 16वें उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी के रूप में भारतीय प्रशासनिक सेवा के 2019 बैच के अधिकारी मोङ्क जावेद हुसैन ने रविवार को पदभार ग्रहण कर लिया है। उन्होंने निवर्तमान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया से कार्यभार संभाला।

पदभार ग्रहण करने के पश्चात नवनियुक्त उपायुक्त मोङ्क जावेद हुसैन ने कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक पहुँचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि जिले में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों को गति देते हुए उन्हें आगे बढ़ाया जाएगा, ताकि जिले की समग्र प्रगति सुनिश्चित की जा सके।

इस दौरान निवर्तमान उपायुक्त ने जावेद हुसैन को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया। मौके पर, नवनियुक्त उपायुक्त का स्वागत करते हुए उपस्थित पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। साथ ही , निवर्तमान उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया को भी उनके अल्पकाल सेवा की सराहना करते हुए पुष्पगुच्छ देकर उन्हें सम्मानित किया।

इस अवसर पर जिले के वरीय पदाधिकारीगण, विभिन्न विभागों के पदाधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे।

खूँटी का विकास नव नियुक्त उपायुक्त के लिए है एक बड़ी चुनौती

खूँटी जिले का विकास के लिए योजनाओं के साथ क्षेत्र का भी विकास चैलेंज का विषय है। जहाँ प्रमुख मुद्दा में बाईपास सड़क निर्माण, पेयजलापूर्ति योजना, विद्यालय भवन , अधुरे योजनाओं को पूरा कराना। बालू तस्करी के कारण ढहे पुल और आवागमन की समस्या, कई गाँवों में न तो सड़क है और न ही विद्यालय, ये सभी समस्याओं से निजात दिलाने में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी मो. जावेद हुसैन उम्मीदें हैं। इसके अलावे पेयजलापूर्ति हेतु कार्य करना और पुराने कार्यों पर उसे ठीक करना उनके सामने बड़ा विषय होगा। वहीं खूँटी एक समय बालू का अवैध तस्करी का केंद्र रहा उससे ठीक करके राजस्व संग्रहण के लिए भ्रष्टाचार को समाप्त करना बड़ा विषय होगा। वहीं विकास योजनाओं पर पारदर्शिता के साथ कार्य कर विकास को धरातल पर उतारना उनके सामने चुनौती होगा।

मुरहू प्रखंड के अनेक गांवों में गहराता जा रहा है जलसंकट : अरुण साबू

बिभा संवाददाता

खूंटी । मुरहू प्रखंड के कई गाँवों में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। इस संबंध में मुरहू उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने गंभीर चिंता व्यक्त की है। उप प्रमुख अरुण कुमार साबू ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत सप्लाई होने वाला पानी मुरहू, कोड़ाकेल, चमरा टोली एवं दूदरी गांव की जनता को पिछले लगभग 20 दिनों से नहीं मिल रहा है। भीषण गर्मी के बीच लोग पीने के पानी के लिए परेशान हैं।

उन्होंने बताया कि पंचायत समिति की बैठक में उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सहायक अभियंता को इस समस्या से अवगत कराया था तथा कहा था कि प्रखंड में पानी की समस्या विभाग की लचर व्यवस्था के कारण उत्पन्न हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रखंड विकास पदाधिकारी, मुरहू द्वारा भी कई बार विभाग को निर्देश दिया गया, लेकिन विभाग की ओर से यह कहकर जिम्मेदारी टाली जा रही है कि ठेकेदार बात नहीं सुनता।

उप प्रमुख श्री अरुण कुमार साबू ने विभाग को पत्राचार करते हुए दो दिनों के भीतर समस्या का समाधान करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनता इस भीषण गर्मी में पानी के लिए त्राहिमाम कर रही है और विभाग केवल ठेकेदार का बहाना बना रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पेयजल विभाग वर्ष के आठ महीने कार्यालय में ही रहता है, जबकि मात्र चार महीने लोगों को समुचित सुविधा दे पाने में भी विफल साबित हो रहा है। उन्होंने यह भी मांग की कि बोरिंग कार्यों की जांच कराई जाए ताकि भुगतान की गई गहराई एवं वास्तविक कार्य की सत्यता सामने आ सके और दोषी ठेकेदारों पर कार्रवाई हो।

वीर बिरसा शहादत दिवस और रोजगार सम्मेलन की तैयारी तेज करने का आह्वान

बिभा संवाददाता

खूंटी। ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट एवं झारखंड नवनिर्माण दल की खूंटी जिला समिति के तत्वावधान में सभी प्रखंड प्रभारियों की एक आवश्यक बैठक कचहरी के समीप जिला प्रभारी प्रेमचंद तिग्गा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य रूप से झारखंड प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के केंद्रीय संयोजक विजय सिंह उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए विजय सिंह ने केंद्र सरकार की विदेश एवं व्यापार नीति की आलोचना करते हुए कहा कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों से आम जनता परेशान है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका को खुश करने के लिए सरकार रूस और ईरान जैसे देशों से सस्ता तेल और गैस नहीं खरीद रही है। उन्होंने कार्यकताओं से इन मुद्दों को जनता के बीच ले जाने का आह्वान किया।

उन्होंने 9 जून को वीर बिरसा शहादत दिवस पर आयोजित संकल्प कार्यक्रम तथा 30 जून को रांची में प्रस्तावित राज्य स्तरीय रोजगार सामाजिक अधिकार सम्मेलन की तैयारी में अभी से जुटने की अपील की। साथ ही झारखंड में व्याप्त भ्रष्टाचार और लूट के खिलाफ जनसंघर्ष तेज करने की बात कही। बैठक में 21 जून को खूंटी में भ्रष्टाचार विरोधी प्रतिवाद कार्यक्रम आयोजित करने तथा विभिन्न कंपनियों में जमा लोगों की राशि भुगतान की मांग को लेकर जागरूकता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। बैठक में डॉ. सरफुद्दीन अंसारी, महावीर स्वासी, आयता मुंडा, महेश्वर सिंह समेत कई लोग उपस्थित थे।

तमाड़ : सप्त दिवसीय हरिनाम संकीर्तन शुरू

तमाड़(बिभा). श्री श्री राधारानी मंदिर समिति, तमाड़ के तत्वावधान में सात दिवसीय हरिनाम संकीर्तन की शुरूआत शनिवार देर शाम को पारंपरिक विधि से गंधधिवास के साथ किया गया, और रविवार की सुबह हरिनाम के साथ संकीर्तन की शुरूआत की गयी. जिसके पश्चात 24 मई से 30 मई तक चलने वाले अखंड हरिनाम संकीर्तन किया जायेगा. विशेष बात यह रही कि इस संकीर्तन कार्यक्रम का नेतृत्व करने के लिए पश्चिम बंगाल से महाप्रभु ब्रजकिशोर गोस्वामी व चंदन गोस्वामी विशेष रूप से पधारे हैं. मेले में मनोरंजन की भी विशेष व्यवस्था की गई है. जहां बच्चों और युवाओं के लिए झूले, मौत का कुआं और मीना बाजार जैसे आकर्षणों का आयोजन किया गया है. तमाड़वासियों के लिए यह आयोजन भक्ति, मनोरंजन और सामाजिक एकता का सुंदर संगम बनकर उभरा है।

नरकोपी थाना परिसर में बकरीद को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित

बिभा संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड अंतर्गत नरकोपी थाना परिसर में आगामी बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं भाईचारे के साथ संपन्न कराने को लेकर रविवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डीएसपी दीपक कुमार ने की। बैठक में शांति समिति के सदस्य, विभिन्न समुदायों के गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक को संबोधित करते हुए डीएसपी दीपक कुमार ने कहा कि बकरीद आपसी प्रेम, त्याग और भाईचारे का पर्व है। सभी लोगों को मिल-जुलकर सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहार मनाना चाहिए। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर प्रसारित आपत्तिजनक एवं अफवाह फैलाने वाले संदेशों से सावधान रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी तरह की संदिग्ध सूचना मिलने पर तुरंत पुलिस प्रशासन को इसकी जानकारी दें।

सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता है कि जिले में सभी धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्व शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हों। इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने लोगों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।

नरकोपी थाना प्रभारी शैलेंद्र टुडू ने कहा कि पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रहेगी। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने एवं किसी भी समस्या की सूचना तत्काल पुलिस को देने का आग्रह किया।बैठक में शांति समिति के सदस्यों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया तथा क्षेत्र में भाईचारा एवं आपसी सद्भाव बनाए रखने की बात कही।

मौके पर पंचायत समिति सदस्य मकबूल अंसारी, समाजसेवी समसद्दीन अंसारी, पिंटू अंसारी, मुमताज अंसारी, रफिक खान, दिलीप साहू समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

झारखंड में बालू कोयला व योजनाओं पर व्याप्त भ्रष्टाचार से मुक्ति आवश्यक : बाबूलाल

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिला भाजपा कार्यालय में भारतीय जनता पार्टी के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिस प्रशिक्षण वर्ग का रविवार को समापन हो गया।

इस समापन समारोह में झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इसके अलावे पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष पद्मभूषण कड़िया मुण्डा, प्रदेश उपाध्यक्ष नीलकण्ठ मुण्डा तोरपा के पूर्व विधायक कोचे मुंडा तथा प्रशिक्षण अभियान के प्रभारी एवं रांची के पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय आदि उपस्थित रहे।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान, आरएसएस की शाखा के साथ प्रशिक्षण में पार्टी की दिशा व विचारधारा की जानकारी दी गयी। हिंदूत्व और राष्ट्रीयता की विचारों के साथ समाज के बीच सेवा कार्य के द्वारा संगठन का विस्तार करने और केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को कैसे जनसाधारण के सामने रखें, इसपर जानकारी दिया गया। मौके पर कार्यकताओं को संगठनात्मक मजबूती, तकनीकी दक्षता और जमीनी स्तर पर जनसंपर्क को प्रभावी बनाने का संदेश दिया गया।

समापन सत्र में बाबूलाल मरांडी ने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार व्याप्त है। और भाजपा हमेशा सेवा सहयोग के साथ समाज और राज्य का विकास चाहती है। और इन भ्रष्ट सरकार से निजात दिलाने के लिए जनहित में भाजपा की सरकार बनाना आवश्यक है।इस लिए कार्यकर्ता निश्वार्थ भाव से समाज के बीच भाजपा के विचारधारा को पहुंचाने का कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य में केंद्र सरकार की योजनाओं को जानबूझकर बाधित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में बालू और कोयला घाटों से अवैध वसूली की शिकायतें सामने आ रही हैं तथा आम लोगों को जमीन के म्यूटेशन जैसे कार्यों के लिए अंचल कार्यालयों में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने भाजपा कार्यकताओं से पंचायत चुनाव की तैयारी अभी से शुरू करने का आह्वान करते हुए पंचायत स्तर तक संगठन को मजबूत करने पर बल दिया। प्रशिक्षण वर्ग में जिले के पदाधिकारी व सभी 13 मंडलों के अध्यक्ष तथा वरिष्ठ कार्यकताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष आनंद कुमार ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री निखिल कण्डुलना ने किया।

अर्जुन मुंडा ने अमित शाह से की मुलाकात, झारखंड के विकासात्मक मुद्दों पर हुई सकारात्मक चर्चा

बिभा संवाददाता

खूँटी । पूर्व मुख्यमंत्री और खूंटी के पूर्व सांसद अर्जुन मुंडा रविवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अर्जुन मुंडा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में मिली ऐतिहासिक विजय के लिए अमित शाह को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं और अंगवस्त्र ओढ़ा कर अभिनन्दन किया।

मुलाकात के दौरान झारखंड राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों एवं विकासात्मक मुद्दों पर सकारात्मक एवं विस्तृत चर्चा हुई। अमित शाह ने चुनाव अभियान में पार्टी के प्रमुख स्टार प्रचारक के रूप में अर्जुन मुंडा द्वारा निभाई गई जिम्मेदारियों, व्यापक जनसंपर्क एवं समर्पित प्रयासों की सराहना की।

अर्जुन मुंडा ने कहा कि अमित शाह का स्नेह, मार्गदर्शन एवं विश्वास उन्हें निरंतर प्रेरणा प्रदान करता है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली ।**
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com